राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

वर्ष : 12
अंक : 01
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
रविवार 17 जूलाई 2022
मूल्य : 1.50/-
नई दिल्ली से प्रकाशित
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट | पेज 3 भारत है पृथ्वी का केंद्र बिन्दु, हमारे चिंतन में निहित है विश्व की समस्याओं का समाधान : हरीश रौतेल प्रचारक ब्रिज प्रान्त राष्ट्रिय स्वयंसेवक संघ | पेज 5 लुलु मॉल नमाज विवाद : हनुमान चालीसा पढ़ने जा रहे हिंदूवादी कार्यकर्ताओं से पुलिस की नोकझोंक, 2 दर्जन हिरासत में | पेज 7 प्रियांशी प्रजापत महिला पहलवान ने विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के लिए किया क्वालीफाई

बारिश से महाराष्ट्र में 102 की मौत

पानी में डूबा राजस्थान का गंगानगर, सेना बुलाई गई; गुजरात के 9 जिलों में रेड अलर्ट

नई दिल्ली। महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, केरल और असम के कई इलाकों में भारी बारिश के बाद बाढ़ से हालात गंभीर हो गए हैं। महाराष्ट्र में मानसून आने के बाद से अब तक 102 लोगों की मौत हो चुकी है। उधर, राजस्थान के श्रीगंगानगर में भारी बारिश के बाद राहत और बचाव कार्य के लिए सेना को बुलाया गया है। गुजरात के 9 जिलों में रेड अलर्ट जारी किया गया है। असम में 2.10 लाख से ज्यादा लोग बाढ़ के पानी से घिरे हुए हैं।

देश में मानसून को आए 46 दिन हो चुके हैं। 16 जुलाई तक सामान्य रूप से 294.2 मिमी बारिश होनी थी, लेकिन यह आंकड़ा 335.2 मिमी पहुंच चुका है। इस लिहाज से सामान्य से 14 प्रतिशत ज्यादा बारिश हो चुकी है। हालांकि यूपी, बिहार, पश्चिम बंगाल और झारखंड जैसे चार राज्यों में सूखे जैसे हालात हैं। देश की कुल आबादी का करीब 38 प्रतिशत हिस्सा इन्हीं चार राज्यों में रहता है।

गुजरात : अब तक 106 लोगों की मौत

अहमदाबाद, सूरत, नवसारी, डांग और गिर-सोमनाथ में शुक्रवार को जोरदार बारिश हुई। वहीं, गिर-सोमनाथ जिले में देर रात तक बारिश का दौर जारी रहने से करीब 10 घंटों में वेरावल में 5 और सूत्रापाड़ा में 4 इंच बारिश हुई। मूसलाधार बारिश के चलते देवका, सरस्वती और हिरन नदियां उफान पर हैं। उधर, नवसारी इलाके में अंबिका नदी का जलस्तर बढ़ने के चलते नदी के किनारे बसे सोनवाडी की स्थिति बेहद खराब है।

मध्य प्रदेश : 15 दिन से अब तक 18 प्रतिशत ज्यादा बारिश

मध्य प्रदेश में 15 दिन से तेज बारिश हो रही है। प्रदेश में अब तक 12.76 इंच बारिश हो चुकी है। यह अब तक की सामान्य बारिश 10.81 इंच से 18 प्रतिशत ज्यादा है।

राज्य के 49 जिलों के 196 शहरों और कस्बों में बारिश हुई। नर्मदापुरम के इटारसी में सबसे ज्यादा 8 इंच पानी बरसा। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर में भी तेज बारिश दर्ज हुई। इंदौर में शुक्रवार सुबह साढ़े 8 से शाम 5.30 बजे तक 6.3 (0.24 इंच) मिलीमीटर पानी गिरा। इसे मिलाकर 21 घंटे में 1.4 इंच पानी गिरा। सीजन में अब तक 14.4 इंच बारिश हो चुकी है।

राजस्थान : श्रीगंगानगर में 10.2 इंच बारिश, सेना बुलाई गई

राजस्थान में इस साल अच्छी बारिश हो रही है। अब एक भी जिला सूखा नहीं है। 21 जिलों में सामान्य से अधिक, जबकि 12 में सामान्य बारिश हुई है। राज्य में अब तक 146.39 मिमी के मुकाबले 194.07 मिमी बारिश हो चुकी है। अभी मानसून के 75 दिन बाकी हैं। इस सीजन में 30 से 45 दिन भी अच्छी बारिश हुई तो बारिश का आंकड़ा औसत के पार होगा।

महाराष्ट : बारिश-बाढ़ से अब तक 102 लोगों की मौत

महाराष्ट्र में इस मानसूनी सीजन में बारिश के कारण हुए हादसों में अब तक 102 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें तीन मौतें पिछले 24 घंटे में हुईं। बुलढाना, नासिक और नंदुरबार जिले में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई और दो लोग लापता हैं।

जम्मू-कश्मीर : चिनाब नदी उफान पर

जम्मू-कश्मीर में शुक्रवार को भारी बारिश हुई। इससे चिनाब नदी का जल स्तर बढ़ गया है। सरकार ने तटीय क्षेत्रों में रेड अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

पंजाब : सतलुज नदी में जलस्तर बढ़ने से फाजिल्का क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति

पंजाब के फाजिल्का क्षेत्र में कई दिनों से हो रही बारिश की वजह से इसके किनारे बसे गांवों की 500 एकड़ फसल जलमग्न हो गई है। इसके अलावा और भी फसल खराब होने और पक्के मकानों में भी पानी घुसने की आशंका बनी हुई है। हालांकि फाजिल्का के तहसीलदार ने स्थिति फिलहाल नियंत्रण में बताई है।

कर्नाटक : 30 में से 13 जिले बाढ़ से घिरे

कर्नाटक के कई जिलों में शुक्रवार को भी बारिश जारी रही। तेज बारिश के कारण 30 में से 13 जिले बाढ़ से प्रभावित हैं।

बेलगाम, चिकमंगलूर और हासन जिलों के स्कूलों में छुट्टी की गई। चिकमंगलूर, कोडागु और हासन जिलों में भी बारिश ने कहर बरपाया है। कर्नाटक सरकार ने बाढ़ प्रभावित जिलों में लगभग 14 राहत शिविर बनाए हैं।

केरल : भारी बारिश से नदियां उफान पर

केरल में भारी बारिश से कासरगोड, कोझिकोड और वायनाड जिलों में नदियां उफान पर हैं।

इसके चलते मौसम विभाग ने लोगों को इनसे दूर रहने की चेतावनी दी है। विभाग ने आज कासरगोड, इडुक्की, वायनाड और कन्नूर में रेड अलर्ट जारी किया है।

असम : बाढ़ से 2 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित

असम में बाढ़ की स्थिति और बिगड़ गई है। जानकारी के अनुसार, अभी भी 2,10,746 लोग बाढ़ से घिरे हैं। शुक्रवार को कछार जिले में एक और व्यक्ति की मौत हो गई। इससे बाढ़ और भूस्खलन से मरने वालों की संख्या 194 हो गई है। छह जिलों के कुल 799 गांव अभी भी पानी में डूबे हुए हैं।

प्रधानमंत्री ने उत्तर प्रदेश के जालौन में बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के उद्घाटन के अवसर पर प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

संगरूर सांसद के बयान पर सियासी घमासान

शहीद भगत सिंह को आतंकवादी कहा; विरोधी पार्टियां बोली- माफी मांगे सिमरनजीत मान

चंडीगढ़। संगरूर से नए चुने सांसद सिमरनजीत मान के बयान से सियासी घमासान मच गया है। मान ने शहीद ए आजम भगत सिंह को आतंकवादी कह दिया। जिसके बाद विरोधी पार्टियां भड़क उठी। पंजाब में सरकार चला रही आम आदमी पार्टी ने भी मान को माफी मांगने के लिए कहा। मान ने यह विवादित हरियाणा के करनाल में दिया था। वहीं भाजपा, अकाली दल और कांग्रेस ने भी सिमरनजीत मान के बयान को गलत करार दिया।

भगत सिंह ने बेगुनाहों को मारा : सिमरनजीत मान

सांसद सिमरनजीत मान ने कहा कि सरदार भगत सिंह ने एक अंग्रेज नौजवान, एक अफसर और एक अमृतधारी सिख कॉस्टेबल को मार दिया था। नेशनल असेंबली में बम फेंक दिया था। भगत सिंह आतंकवादी है या भगत है, यह बता दीजिए। बेगुनाह आदमियों को मारना और पार्लियामेंट में बम फेंक देना शराफत की बात है। कुछ भी हो लेकिन भगत सिंह आतंकवादी तो है।

भगत सिंह की कुर्बानी से सांसद बने मान, माफी मांगें : मीत हेयर

पंजाब की आप सरकार के मंत्री गुरमीत मीत हेयर ने कहा कि देश आजाद होने के बाद पार्लियामेंट बनी। लोगों को वोट डालने का हक मिला। जिन वोटों को लेकर सिमरनजीत मान सांसद बने हैं। जिन भगत सिंह की शहादत के बाद देश आजाद हुआ, उन्हें यह आतंकवादी कह रहे हैं। भगत सिंह के भी अरमान थे लेकिन उन्होंने 23 साल की उम्र में कुर्बानी दे दी कि आने वाले समय में हमारी मां आजादी में सांस ले सकें। उनकी कुर्बानी को आतंकवादी कहना शर्मनाक है।

दशकों पुराना असम-अरुणाचल सीमा विवाद सुलझेगा

दोनों राज्यों के सीएम ने नमसाई समझौते पर साइन किए, समाधान के लिए 12 क्षेत्रीय कमेटियां काम करेंगी

ईटानगर। असम और अरुणाचल प्रदेश दशकों पुराने सीमा विवाद को सुलझाने के लिए तैयार हो गए हैं। इसके लिए अरुणाचल प्रदेश के सीएम पेमा खांडू और असम के ष्टरूहिमंत बिस्वा सरमा ने शुक्रवार को नमसाई समझौते पर दस्तखत किए। समझौता अरुणाचल के नमसाई जिले में हुआ, जिस वजह से इसका नाम नमसाई समझौता रखा गया। समझौते पर साइन करने के बाद सरमा ने ट्वीट कर बताया कि हमने विवादित गांवों की संख्या 123 से घटाकर 86 करने का फैसला किया है। मौजूदा सीमा के आधार पर हम 15 सितंबर 2022 तक बाकी गांवों में भी

समाधान का प्रयास करेंगे। विवादित 123 गांवों में 37 पर सहमति बन गई है, जबकि 86 में समाधान होना बाकी है। यह ऐतिहासिक है कि दोनों राज्य सरकारों का लक्ष्य बहुत कम समय में सीमा विवाद को हल करना है। इधर, पेमा खांडू ने ट्वीट किया कि नमसाई समझौता महत्वपूर्ण है। अरुणाचल प्रदेश के 12 जिलों और इससे सटे असम के जिलों के 123 गांवों के दौरे के लिए राज्य सरकारें 12 क्षेत्रीय कमेटियों का गठन करेंगी। यह कमेटियां सभी 12 जिलों के विवादित गांवों का दौरा करेंगी। यह कमेटियां 15 सितंबर तक पहली रिपोर्ट पेश कर सकती है। इसके बाद दोनों राज्यों की सरकारें रिपोर्ट पर चर्चा करेंगी। रिपोर्ट पर सहमति होने के बाद दोनों राज्य एक ड्राफ्ट तैयार करेंगे, जिसको अंतिम मंजूरी के लिए केंद्र सरकार के पास भेजा जाएगा।

पीएम ने बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन किया

वोट के लिए देश में मुफ्त रेवड़ी बांटने का कल्चर घातक, इनसे सावधान रहें

चित्रकूट से दिल्ली का सफर 6 से 7 घंटे में तय होगा

पहले चित्रकूट से कानपुर और फिर इटावा, आगरा के रास्ते दिल्ली जाना पड़ता था। इस सफर में 12 से 14 घंटे तक का वक्त लगता था। सफर की दूरी करीब 700 किलोमीटर थी। बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे बनने के बाद अब ये दूरी सिर्फ 626 किलोमीटर रह जाएगी। यानी, अब यह सफर 6 से 7 घंटे में पूरा हो जाएगा। एक्सप्रेस-वे की चौड़ाई 110 मीटर होगी। पैदल चलने वाले राहगीरों और पशुओं के लिए जगह-जगह अंडरपास बनाए गए हैं।

एजेंसी

जालौन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को जालौन में बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन किया। इसके बाद जनसभा में कह कि देश में मुफ्त की रेवड़ी बांटकर वोट बटोरने का कल्चर लाने की कोशिश हो रही है। ये देश के विकास के लिए बहुत घातक है। इससे बहुत सावधान रहना है।

पीएम ने भाषण बुंदेली भाषा में शुरू करते हुए कहा- वेदव्यास की जन्मस्थली बुंदेलखंड, हमारी बाईसा लक्ष्मीबाई की धरती पे बेर-बेर आबे को अवसर मिलो, हमें बहुतइ प्रसन्नता भई।

बुंदेलखंड की एक और चुनौती को कम करने के लिए हमारी सरकार निरंतर काम कर रही है। हर घर तक पाइप से पानी पहुंचाने के लिए हम जल जीवन मिशन पर काम कर रहे हैं।

योगीजी से कहूंगा यहां यूरोप जैसा टूरिज्म सर्किट बनाएं

पीएम ने यहां उड़ीसा के कलाकारों की बनाई झांकी भी देखी। PM ने कहा, यूरोप के कई देश ऐसे हैं, जहां पर पुराने किले देखने का पैटर्न है। यह बहुत बड़ा टूरिज्म सेक्टर बनता है। आज मैं योगी जी से कहूंगा यहां टूरिज्म सर्किट बनाएं। इससे दुनिया भर के लोग यहां आएं और किले देखें।

मोदी ने योगी की तारीफ करते हुए कहा, उत्तर प्रदेश के लोगों ने मिलकर सीएम योगी के नेतृत्व में क्की तस्वीर बदल दी है।

यहां कानून व्यवस्था सुधरी है। कनेक्टिविटी भी बढ़ रही है।

मोदी के क्कआने से पहले सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक वीडियो ट्वीट किया है। इसमें आधी अधूरी सड़क दिख रही हैं। उन्होंने लिखा, आधे-अधूरे बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे के उद्घाटन की हड़बड़ी बताती है कि इसका डिजाइन भी ऐसे ही चलताऊ बना है, तभी डिफेंस कॉरिडोर के पास होने के बाद भी यहां भाजपा सरकार, सपा काल में बने आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे जैसी हवाई पट्टी न बना पाई। इसे चित्रकूट तक विकसित न करना दूरदृष्टि की कमी है।

फरवरी-2020 में प्रधानमंत्री ने किया था शिलान्यास

इस एक्सप्रेस-वे को बनाने के लिए 36 महीने का समय तय किया गया था, लेकिन यह रिकॉर्ड 28 महीनों में बनकर तैयार हुआ है। फरवरी-2020 में प्रधानमंत्री ने इसका शिलान्यास किया था। यह 4 लेन का है। भविष्य में इसे 6 लेन का भी किया जा सकता है।

एक्सप्रेस-वे के किनारे 7 लाख पेड़ लगाए जाएंगे

यह एक्सप्रेस-वे चित्रकूट जिले के भरतकूट क्षेत्र के पास गोंडा गांव में खत्म होगा। एक्सप्रेस-वे पर 3.75 मीटर चौड़ी सर्विस लेन है। इसके किनारे 7 लाख पेड़ लगाए जाएंगे। बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे को बनाने में 14,850 करोड़ रुपए की लागत आई है।

सहमति से प्रेग्नेंट महिला को अबॉर्शन की इजाजत नहीं

दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा- पार्टनर शादी से इनकार कर रहा, तो हम डिलीवरी कराएंगे

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को एक अविवाहित महिला को करीब 24 हफ्ते की प्रेग्नेंसी के बाद अबॉर्शन की इजाजत देने से इनकार कर दिया। 25 साल की अविवाहित महिला ने अबॉर्शन के लिए दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। कोर्ट ने कहा- आप बच्चे को क्यों मार रहे हैं? बच्चे गोद लेने के लिए लोगों की बड़ी कतार है।

कोर्ट ने कहा कि प्रेग्नेंसी के 20 हफ्ते बाद इसकी अनुमति नहीं दी जा सकती। महिला की प्रेग्नेंसी के 24

हफ्ते 18 जुलाई को पूरे हो जाएंगे। कोर्ट महिला को किसी सुरक्षित अस्पताल में भेजने और डिलीवरी कराकर लौटने का इंतजाम करेगा। चीफ जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा ने कहा- आपकी लोकेशन किसी को पता नहीं चलेगी। आप बच्चे को जन्म दें और वापस आ जाएं। इसका खर्च सरकार देखेगी, अगर सरकार ऐसा नहीं करती, तो मैं इसके लिए भुगतान करने के लिए तैयार हूं।

पार्टनर ने शादी करने से इनकार किया था

महिला ने यह कहते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया था कि वह सहमति से प्रेग्ननेंट हुई है लेकिन बच्चे को जन्म नहीं दे सकती, क्योंकि वह अविवाहित है और उसके पार्टनर ने शादी करने से इनकार कर दिया है।

महिला के वकील ने कोर्ट में यह दलील दी थी कि अविवाहित होने की वजह से महिला बच्चे को पालने के लिए शारीरिक, मानसिक और आर्थिक रूप से तैयार नहीं है। शादी के बिना बच्चे को जन्म देने से उसे बहुत ही ज्यादा मानसिक और शारीरिक पीड़ा होगी। वकील ने तर्क दिया कि यह महिला के लिए एक सामाजिक कलंक होगा और बच्चा भी नाजायज कहलाएगा।

फ्री में शिक्षा और इलाज करवाना, मुफ्त की रेवड़ी बांटना नहीं : केजरीवाल

एजेंसी

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अपने देश के बच्चों को मुफ्त और अच्छी शिक्षा देना तथा मुफ्त इलाज करवाने को मुफ्त की रेवड़ी बांटना नहीं बल्कि इसे देश की नींव रखना कहते हैं।

श्री केजरीवाल ने आज संवाददाता सम्मेलन में कहा, मुझ पर आरोप लगाए जा रहे हैं कि केजरीवाल फ्री की रेवड़ियां बांट रहा है, केजरीवाल फ्री-बी दे रहा है।

मुझे भद्दी-भद्दी गालियां दी जा रही हैं, मेरा मजाक उड़ाया जा रहा है। आज मैं देश के लोगों से पूछना चाहता हूं कि मैं क्या गलत कर रहा हूं? दिल्ली के

गरीबों और मिडिल क्लास के बच्चों को मैं सरकारी स्कूलों में शानदार शिक्षा दे रहा हूं, लेकिन फ्री में शिक्षा दे रहा हूं। मैं लोगों से पूछना चाहता हूं कि क्या मैं फ्री की रेवड़ियां बांट रहा हूं या देश की नींव रख रहा हूं।

दिल्ली के सरकारी स्कूलों में 18 लाख बच्चे पढ़ते हैं। अभी तक उन 18 लाख बच्चों का भविष्य अंधकार में था। हमारी सरकार बनी थी, उससे पहले जैसे देश भर में सरकारी स्कूलों का बेड़ा गर्क है, देशभर में सरकारी स्कूलों की बुरी हालत है, वैसे ही दिल्ली के सरकारी स्कूलों की भी हालत थी। स्कूलों में पढ़ाई होती नहीं थी। सारे सरकारी स्कूल टूटे-फूटे थे, दीवारे टूटी हुई थी, छतें चू रही थी। ब्लैक बोर्ड और डेस्क नहीं था, बच्चे नीचे बैठे रहते थे।

कोई पढ़ाई नहीं होती थी। 18 लाख बच्चों का भविष्य बर्बाद था। आज अगर हमने इन 18 लाख बच्चों का भविष्य अच्छा कर दिया, अगर मैं इन बच्चों को अच्छी और शानदार शिक्षा दे रहा हूं, लेकिन फ्री में दे रहा हूं, तो मैं क्या गुनाह कर रहा हूं।

कोविड-19

कोरोना के 16,281 नए मरीज मिले; फ्री होते ही 13 लाख लोगों ने लगवाई बूस्टर डोज

देश के 2 राज्यों में पॉजिटिविटी रेट 19 प्रतिशत के पार

नई दिल्ली। देश में कोरोना के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। बीते दिन कोरोना के 16,281 नए मरीज सामने आए और 28 मरीजों की मौत हो गई। राहत की खबर यह है कि रिकवर होने वाले मरीजों की संख्या 13,991 रही। देश में अभी कोरोना के एक्टिव केस 1 लाख 39 हजार से ज्यादा हैं। इससे एक दिन पहले कोरोना के 20038 नए केस मिले, जबकि 47 मरीजों की मौत हो गई। पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 19 प्रतिशत के पार पॉजिटिविटी रेट दर्ज किया गया और सबसे ज्यादा मौतें महाराष्ट्र में हुईं।

15 जुलाई को फ्री होते ही पहले दिन13 लाख लोगों ने बूस्टर डोज लगवाई है। 52 करोड़ से ज्यादा लोगों के बूस्टर डोज लगवाने की तारीख भी आ गई है।

एमपी में 1 महीने में कोरोना की स्पीड डबल

मध्यप्रदेश में कोरोना मामले लगातार बढ़ रहे हैं। राज्य में पॉजिटिविटी रेट 3त्न पहुंच चुकी है। पूरे जून माह में 1878 कोरोना संक्रमित मिले थे, इतने जुलाई के 14 दिन में ही मिल गए हैं। संक्रमण से सबसे ज्यादा प्रभावित इंदौर है। इंदौर में पॉजिटिविटी रेट 14.14 प्रतिशत पर पहुंच गई है। जबलपुर में यह 8.01 प्रतिशत भोपाल में 6.37 प्रतिशत,

ग्वालियर में 3.65 प्रतिशत। इन महानगरों के अलावा बालाघाट में भी पॉजिटिविटी रेट 3.27 प्रतिशत है।

पश्चिम बंगाल में लगातार दूसरे दिन सबसे ज्यादा केस मिले

देशभर में सबसे ज्यादा कोरोना केस पश्चिम बंगाल में मिले हैं। राज्य में नए मामलों में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है। पिछले 24 घंटे में यहां 3067 नए केस मिले और 5 लोगों की मौत हुई। इससे एक दिन पहले 3029 केस मिले थे। राज्य में एक्टिव केस बढ़कर 30,043 हो गए, जोकि एक दिन पहले 28,856 थे। ठीक होने वाले मरीजों की संख्या 1875 है और पॉजिटिविटी रेट 19.54 प्रतिशत दर्ज किया गया।

महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा मौतें

देशभर में महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा मौतें हुई हैं। पिछले 24 घंटे में यहां कोरोना के 2,371 केस आए और 10 लोगों की मौत हुई। राज्य में इलाज करा रहे मरीजों की संख्या 16 हजार है और पॉजिटिविटी रेट 6.05 प्रतिशत दर्ज किया गया। एक दिन पहले यहां 2,229 नए मामले दर्ज किए गए थे और 4 लोगों ने अपनी जान गंवाई थी।

दिल्ली में 601 मामले आए सामने

दिल्ली में शुक्रवार को 601 नए केस सामने आए और पॉजिटिविटी रेट 3.64 प्रतिशत दर्ज की गई। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, पिछले एक दिन में कोविड-19 महामारी से किसी की मौत नहीं हुई। देश की राजधानी में अब तक 19 लाख से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं और 26,289 मरीजों की मौत हो चुकी है।

शार्ट न्यूज

पुंछ में एलओसी के पास दिखा ड्रोन, सेना ने की फायरिंग

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एसओसी) के पास एक ड्रोन दिखाई देने के बाद सेना के जवानों ने कुछ राउंड गोलियां चलायीं। जिसके बाद ड्रोन सीमपार की ओर चला गया। सेना के सूत्रों ने कहा, पुंछ में कृष्णा घाटी सेक्टर के मेंढर इलाके में नियंत्रण रेखा के पास देर रात ड्रोन को संदिग्ध तरीके से जासूसी करते हुए देखा। उन्होंने कहा कि इलाके में तैनात सेना के जवानों ने ड्रोन पर गोलियां चलाईं जिसके बाद वह पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) की तरफ लौट गया। उन्होंने कहा कि सेना ने ड्रोन द्वारा किसी तरह की संदिग्ध वस्तु को गिराये जाने की आशंका जताते हुए पुलिस और अर्धसैनिक बलों के साथ इलाके में तलाश अभियान शुरू किया। आगामी 29 जुलाई से शुरू होने वाली बाबा बुढ़ा अमरनाथ यात्रा के मद्देनजर दोनों सीमावर्ती जिलों राजौरी और पुंछ में सुरक्षा व्यवस्था बढाई गई है। इससे पहले छह जुलाई को भी सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास ड्रोन की संदिग्ध गतिविधि दिखाई दी थी।

खराब मौसम की चेतावनी के कारण दो जिलों की जिला योजना की बैठकें स्थगित

नैनीताल। उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में आने वाले दिनों में भारी बारिश की आशंका को देखते हुए चंपावत और नैनीताल जिला की जिला योजना की प्रस्तावित बैठकों को स्थगित कर दिया गया है। इन दोनों जिलों की प्रभारी मंत्री रेखा आर्य के निर्देश पर बैठकों को स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। जारी बयान में कहा गया है कि मौसम विभाग की ओर से सम्पूर्ण उत्तराखंड खासकर पर्वतीय क्षेत्र में आगामी 18 से 22 जुलाई तक भारी बारिश की आशंका जताई गयी है। अतिवृष्टि से होने वाले भूस्खलन और बाढ़ से सड़कों और मार्गों को नुकसान होने का खतरा है। इसके मद्देनजर 19 और 20 जुलाई को चंपावत और नैनीताल जिले की प्रस्तावित जिला योजना की बैठकों को स्थगित किया जाता है। आपदा प्रबंधन मंत्री श्रीमती आर्य की ओर से आरेंज और रेड अलर्ट को देखते हुए आपदा प्रबंधन विभाग को अलर्ट कर दिया गया है। विभाग को किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिये पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश दिये गये हैं। जिलों में पर्याप्त चिकित्सा व्यवस्था और मलबा हटाने के लिये जेसीबी मशीनों की व्यवस्था करने को भी कहा गया है। उन्होंने जनता से भी सचेत रहने और अत्यावश्यक होने पर ही यात्रा करने की अपील की है।

धामी ने जागेश्वर के प्रसिद्ध श्रावणी मेले का किया शुभारंभ

नैनीताल। उत्तराखंड के प्रसिद्ध जागेश्वर धाम में शनिवार को श्रावणी मेले का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जागेश्वर धाम का विकास मानस मंदिर माला परियोजना के तहत किया जायेगा। उन्होंने इस मौके पर 12.35 करोड़ की छह विकास योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास भी किया। श्री धामी का अल्मोड़ा के जागेश्वर धाम पहुंचने पर जागेश्वर मंदिर प्रबंधन समिति की ओर से मुख्यमंत्री का भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने सबसे पहले श्रावणी मेला का शुभारंभ किया और उसके साथ ही पूजा अर्चना भी की। उन्होंने इस मौके पर जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश में नयी शिक्षा नीति लागू होने से प्रदेश में शिक्षा प्रणामी में व्यापक सुधार होगा। काफी परिवर्तन देखने को मिलेंगे। उन्होंने आगे कहा कि समान नागरिक संहिता लागू करने वाला उत्तराखंड देश का पहला राज्य होगा। इसके लिये पांच सदस्यीय समिति का गठन किया गया है। इस कानून के लागू होने से 20 से 50 प्रतिशत केस खत्म हो जायेंगे जिससे जनता को राहत मिल सकेगी। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की जनता को लोकपर्व हरेले की बधाई दी और जागेश्वर धाम परिसर में पौधारोपण भी किया। शिक्षा मंत्री व जनपद के प्रभारी मंत्री धन सिंह रावत ने कहा कि एक महीने में सौ फीसदी शिक्षकों की तैनाती कर दी जायेगी। उन्होंने यह भी कहा कि अल्मोड़ा जनपद में पर्याप्त चिकित्सकों की तैनाती की गयी है। उन्होंने यह भी कहा कि नयी शिक्षा नीति को लागू करने वाला उत्तराखंड देश का पहला राज्य बन गया है।

केंद्रीय एजेंसियों को लेकर कांग्रेस का 22 जुलाई को धरना प्रदर्शन

शिमला। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के जांच एजेंसियों के कथित दुरुपयोग के विरोध में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर 21 जुलाई को शिमला में राज्य स्तरीय और 22 जुलाई को जिला स्तर पर धरना प्रदर्शन आयोजित करेगी। कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य और प्रदेश मामलों के प्रभारी राजीव शुक्ला ने उनकी अध्यक्षता में आज आयोजित प्रदेश कांग्रेस नेताओं की एक वर्चुअल बैठक में केंद्र की मोदी सरकार द्वारा प्रवर्तन निदेशालय, आयकर और केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) के कथित दुरुपयोग की निंदा की और कहा कि पार्टी नेताओं पर झूठे आरोप लगा कर उन्हें परेशान किया जा रहा है। कांग्रेस एकजुटता के साथ इसका मुकाबला करेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की नीतियां और कार्यक्रम घर घर तक पहुंचाने की दिशा में रोडमेप बना कर इसे जल्द पूरा किया जाना चाहिए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने बैठक को सम्बोधित करते हुए कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के जो भी कार्यक्रम प्रदेश को मिल रहे है उन्हें पूरी एकजुटता के साथ पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा प्रदेश में सेब बागवानों के साथ हो रहें भेदभाव के खिलाफ कांग्रेस ने भाजपा सरकार के खिलाफ हल्लाबोल शुरू कर दिया है। उन्होंने बताया कि आज रोहड़ू में कांग्रेस महासचिव विधायक मोहन लाल ब्राक्टा और विक्रमादित्य सिंह के नेतृत्व में एक बड़ा आंदोलन शुरू किया गया है जो सेब उत्पादक क्षेत्रों में क्रमवार किया जाएगा।

सांसद मान ने शहीदों का अपमान किया, जनता से मांगे माफी : मीत हेयर

चंडीगढ़। पंजाब आम आदमी पार्टी (आप) ने शिरोमणि अकाली दल (अमृतसर) के अध्यक्ष और संगरूर से सांसद सिमरनजीत सिंह मान के शहीद-ए-आजम भगत सिंह को %आतंकवादी% कहने के बयान की कड़ी आलोचना की है। साथ ही मान से उनके विवादित बयान के लिए पंजाब की जनता से बिना शर्त माफी मांगने की मांग की है। राज्य के उच्च शिक्षा मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर ने संवाददाताओं से कहा कि सिमरनजीत सिंह मान के बयान से करोड़ों भारतीयों की भावनाओं को ठेस पहुंची है। देश की जनता उन्हें कभी माफ नहीं करेगी। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि आप सरकार भगत सिंह को उनके सर्वोच्च बलिदान के लिए शहीद का दर्जा देगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बतौर सांसद रहते हुए इस मुद्दे को हमेशा जोर-शोर से संसद में उठाया था। उन्होंने कहा, भगत सिंह हमारे आदर्श हैं और मैं पूरी जिम्मेदारी के साथ यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि पंजाब सरकार भगत सिंह को शहीद का दर्जा देगी।

पति-पत्नी ने जहर खाया, दोनों की मौत, 22 दिन पहले हुई थी शादी

अलवर। राजस्थान में अलवर जिले के मालाखेड़ा पुलिस थाना क्षेत्र के मिर्जापुर गांव में पति-पत्नी ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। मौत के कारणों का अभी पता नहीं चला है। पुलिस के अनुसार मृतक के भाई ने बताया कि वह उत्तर प्रदेश के कानपुर में नौकरी करता है। 15 जुलाई की रात को 11 बजे कानपुर से घर आया था। थोड़ी देर ही हुई थी भाई नेमीचंद बाहर आकर मेरी चारपाई के नीचे गिर गया। कुछ बोलता उससे पहले ही हम समझ गए कि जहरीला पदार्थ खा लिया। तुरंत उसे अस्पताल लेकर आए। अंदर से मां उठकर आई। नेमींचद के कमरे में गए तो उसकी पत्नी सोनू भी बैड पर बेहोश थी। फिर दोनों को अस्पताल लेकर गए। नेमीचंद की मालाखेड़ा के अस्पताल में मौत हो गई। वहीं उसकी पत्नी सोनू ने अलवर जिला अस्पताल में इलाज के दौरान आज दम तोड़ दिया। मृतक दंपत्ति ने 22 दिन पहले ही लव मैरिज की थी। महिला उत्तराखंड की है। परिवार में आपसी मनमुटाव के कारण वे 10 दिन पहले ही माता-पिता से अलग रहने लगे थे। अब तक जहर खाने के कारणों का पता नहीं लगा है। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनो को सौंप दिया।

अबॉर्शन पर दिल्ली हाईकोर्ट का फैसला

सहमति से प्रेग्नेंट अविवाहित को 20 हफ्ते बाद गर्भपात की अनुमति नहीं, पूछा- आप बच्चे को क्यों मार रहे?

नई दिल्ली। एक अविवाहित महिला ने शुक्रवार को अबॉर्शन की मांग करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट में एक याचिका दाखिल की। कोर्ट ने 25 साल की इस महिला को गर्भपात की अनुमति देने से इनकार कर दिया और कहा कि प्रेग्नेंसी के 20 हफ्ते बाद इसकी अनुमति नहीं दी जा सकती। महिला इस महीने की 18 तारीख को प्रेग्नेंसी के 24 हफ्ते पूरा कर लेगी।

हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा और जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद की डिवीजनल बेंच ने फैसला सुनाते हुए पूछा- आप बच्चे को क्यों मार रहे हैं?

गोद लेने के लिए लोगों की बड़ी कतार है। जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा ने कहा- कोर्ट यह सुनिश्चित करेंगी कि महिला को किसी सुरक्षित अस्पताल में भेजा जाए और वह डिलीवरी कराकर जा सके।

महिला ने यह कहते हुए अदालत का दरवाजा खटखटाया था कि वह सहमति से प्रेग्ननेंट हुई है लेकिन बच्चे को जन्म नहीं दे सकती, क्योंकि वह अविवाहित है और उसके पार्टनर ने शादी करने से इनकार कर दिया है।

महिला के वकील ने कोर्ट में यह दलील दी थी कि अविवाहित होने की वजह से महिला बच्चे को पालने के लिए शारीरिक, मानसिक और आर्थिक रूप से तैयार नहीं है। शादी के बिना बच्चे को जन्म देने से उसे बहुत ही ज्यादा मानसिक और शारीरिक पीड़ा होगी। वकील ने तर्क दिया कि यह महिला के लिए एक सामाजिक कलंक होगा और बच्चा भी नाजायज कहलाएगा।

बच्चे को 4 हफ्ते और गर्भ में क्यों नहीं रख सकते?

इस पर चीफ जस्टिस ने कहा कि हम बच्चे को नहीं मार सकते। कानून हमें इसकी इजाजत नहीं देता। महिला ने बच्चे को 24 हफ्ते तक गर्भ में रखा है। वह 4 हफ्ते और क्यों नहीं रख सकती? अदालत ने कहा कि हम महिला को बच्चा पालने के लिए मजबूर नहीं कर रहे हैं।

अस्पताल का खर्च उठाने के लिए अदालत तैयार

अदालत यह सुनिश्चित करेगी कि उसे अच्छे अस्पताल में भेजा जाए। आपकी लोकेशन किसी किसी को पता नहीं चलेगी। आप बच्चे को जन्म दें, और वापस आ जाएं। इसका खर्च सरकार देखेगी, अगर सरकार भुगतान नहीं करती है तो मैं भुगतान करने के लिए तैयार हूं।

कोर्ट ने याचिका को खारिज करते समय मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी रूल्स, 2021 का हवाला दिया और बताया कि सहमति से गर्भवती होने वाली अविवाहित महिला का केस इस नियम के तहत नहीं आता।

खाद्य पदार्थों पर जीएसटी के विरोध में आढ़तियों ने जताया रोष

सिरसा। केंद्र सरकार द्वारा खाद्य पदार्थों पर लागू की गई पांच प्रतिशत वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) का विरोध शुरू हो गया है। विरोध की इसी कड़ी में शनिवार को सिरसा की अनाज मंडी में आढ़ती एसोसिएशन ने अखिल भारतीय व्यापार मंडल के निर्देश पर अपना-अपना कारोबार बंद रख रोष प्रदर्शन किया। आढ़ती एसोसिएशन सिरसा के प्रधान मनोहर मेहता के नेतृत्व में आढ़तियों ने जनता भवन रोड़, नई अनाजमंडी, अतिरिक्त मंडी, अराउंड एडिशनल मंडी, कपास मंडी में भ्रमण कर रोष प्रदर्शन किया। इस दौरान आढ़तियों ने सरकार विरोधी नारे लगाए और सरकार से इस कानून को वापस लेने की मांग की। प्रदर्शन के कारण मंडी में आज किसी भी फसल की बोली नहीं हुई।

आढ़ती मंडी एसोसिएशन के प्रधान मनोहर मेहता ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि सरकार लगातार व्यापार व व्यापारी विरोधी फैसले लेकर छोटे दुकानदारों व आढ़तियों का कारोबार बंद करने पर उतारू है। हाल ही में खाद्य पदार्थों पर जीएसटी लगाने का निर्णय लिया जिसकी कड़ी निंदा करते हुए सरकार से जीएसटी लगाने के निर्णय को तुरंत वापस लेने की मांग करते हैं। अगर सरकार ने इसे तुंरत वापिस नहीं लिया तो इसका डटकर विरोध किया जाएगा। उन्होंने कहा कि देश की जनता पहले ही महंगाई की मार से त्रस्त है, उपर से खाद्य पदार्थों पर जीएसटी लगाकर गरीब की थाली से रोटी छीनने जा रही है। इससे महंगाई व गरीबी बढ़ेगी तथा मंडियों में इंस्पेक्टरी राज की दोबारा स्थापना हो जाएगी। इंस्पेक्टर छोटे दुकानदारों को जीएसटी के नाम पर परेशान करेंगे। जीएसटी लगने से माल सीधा फैक्ट्रियों में जाएगा जहां किसानों का रोषण होगा। मंडियों में माल नहीं आने से सरकार को राजस्व की हानि होगी तथा अधिकारी व कर्मचारी अपनी जेबें भरेंगे जिससे भ्रष्टाचार को बढ़ावा मिलेगा।

खराब मौसम : दो जिलों की जिला योजना की बैठकें स्थगित

नैनीताल। उत्तराखंड के पहाड़ी क्षेत्रों में आने वाले दिनों में भारी बारिश की आशंका को देखते हुए चंपावत व नैनीताल जनपद की जिला योजना की प्रस्तावित बैठकों को स्थगित कर दिया गया है।

दोनों जनपदों की प्रभारी मंत्री रेखा आर्य के निर्देश पर बैठकों को स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। जारी बयान में कहा गया है कि मौसम विभाग की ओर से सम्पूर्ण उत्तराखंड खासकर पहाड़ों में आगामी 18 से 22 जुलाई तक भारी बारिश की आशंका जताई गयी है। अतिवृष्टि के फलस्वरूप होने वाले भूस्खलन व बाढ़ से सड़कों व मार्गों को नुकसान होने का खतरा है। इसको देखते हुए 19 व 20 जुलाई को चंपावत व नैनीताल जनपद की प्रस्तावित जिला योजना की बैठकों को स्थगित किया जाता है।

आपदा प्रबंधन मंत्री श्रीमती आर्य की ओर से आरेंज व रेड अलर्ट को देखते हुए आपदा प्रबंधन विभाग को अलर्ट कर दिया गया है। विभाग को किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिये पर्याप्त व्यवस्था करने के निर्देश दिये गये हैं। जिलों में पर्याप्त चिकित्सा व्यवस्था व मलबा हटाने के लिये जेसीबी मशीनों की व्यवस्था करने को भी कहा गया है। उन्होंने जनता से भी सचेत रहने और अत्यावश्यक होने पर ही यात्रा करने की अपील की है।

तीस्ता ने रची थी गुजरात सरकार गिराने की साजिश

एसआईटी का दावा- 20 साल पहले सोनिया के सचिव अहमद पटेल से लिए थे रु 30 लाख

अहमदाबाद। 2002 के गुजरात दंगों के बाद एक्टिविस्ट तीस्ता सीतलवाड़ ने गुजरात के मुख्यमंत्री रहे नरेंद्र मोदी को बदनाम करने की साजिश रची थी। तीस्ता ने इसके लिए सोनिया गांधी के सचिव रहे अहमद पटेल से 30 लाख रुपए लिए थे। गुजरात दंगों में तीस्ता के रोल की जांच कर रही एसआईटी ने अहमदाबाद सेशन कोर्ट में दाखिल हलफनामे में यह दावा किया है।

एसआईटी ने एफिडेविट में कहा- तीस्ता के साथ इस साजिश में उस वक्त गुजरात के छ्तक्करहे आरबी श्रीकुमार और पूर्व IPS संजीव भट्ट भी शामिल थे। इन लोगों ने गुजरात दंगों के बाद नरेंद्र मोदी की अगुआई वाली राज्य सरकार को अस्थिर करने की साजिश रची थी।

तीस्ता और साथियों को दो बार मिला फंड

एसआईटी ने कहा कि तीस्ता को अहमद पटेल से एक बार 5 लाख रुपए और दूसरी बार 25 लाख रुपए मिले थे।

एसआईटी ने जेल में बंद तीस्ता की जमानत याचिका का विरोध भी किया। गुजरात एसआईटी ने तीस्ता को 25 जून को मुंबई में उनके घर से गिरफ्तार किया था। यह गिरफ्तारी गुजरात दंगों में साजिश रचने के आरोप में हुई।

पटेल की बेटी ने कहा- आरोपों का चुनाव कनेक्शन

इस मामले में अहमद पटेल की बेटी मुमताज पटेल ने कहा कि गुजरात चुनाव से पहले तो ये होना ही था। इस मामले को 20 साल हो गए। मेरे पिता जिंदा थे तब कोई कार्रवाई क्यों नहीं की। चुनाव की वजह से ऐसे आरोप लगाए जा रहे हैं। पिछले 1.5 साल से मेरे पिता को बदनाम किया जा रहा है। हर चुनाव से पहले कुछ न कुछ मुद्दा उछाला जाता है।

एलओसी पार करके भारत में घुसी पाकिस्तानी महिला गिरफ्तार, इस्लामाबाद की रहने वाली है रोजिना

श्रीनगर। सेना ने शुक्रवार रात जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में एक पाकिस्तानी महिला को गिरफ्तार कर लिया। महिला नियंत्रण रेखा (एलओसी) पार कर भारत आई थी। अधिकारियों ने बताया कि महिला की पहचान पाकिस्तान में इस्लामाबाद के फिरोजबंदा इलाके की रोजिना (49) के रूप में हुई है।

अधिकारियों ने कहा कि रोजिना ने पुंछ के चक्र दा बाग में नियंत्रण रेखा को पार किया। उन्होंने कहा कि महिला को गिरफ्तार कर लिया गया और सेना उससे पूछताछ कर रही है। पूछताछ के बाद ही यह साफ हो पाएगा कि पाकिस्तानी महिला किस मकसद से एलओसी पार करके भारत में घुसी थी।

दूसरी ओर, जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में अधिकारियों ने आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच 19 जून को हुई मुठभेड़ की जांच के आदेश दिए हैं। उस मुठभेड़ में चार आतंकवादी मारे गए थे। यह मुठभेड़ उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के लोलाब इलाके के चंडीगाम इलाके में हुई थी।

लोलाब के एसडीएम को चंडीगाम में आतंकवाद विरोधी अभियान की सीआरपीसी की धारा 176 के तहत पड़ताल करने के लिए जांच अधिकारी नियुक्त किया गया है। प्रवक्ता ने कहा कि लोगों को सूचित किया जाता है कि अगर किसी के पास इस विषय के संबंध में किसी भी प्रकार की जानकारी है, तो वह इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से सात दिनों के भीतर अपना बयान दर्ज करा सकता है।

सिपाही पेपर लीक मामले में एक और गिरफ्तारी

शिमला। हिमाचल प्रदेश की सिरमौर पुलिस ने पुलिस सिपाही भर्ती सम्बंधी पेपर लीक मामले में सिरमौर से एक और गिरफ्तार की है। मामले में एसआईटी लम्बे समय से भूमिगत चल रहे शिक्षा विभाग में कार्यरत अधीक्षक और कोलर गांव निवासी को एसआईटी सिरमौर के द्वारा गिरफ्तार किया गया है। आरोपी ने उच्च न्यायालय में अग्रिम जमानत याचिका भी दायर की थी जिसके अस्वीकार किये जाने पर वह भूमिगत हो गया था लेकिन पुलिस शुक्रवार को उस तक पहुंचने में सफल रही। सूत्रों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी ने अपने किसी दोस्त के बच्चे के लिए पेपर खरीदा था।

काशीपुर में दस्त से मौतों को लेकर ओडिशा विस में हंगामा

भुवनेश्वर। ओडिशा के रायगड़ा जिले के काशीपुर प्रखंड में पिछले तीन दिन में दस्त से छह लोगों की मौतों को लेकर ओडिशा विधानसभा में शनिवार को शून्यकाल के दौरान हंगामा मच गया।

विपक्ष के हंगामे के कारण अध्यक्ष बिक्रम केशरी अरुख को दो बार सदन की कार्यवाही स्थगित करने के लिए मजबूर होना पड़ा, जब कांग्रेस के सदस्य सदन के बीचोंबीच आ गए और नारेबाजी की। उत्तेजित सदस्यों ने अध्यक्ष से मुख्यमंत्री को सदन में आने और इस मुद्दे पर बयान देने का निर्देश देने की मांग की। कांग्रेस विधायक दल के नेता नरसिंह मिश्रा ने इस मुद्दे को उठाते हुए कहा कि राज्य सरकार दावा कर रही है कि काशीपुर प्रखंड में 1.54 लाख लोगों में से 1.36 लाख लोगों को एक किलो चावल उपलब्ध कराया जा रहा है। वास्तविकता यह है कि फिर भी लोग आम के बीज खा रहे हैं और दस्त एवं भूख से मर रहे हैं।

श्री मिश्रा ने कहा कि यह संकेत देता है कि सरकार द्वारा प्रदान किया गया चावल पर्याप्त नहीं है। राज्य में काशीपुर जैसे कई क्षेत्र हैं, लेकिन सरकार इन मुद्दों पर ध्यान देने की बजाय झूठी जानकारी देकर पुरस्कार हासिल करने में लगी हुई है ।उन्होंने कहा कि सरकार विभिन्न लोकलुभावन कार्यक्रमों को शुरू करके और एक निजी साहूकार की तरह लोगों का शोषण करके इसका श्रेय ले रही है।

राजद-कांग्रेस के लोग अन्तरात्मा की आवाज पर करें द्रौपदी मुर्मू का समर्थन : सुशील

पटना। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दलों से राष्ट्रपति चुनाव में अंतरात्मा की आवाज पर आदिवासी महिला द्रौपदी मुर्मू का समर्थन करने की अपील की। श्री मोदी ने शनिवार को ट्वीट कर सभी विपक्षी दलों के सांसदों और विधायकों से अपील की कि वे अन्तरात्मा की आवाज पर वृहत्तर बिहार की बेटी द्रौपदी मुर्मू का समर्थन कर उन्हें पहली आदिवासी राष्ट्रपति होने का गौरव प्रदान करें। उन्होंने कहा कि श्रीमती मुर्मू आज के उड़ीसा राज्य से हैं और वे झारखंड की राज्यपाल रह चुकी हैं, जबकि ये दोनों राज्य कभी बिहार का हिस्सा थे। भाजपा सांसद ने कहा कि राष्ट्रपति चुनाव में कोई व्हिप जारी नहीं होता इसलिए राजद-कांग्रेस के जनप्रतिनिधि भी दलगत दायरे से बाहर आकर एक आदिवासी महिला को राष्ट्रपति बनाने में सहयोगी हो सकते हैं।

रीट परीक्षा के लिए एक घंटा पूर्व तक ही दिया जायेगा प्रवेश

अजमेर। राजस्थान अध्यापक पात्रता परीक्षा (रीट) 2022 के अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र में परीक्षा प्रारंभ होने से एक घंटा पूर्व तक ही प्रवेश दिया जा सकेगा।

अजमेर स्थित रीट परीक्षा की नोडल एजेंसी माध्यमिक शिक्षा बोर्ड मुख्यालय के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार आगामी 23 एवं 24 जुलाई को राज्य के समस्त जिला मुख्यालयों पर आयोजित होने वाली परीक्षा के लिए परीक्षा केंद्र पर प्रात:कालीन पारी में प्रात: नौ बजे तथा दोपहर की पारी के लिए दो बजे के पश्चात प्रवेश नहीं दिया जाएगा। हालांकि अभ्यर्थी को सलाह दी गई है कि वह परीक्षा केंद्र पर दो घंटे पूर्व जांच के लिए पहुंच जाना चाहिए ताकि अभ्यर्थी को केंद्र में प्रवेश में सुविधा रहे सके। बताया गया कि अभ्यर्थियों को परीक्षा के लिए शहर मुख्यालय एवं केंद्र आवंटित कर दिए गए है। रीट परीक्षा दोनों दिन दो पारियों में क्रमश: प्रात: दस से दोपहर साढ़े बारह तथा अपराह्न तीन से साढ़े पांच बजे तक आयोजित होगी। सूत्रों ने बताया कि पहले दिन 23 जुलाई को पहली पारी में प्रथम स्तर की तथा दूसरी पारी एवं अगले दिन भी दोनों पारियों में द्वितीय स्तर की परीक्षा होगी।

अजमेर स्थित रीट कार्यालय मुख्यालय पर परीक्षा के सफल आयोजन के लिए सभी तरह की उच्च स्तरीय तैयारी कर ली गई है। बोर्ड प्रबंधन एवं रीट समन्वयक परीक्षा को लेकर पूरी तरह गंभीर है तथा एक एक पहलू पर नजर बनाए हुए हैं। परीक्षा प्रश्न पत्रों की सुरक्षा के साथ परीक्षा में नकल न हो पाए इसके लिए खास इंतजाम भी किए जा रहे है। परीक्षा केंद्रों को सीसीटीवी कैमरों के दायरे में रखा गया है।

राज्य सरकार के निर्देश पर रोडवेज प्रबंधन अभ्यर्थियों को निशुल्क यात्रा सुविधा उपलब्ध कराएगा। रेलवे ने भी रीट परीक्षा के साथ रविवार को होने वाली नीट परीक्षा में परीक्षार्थियों की सुविधार्थ चार ट्रेनों में द्वितीय साधारण श्रेणी डिब्बों की अस्थायी बढ़ोतरी की है।

आज प्रजातंत्र खतरे में ही नहीं बल्कि समाप्त हो गया है : यशवंत

पटना। विपक्षी दलों की ओर से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार पूर्व केंद्रीय मंत्री यशवंत सिन्हा ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि आज प्रजातंत्र खतरे में ही नहीं बल्कि समाप्त हो गया है।

श्री सिन्हा राष्ट्रपति पद के लिए हो रहे चुनाव में अपने समर्थन के लिए शुक्रवार को पटना के जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा पहुंचे। इसके बाद उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नीत महागठबंधन के घटक दलों के नेताओं के साथ बैठक की।

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने बाद में विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मदन मोहन झा, पश्चिम बंगाल के आसनसोल से तृणमूल कांग्रेस के सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री शत्रुघ्न सिन्हा की उपस्थिति में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर हमला बोला और कहा कि आज प्रजातंत्र खतरे में ही नहीं बल्कि समाप्त हो गया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की ओर से राष्ट्रपति पद के लिए उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू ने अपना नामांकन नहीं किया बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनका नामांकन दाखिल किया है। सिन्हा ने बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव को बधाई देते हुए कहा कि विपक्ष को एकजुट करने में वह (श्री यादव) कामयाब हुए हैं। विपक्षी दल ने दिल्ली में तय किया कि मैं उनका राष्ट्रपति उम्मीदवार रहूं। इसके बाद मैंने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से लगातार फोन पर बातचीत करने की कोशिश की लेकिन उन्होंने बात नहीं की। श्री कुमार को बिहार के बारे में सोचना चाहिए। उन्होंने कहा कि ओडिशा के मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने श्रीमती द्रौपदी मुर्मू की उमीदवारी घोषित होते ही समर्थन का ऐलान किया तो मुख्यमंत्री श्री कुमार एक बिहारी को क्यों नहीं समर्थन कर रहे हैं। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि बहुत सारे शब्दों को अब असंसदीय बना दिया गया है। अब हर कदम पर रोका जायेगा। सदन में सांसद अब ठीक से अपनी बात नहीं रख सकेंगे।

खाद्य पदार्थो पर पांच प्रतिशत जीएसटी लगाने के विरोध में अजमेर बंद रहा

अजमेर। राजस्थान का अजमेर आज व्यापार बंद के तहत पूरी तरह से प्रभावित रहकर व्यापारिक गतिविधियां संचालित नहीं कर सका जिससे करोड़ों रुपए का व्यापार प्रभावित हुआ। भारत उद्योग व्यापार मंडल दिल्ली एवं राजस्थान खाद्य पदार्थ व्यापार संघ जयपुर के संयुक्त आह्वान पर खाद्य पदार्थों पर पांच प्रतिशत जीएसटी लगाए जाने के केंद्र सरकार के निर्णय के विरोध में राष्ट्र व्यापी बंद के तहत आज अजमेर में भी व्यापार पूरी तरह बंद रहा। अजमेर हॉल से मर्चेंट एसोसिएशन ने बंद का समर्थन करते हुए अनाज, दाल, दलहन, गुड़, आटा, मैदा, तेल सहित सभी किराना व्यापारी बंद में शामिल हुए। ब्यावर रोड स्थित कृषि मंडी खुली नहीं। आटा, दाल मिले भी बंद रही।

कांग्रेस ने की ओछी राजनीति, पर जनता ने दिया जनहितैषी योजनाओं को समर्थन : शर्मा

भोपाल। मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने आज कहा कि कांग्रेस ने निकाय और पंचायत चुनाव में भी छल-कपट की ओछी राजनीति करने की कोशिश की, लेकिन जनता ने भाजपा की जनहितैषी योजनाओं को समर्थन दिया। श्री शर्मा ने यहां संवाददाताओं से चर्चा के दौरान कहा कि हाल ही में संपन्न हुए पंचायत चुनाव में मध्यप्रदेश की जनता ने 233 जनपदों और 19 हजार 863 ग्राम पंचायतों में भाजपा कार्यकर्ताओं को बहुमत से जीत दिलाकर भाजपा सरकार की विकासवादी नीति को अपना समर्थन दिया है। उन्होंने कहा कि चुनाव पूर्व भाजपा कार्यकर्ताओं ने बूथ विजय संकल्प के साथ ही अपने ग्राम-शहर को ग्रीन व क्लीन बनाने का संकल्प लिया था। चुनाव में जनता से मिले अपार समर्थन के बाद भाजपा कार्यकर्ता ग्राम, जनपद और शहर को ग्रीन-क्लीन बनाने के लिए कटिबद्ध हैं। लोकसभा सांसद श्री शर्मा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने अपनी आदत अनुसार निकाय और पंचायत चुनाव में भी झूठ, छल और कपट की ओछी राजनीति करने की कोशिश की लेकिन जनता ने भाजपा की विकास और जनहितैषी नीतियों को समर्थन देकर भाजपा कार्यकर्ताओं को विजयी बनाया और कांग्रेस को करारा जवाब दिया है। उन्होंने विश्वास जताया कि कल और 20 जुलाई को आ रहे नगरीय निकाय चुनाव के परिणामों में 16 नगर निगम सहित सभी नगर पालिका और नगर परिषद में भाजपा प्रत्याशी प्रचण्ड बहुमत से विजयी होंगे।

शार्ट न्यूज

दिल्ली महिला आयोग ने 15 साल की बच्ची से बलात्कार और हत्या के प्रयास के मामले में दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग को एक 15 साल की लड़की के बलात्कार और हत्या के प्रयास की शिकायत मिली थी। लड़की के पिता ने आयोग को बताया कि वह एक दिहाड़ी मजदूर है और अपने परिवार के साथ दिल्ली में रहता है। उन्होंने बताया कि उनकी 15 साल की बेटी एक जूता फैक्ट्री में काम करती थी। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि एक दिन जूता फैक्ट्री का एक ठेकेदार अपनी पत्नी की बीमारी के बहाने उसकी बेटी को अपने घर ले गया और लड़की के साथ बलात्कार किया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि 5 जुलाई 2022 को आरोपी ने उनकी बेटी को जबरन तेजाब पिला दिया । लड़की फिलहाल बेहद गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती है। दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने मामले का संज्ञान लेते हुए दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है। आयोग ने मामले में दर्ज प्राथमिकी और गिरफ्तार आरोपियों का ब्योरा मांगा है। आयोग ने पुलिस से कहा है कि पीड़िता का बयान तुरंत अस्पताल में ही मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज किया जाए क्योंकि बच्ची की हालत बेहद गंभीर है। दिल्ली महिला आयोग अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने कहा, हमें 15 साल की बच्ची के साथ बलात्कार और हत्या के प्रयास की एक बहुत ही गंभीर शिकायत मिली है। बच्ची को कथित तौर पर जबरन तेजाब पिलाया गया। हमारी टीम लगातार लड़की की स्थिति पर नजर रखे हुए है और पीड़िता और उसके परिवार को हर संभव मदद मुहैया करा रही है। पीड़िता का बयान जल्द से जल्द मजिस्ट्रेट के सामने दर्ज किया जाना चाहिए और प्राथमिकी दर्ज की जानी चाहिए और मामले में तुरंत गिरफ्तारी की जानी चाहिए।

गाजियाबाद के खोड़ा में तेज बारिश से कबाड़ गोदाम की छत गिरी, मलबे में दबकर 6 महिलाओं सहित 8 लोग घायल

गाजियाबाद । दिल्ली से सटे गाजियाबाद के खोड़ा इलाके में शनिवार शाम एक कबाड़ के गोदाम की छत गिरने से आठ घायल हो गए। घायलों में छह महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया है। जानकारी के अनुसार, खोड़ा के मोहल्ला प्रेम विहार में सत्येंद्र कबाड़ी का गोदाम है। शनिवार को तेज बारिश होने के कारण गोदाम में काम करने वाले मजदूरों के ऊपर सिल्ली पटिया और गार्डर से बनी छत गिर गई। इसके चलते वहां काम कर रहे 8 मजदूर घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए पास के गुप्ता नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया है। फिलहाल, सभी की हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। घायलों की पहचान- सत्येंद्र (36 वर्ष), सुमन पुत्र दिनेश्वर यादव (36 वर्ष), रेनू (40 वर्ष), गिरजा देवी (54 वर्ष), सुषमा (28 वर्ष), सुषमा पत्नी भोला ठाकुर (28 वर्ष), सुरेखा देवी (40 वर्ष) और उमा (40 वर्ष) के रूप में हुई हैं। गौरतलब है कि इससे पहले शुक्रवार दोपहर को बाहरी दिल्ली के अलीपुर इलाके के बकोली गांव में भी एक निर्माणाधीन गोदाम की दीवार गिरने से पांच लोगों की मौत हो गई और नौ लोग घायल हो गए थे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया था कि निर्माणाधीन गोदाम की लगभग 100 फुट लंबी और 15 फुट ऊंची दीवार गिर गई। दीवार के पास नींव की खुदाई कर रहे करीब 20 मजदूर मलबे के नीचे दब गए। उन्होंने कहा कि सबके प्रयासों से 13 मजदूरों को नरेला के सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र अस्पताल ले जाया गया था। उनमें से 9 का इलाज जारी है, जबकि पांच अन्य को मृत घोषित कर दिया गया।

पहले गली पार करने को दो पक्षों में हुई झड़प

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के सुल्तानपुरी इलाके में मामूली बात पर बहस के बाद दो पक्षों के बीच झगड़ा होने का मामला सामने आया है। इस झगड़े के संबंध में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। घटना 13 जुलाई की है। पुलिस ने इस संबंध में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस की ओर से मिली जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता प्रेम सिंह (48 वर्ष) निवासी झुग्गी नं. 8, पीर बाबा मजार के पास रहता है और जामा मस्जिद के पास एक सड़क किनारे झूला चलाता है। घटना वाले दिन वह अपने कर्मचारियों और झूले के साथ घर वापस आ रहा था। जब वह आई-ब्लॉक, एबी एक्सटेंशन, पीर बाबा मजार के पास पहुंचा तो उसे एक संकरी गली में सामने से मछली ले जा रहा एक टेम्पो आता दिखा। टेंपो चालक ताहिर हुसैन और प्रेम सिंह के बीच इस बात को लेकर बहस हो गई कि कौन पहले गली पार करेगा। यह बहस जल्द ही हाथापाई में बदल गई। टेंपो चालक ताहिर हुसैन की ओर से चार और लोग- सधीर, मुजफ्फर, जुनैद और रईस वहां आ गए। वहीं, प्रेम सिंह ने भी फोन कर अपने भाई को बुला लिया। इस झगड़े में प्रेम सिंह के सिर में चोट लगी और उसे इलाज के लिए एसजीएम अस्पताल ले जाया गया। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी आरोपियों को सीआरपीसी की धारा 107/151 के तहत तुरंत हिरासत में ले लिया। इसके बाद, पुलिस ने शिकायतकर्ता के स्वस्थ होने पर उसके बयान दर्ज करने के बाद आईपीसी की धारा 323, 341, 506, 34 के तहत एफआईआर दर्ज कर सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

दिल्ली मेट्रो में मास्क अनिवार्यता का जमकर उल्लंघन कर रहे यात्री, कोरोना को लेकर कही ये बात

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो के स्टेशन परिसरों व ट्रेन में बड़ी संख्या में यात्री मास्क नहीं लगाकर या अनुचित तरीके से मास्क लगा कोविड-19 संबंधी नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। हालांकि, डीएमआरसी ने कहा है कि उसके द्वारा सुरक्षा मानकों के पालन को सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। कई मार्गों के लिए ट्रेन बदलने की सुविधा वाले उत्तरी दिल्ली के कश्मीरी गेट स्टेशन से लेकर दक्षिण दिल्ली के जंगपुरा के अपेक्षाकृत छोटे स्टेशन तक यात्रा के दौरान अनेक यात्रियों को बिना मास्क के पाया गया। इस दौरान कई यात्रियों ने यह दावा भी किया कि कोविड-19 खत्म हो गया है। सुरक्षा कर्मियों को भी तलाशी लेने के बाद कई यात्रियों को बिना मास्क पहने स्टेशन के अंदर जाने की इजाजत देते देखा गया। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के पास दिल्ली मेट्रो परिसर की सुरक्षा का जिम्मा है और इसके कर्मी प्रवेश और निकास की भी सुरक्षा करते हैं। कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन पर ड्यूटी पर तैनात सीआईएसएफ के एक जवान ने स्वीकार किया कि कई यात्री बिना मास्क पहने स्टेशन परिसर में आते हैं। जवान ने कहा कि जो लोग कहते हैं कि वे मास्क पहनना भूल गए, उन्हें हम मेट्रो के मुख्य प्रवेश द्वार के बाहर सिर्फ पांच रुपये में बिक रहे मास्क को खरीदने का सुझाव देते हैं, लेकिन शायद ही कोई सुनता है।

दिल्ली विश्वविद्यालय यूजीसीएफ शिक्षकों के कार्यभार को कम नहीं करेगा : डीयू कुलपति

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के कुलपति योगेश सिंह ने उन दावों को खारिज किया है, जिसमें कहा गया है कि स्नातक पाठ्यक्रम रूपरेखा (यूजीसीएफ) के कार्यान्वयन से शिक्षकों के कार्यभार में कमी आयेगी। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे का राजनीतिकरण किया जा रहा है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 के तहत तैयार किये गये यूजीएफसी को शैक्षणिक सत्र 2022-23 से क्रियान्वित किया जाएगा। शिक्षकों, खासकर अंग्रेजी विभाग के शिक्षकों ने दावा किया था कि यूजीएफसी के क्रियान्वयन से शिक्षकों के मौजूदा कार्यभार में लगभग 30 से 40 प्रतिशत की भारी कमी होगी। लेकिन, कुलपति ने इस सप्ताह के शुरू में एक साक्षात्कार में पीटीआई-भाषा से कहा था, सरकार कुछ सुधार लाई है और हमें इसका स्वागत करना चाहिए। शिक्षकों का कोई विस्थापन नहीं होगा। कुलपति ने कहा कि मुद्दों का राजनीतिकरण करना आसान है। उन्होंने पूछा कि जब तीन साल का पाठ्यक्रम चार साल में होगा, तो काम का बोझ कैसे कम होगा? उन्होंने कहा कि कार्यभार की गणना चार साल के कार्यक्रम के आधार पर की जाएगी न कि एक साल के आधार पर। कुलपति ने कहा, कार्यकारिणी परिषद ने एक प्रस्ताव पारित किया है कि किसी भी शिक्षक को विस्थापित नहीं किया जाएगा, कोई भी प्रशासनिक फैसला चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम के आधार पर लिया जाएगा।

भारत है पृथ्वी का केंद्र बिन्दु, हमारे चिंतन में निहित है विश्व की समस्याओं का समाधान : हरीश रौतेल प्रचारक ब्रिज प्रान्त राष्ट्रिय स्वयंसेवक संघ

प्रफुल्ल राय

नई दिल्ली। विश्व हरेला महोत्सव परिवार द्वारा विश्व हरेला महोत्सव का आयोजन महाराष्ट्र सदन में किया गया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वृज प्रान्त के प्रचारक श्री हरीश रौतेला ने अपने उद्बोधनमें हरेला महोत्सव की विशेषताओं और महत्व पर विस्तृत में प्रकाश डाला। उन्होंने वेदों में उल्लेख संस्कृत के श्लोक मूलं ब्रह्मा त्वचा विष्णु: शाखा रुद्र महेश्वरः, पत्रे-पत्रे तु देवानां वृक्षराज नमोस्तुते का उल्लेख करते हुए बताया की जब पर्यावरण नाम का कोई शब्द ही नहीं था तब से हमारे दूरदर्शी पूर्वजों ने इस पर गहन चिंतन करना शुरु कर दिया था जो की आज के परिपेक्ष में हरेला पर्व के स्वरुप में हमारे चिंतन को आगे ले जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम सहित अन्य संस्थाओ का उल्लेख करते हुए पर्यावरण संवर्धन को बहुत ही महत्वपूर्ण विषय बताया और जिस प्रकार मनुष्य का तापमान सिर्फ 2 डिग्री बढ़ जाये तो वह अस्वस्थ हो जाता है इसी तरह निरंतर प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंद दोहन से पृथ्वी का तापमान बढ़ रहा है जिससे विश्व में कई जटिल समस्याएं उत्पन्न हो रही है, जैसे कि आकस्मिक समुद्र का जलस्तर बढ़ जाना, हिमखण्डों का पिघलना, जलस्त्रोतों का सुख जाना इत्यादि। इसी तरह निरंतर कार्बन उत्सर्जन और अन्य प्रदूषण के कारण विश्व में 235 करोड़ से भी अधिक लोग अस्थमा जैसी

जटिल बीमारी के शिकार हो गए हैं। उन्होंने भारत को पृथ्वी (पिण्ड) की आत्मा बताया और आज पर्यावरण जैसी जटिल समस्याओं के समाधान के लिए पूरा विश्व हमारी तरफ देख रहा है इसीलिए हरेला जैसा महान पर्व जो की अध्यात्म एवं प्रकृति के बीच का गहन चिंतन है उसको विश्व पटल पर ले जाना प्रासांगिक हो गया है। उन्होंने दश कूप समा वापी, दशवापी समोह्रद:। दशह्रद सम: पुत्रों, दशपुत्रो समो द्रमु:।। का उल्लेख करते हुए अनुरोध किया की प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन में कम से कम 2 वृक्षों का रोपण करना चाहिए।

महाराष्ट्र के माननीय राज्यपाल श्री भगत सिंह कोशियारी ने अपने सम्बोधन में प्रकृति के दोहन पर नहीं बल्कि संबर्धन पर जोर दिया। उन्होंने गीता के श्लोक ऊर्ध्वमूलमध: शाखमश्वत्थं प्राहुरव्ययम् ।

छन्दांसि यस्य पर्णानि यस्तं वेद स वेदवित्?॥ का उल्लेख करते हुए विश्व को वृक्ष का स्वरुप और पुरातन संस्कृति में पेड़ों की पूजा महत्व बताया। उन्होंने बताया की अत्यधिक संघर्ष के बाद भी समस्याओं का समाधान बीज के रूप में निहित होता है और समय आने पर उसका प्राकट्य होता है जो की हमारे चिंतन में ही निहित है।

महोत्सव में उत्तरप्रदेश के पर्यावरण मंत्री श्री अजय कुमार सक्सेना ने बताया की उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने 35 करोड़ से भी अधिक वृक्षों को रोपित करने का संकल्प लिया है और हम उस दिशा में आगे बढ़ रहे है। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सांसद श्री अजय टम्टा, UPSC के पूर्व निदेशक श्री प्रदीप जोशी एवं सुदर्शन न्यूज़ के चेयरमैन श्री सुरेश चौहानके ने भी सम्बोधित किया।

इस अवसर पर समाज में पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र के काम करने वाले विभिन्न व्यक्तियों को सम्मानित किया गया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के युवाओं, महिलाओं एवं समाज के अन्य वर्ग को सशक्त बनाने का काम कर रहे हैं : आदेश गुप्ता

भारत को सुधारने की बात करने वाले केजरीवाल पहले दिल्ली और पंजाब को तो सुधार लें : आदेश गुप्ता

आनंद राय

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता ने कहा कि नए भारत बनाने की झूठी बयानबाजी करने वाले केजरीवाल पहले दिल्ली को तो बेहतर बना लें। केजरीवाल दिल्ली को कभी सिंगापुर तो कभी पेरिस बनाने की झूठी बयानबाजी कर दिल्लीवालों को आठ सालों से कोरे सपने दिखाते रहे हैं।

आदेश गुप्ता ने कहा कि आज दिल्लीवालों को गंदा पानी मिल रहा है, सड़कें खराब है और बारिश से जलजमाव की समस्या लगातार बढ़ रही है, मोहल्ला क्लीनिक की स्थिति यह है कि वहां बैठे डॉक्टरों द्वारा दी गई गलत दवाईयों से बच्चों की जान जा रही है और यही नहीं बेहतर स्वास्थ्य की बात करने वाले केजरीवाल के ऊपर तो उनके ही महिला आयोग की अध्यक्षा ने सवाल खड़े कर दिए हैं। आयोग का कहना है कि बलात्कार पीड़िता की जांच में दिल्ली सरकार के अस्पतालों में कई घंटों की देरी हो रही है। श्री गुप्ता ने कहा कि देश सुधारने की बात करने वाले केजरीवाल पहले दिल्ली को तो बेहतर कर लें।

आदेश गुप्ता ने कहा कि केजरीवाल ने केंद्र सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं को दिल्ली में लागू नहीं होने दिया जो कि गरीबों के लिए हैं। चाहे वह प्रधानमंत्री आयुष्मान योजना हो जिसमें लोगों को पांच लाख रुपये तक मुफ्त इलाज मिलता है, प्रधानमंत्री आवास योजना है जिसमें गरीबों को छत मिलती है, उन्हें दिल्ली में लागू क्यों नहीं किया। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा दिल्ली इंफ्रास्ट्रक्चर सुधारने के लिए 60,000 करोड़ रुपये दिए लेकिन केजरीवाल ने उसका कोई इस्तेमाल नहीं किया। फ्लाईओवर बनाना हो, ईस्टर्न-वेस्टर्न पेरिफेरल रोड बनाना हो, विश्व का सबसे बड़ा ईको पार्क बनाना हो या फिर मां यमुना की सफाई पर 2409 करोड़ रुपये देने का काम केंद्र सरकार ने किया लेकिन केजरीवाल दिल्ली के इंफ्रास्ट्रक्चर में कोई सुधार नहीं किया और केंद्र सरकार द्वारा दिए गए पैसे भी केजरीवाल सरकार ने भ्रष्टाचार के भेंट चढ़ा दिए। केजरीवाल सरकार का काम सिर्फ दिल्लीवालों के टैक्स के पैसों का पानी की तरह बहाना है।

आदेश गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी देश के युवाओं, महिलाओं एवं समाज के अन्य वर्ग को चाहे रोजगार देकर, चाहे अपनी अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं के द्वारा सशक्त बनाने का काम कर रहे हैं, लेकिन दिल्ली की केजरीवाल सरकार युवाओं को भ्रम में डालकर उनके सपनों को कुचलने का काम किया है। लोगों की मदद करने की जगह केजरीवाल उनका राजनीतिक इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब में उनकी सरकार को चंद महीने ही हुए हैं और अपराध लगातार बढ़ता जा रहा है।

यही नहीं पंजाब के हज़ारों शिक्षकों को नियमित करने का वादा करने वाले केजरीवाल सत्ता मिलते ही मुकर गए हैं इसलिए पंजाब के शिक्षक धरने पर बैठे हैं। इसलिए देश तो दूर केजरीवाल को पहले दिल्ली और पंजाब को संभालने की जरुरत है।

संगठन के लिए संवाद, प्रवास व प्रशिक्षण आवश्यक : कौशल मिश्रा

नई दिल्ली। भाजपा पूर्वांचल मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कौशल मिश्रा, प्रभारी बिपिन बिहारी सिंह व सह प्रभारी बृजेश राय ने नई दिल्ली जिले में संगठनात्मक प्रवास किया। गौतम नगर के दुर्गा मंदिर में आयोजित बैठक की अध्यक्षता मोर्चा के जिलाध्यक्ष आर एन त्रिपाठी ने किया । अतिथियों का अंगवस्त्र व पुष्पगुच्छ से अभिनंदन किया गया।

प्रदेश अध्यक्ष कौशल मिश्रा ने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी संगठन की मजबूती के लिए निरंतर संवाद , प्रवास एवं प्रशिक्षण जरूरी है। इसलिए भारतीय जनता पार्टी के द्वारा कार्यकर्ताओं से निरन्तर संवाद किया जाता है। और एक निश्चित समय अवधि के अंतराल पर जिले से लेकर मण्डल स्तर तक प्रवास किया जाता है। और समय- समय पर कार्यकर्ताओं को पार्टी की रीति- नीति व मोदी सरकार की योजनाओं पर क्षमतावर्द्धन भी किया जाता है।

प्रभारी बिपिन बिहारी सिंह ने कार्यकर्ताओ से निरंतर संवाद व मण्डल स्तर तक प्रवास करने पर जोर दिया । सह प्रभारी बृजेश राय ने पूर्वांचल समाज को मजबूती के साथ पार्टी हित मे कार्य करने की अपील किया। प्रदेश मंत्री व सोशल मीडिया प्रभारी एस राहुल ने पूर्वांचलियों के लिए जमीनी स्तर पर कार्य करने की महत्ता बतलाई। बैठक में नई दिल्ली जिले की उपाध्यक्ष संयुक्ता केसरी, मोर्चा के प्रदेश महामंत्री निर्मल मिश्रा, संतोष ओझा, प्रदेश मंत्री नीलम पांडे आदि ने सम्बोधित किया। मोर्चा के जिला महामंत्री नीलाभ शर्मा, अतुल चंद्र, भूपेश सिंह, सुजीत दुबे, दुर्गेश दुबे, रमेश पंडित,अंशुमन सिंह सहित जिला व मण्डल के पदाधिकारी मौजूद रहे।

गौतम गंभीर ने दिल्ली में मुफ्त बिजली का दिखाया हिसाब

नई दिल्ली। दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद गौतम गंभीर ने शनिवार को बिजली बिलों को लेकर अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर निशाना साधा है। गंभीर ने एक के बाद एक कई ट्वीट कर केजरीवाल सरकार पर मुफ्त बिजली के नाम पर दिल्ली की जनता को ठगने का आरोप लगाया है।

गौतम गंभीर ने ट्वीट कर कहा, दिल्ली का काला सच! दिल्ली के 11 लाख घरों की कमर तोड़कर, बिजली मुफ्त का झूठ बेचता है एक आम आदमी!

पिछले 7 सालों में बिजली कंपनियों की कमाई में कोई कमी नहीं आई। कम्पनियां दिल्ली से हर साल 20 हजार करोड़ कमाती हैं।

भाजपा सांसद ने कहा कि 20 हजार करोड़ में से 16 हजार करोड़ का भुगतान दिल्ली के 11 लाख परिवारों की कमर तोड़कर होता है, जो 10 रुपए यूनिट देते हैं, पूरे देश में सबसे ज्यादा! उन्होंने कहा बाकी 4 हजारर करोड़ का भुगतान दिल्ली सरकार करती है। यह पैसा आम आदमी पार्टी अपने फंड से नहीं देती, दिल्ली के टैक्सपेयर देते हैं। पिछले 7 सालों में सब्सिडी के नाम पर दिल्ली सरकार ने गरीब जनता के 28 हजार करोड़ कंपनियों को दिए हैं।

उन्होंने कहा कि बिजली मुफ्त है के झूठ को फैलाने के लिए भी टैक्सपेयर के हजारों करोड़ रुपए विज्ञापनों पर खर्च किए जाते हैं। 2012 के मुकाबले 2022 तक दिल्ली सरकार के विज्ञापन बजट में 4200 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। सच यही है कि दिल्ली में भ्रष्टाचार कम नहीं हुआ है, टैक्सपेयर को फायदा नहीं हुआ। सिर्फ एक ठग गरीबों के स्कूल, अस्पताल, फ्लाईओवर का पैसा कुर्सी के लिए लुटा रहा है।

गंभीर ने कहा कि मैं दिल्ली की जनता, खासतौर पर उन 11 लाख घरों से पूछना चाहता हूं कि क्या आप दिन-रात इसलिए मेहनत करते हैं, खून-पसीना बहाते हैं ताकि एक ठग कुर्सी पर बैठा रहे?

नोएडा में कार सवार युवकों ने फिल्मी स्टाइल में सरेआम की गोलीबारी, वीडियो सोशल मीडिया में वायरल

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-113 क्षेत्र के सेक्टर-122 में कार सवार दो युवकों ने सरेआम गोलीबारी की। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया है। पुलिस ने इस संबंध में केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। सेक्टर 113 के थाना प्रभारी शरद कांत ने बताया कि शुक्रवार की देर रात को कार में सवार दो युवकों ने सेक्टर-122 के पास सरेआम गोलीबारी की। उन्होंने बताया कि घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया गया है जो वायरल हो गया है। थाना प्रभारी ने बताया कि वीडियो के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि जांच में पता चला है कि कार चालक नोएडा के गढ़ी चौखंडी गांव का निवासी प्रमोद है। पुलिस कार चालक के अलावा घटना में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

आम आदमी पार्टी, राष्ट्रपति पद के चुनाव में विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा को करेगी समर्थन : संजय सिंह

आप के सारे सांसद और विधायक 18 जुलाई को होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव में अपना वोट यशवंत सिन्हा को देंगे

विवेक राय

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में आज पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक हुई, जिसमें राष्ट्रपति पद के चुनाव को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में लिए गए निर्णय के बारे में आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने बताया कि आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और पॉलीटिकल अफेयर्स कमिटी ने बैठक में सर्वसम्मति से विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा को समर्थन देने का निर्णय लिया है। हम भाजपा के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू का भी सम्मान करते हैं, लेकिन इस चुनाव में हम लोग विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा को समर्थन देंगे। आम आदमी पार्टी के सारे सांसद और विधायक 18 जुलाई को होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव में अपना वोट यशवंत सिन्हा को देंगे।

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की अध्यक्षता में आज पार्टी की पॉलीटिकल अफेयर्स कमिटी की बैठक हुई। इस बैठक में राष्ट्रपति पद के लिए होने जा रहे चुनाव के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। पॉलीटिकल अफेयर्स कमिटी (पीएसी) में विस्तार पूर्वक चर्चा की गई की राष्ट्रपति पद के किस उम्मीदवार का समर्थन किया जाए। पीएसी की बैठक संपन्न होने के बाद आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि आज पीएससी की बैठक हुई और बैठक में पॉलीटिकल अफेयर्स कमिटी और पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एकमत से यह तय किया है कि महामहिम राष्ट्रपति पद के लिए जो चुनाव हो रहा है, इस चुनाव में आम आदमी पार्टी, विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा जी को समर्थन करेगी। हम भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार द्रौपदी मुर्मू जी का भी सम्मान करते हैं और उनके प्रति भी आदर है, लेकिन इस चुनाव में हम लोग विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा जी को समर्थन देंगे। आम आदमी पार्टी के सारे सांसद और सारे विधायक अपना वोट 18 जुलाई को होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव में यशवंत सिन्हा जी को देंगे।

आज यह निर्णय आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पीएसी ने लिया है। संजय सिंह ने आगे कहा कि विपक्ष के उम्मीदवार के तौर पर यशवंत सिन्हा जी हैं। आज पॉलीटिकल अफेयर्स कमिटी की बैठक में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार को समर्थन देने के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। इसके बाद यह निर्णय लिया गया है कि आम आदमी पार्टी, विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा जी को समर्थन करेगी।

दिल्ली में मूसलाधार बारिश से कई जगहों पर जलभराव

नई दिल्ली। दिल्ली में शनिवार को हुई मूसलाधार बारिश से लोगों को उमस और गर्मी से राहत तो मिली, लेकिन कई स्थानों पर जलभराव होने से लोगों को ट्रैफिक जाम का सामना करना पड़ा। दिल्ली में पिछले कई दिनों से लोगों को उमसभरी गर्मी का सामना करना पड़ रहा था, लेकिन शनिवार को हुई बारिश से कुछ राहत मिली है। दिल्ली के कई इलाकों में लोगों को बारिश का आनंद लेते हुए देखा गया। लोगों ने सोशल मीडिया पर बारिश और जलभराव की कई तस्वीरें भी पोस्ट की।

दिल्ली के खानपुर, हौजरानी, मालवीय नगर, उत्तम नगर, धौला कुआं, एम्स फ्लाईओवर के पास, महरौली-बदरपुर रोड, विकास मार्ग, आईटीओ, सिकंदरा रोड, कीर्ति नगर, आनंद पर्वत-जखीरा रोड और मजनू का टीला के पास रिंग रोड समेत कई इलाकों में जलभराव होने के कारण यातायात प्रभावित हुआ। नगर निगम के अधिकारियों के अनुसार शनिवार को जंगपुरा एक्सटेंशन, डिफेंस कॉलोनी, नेब सराय, साकेत, ग्रेटर कैलाश-2, पहाड़गंज, मालवीय नगर और कीर्ति नगर जैसे इलाकों में बारिश के बीच पेड़ों के गिरने से संबंधित आठ शिकायत मिली। यातायात पुलिस ने भी ट्वीट कर लोगों को जलभराव और सड़कों पर जाम लगने के बारे में सूचना दी। ट्रैफिक पुलिस ने ट्वीट किया, खानपुर टी-प्वाइंट से साकेत मेट्रो स्टेशन की ओर कैरिजवे में हौजरानी फॉरेस्ट पार्क के बाहर एमबी रोड पर जलभराव के कारण यातायात प्रभावित है। कृपया यहां जाने से बचें।

ट्रैफिक पुलिस ने एक अन्य ट्वीट कर बताया कि आनंद पर्वत इलाके की गली नंबर-10 के सामने जलभराव के कारण आनंद पर्वत से जखीरा की ओर जाने वाले कैरिजवे में न्यू रोहतक रोड पर यातायात प्रभावित हुआ।

मुख्यमंत्री के पूर्व डिप्टी सेक्रेट्री के खिलाफ होगी एसीबी जांच

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना भ्रष्टाचार के खिलाफ एक्शन मोड में आ गए हैं। उपराज्यपाल ने मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) में पहले डिप्टी सेक्रेट्री के रूप में तैनात रहे एक अधिकारी के खिलाफ रिश्वतखोरी के कथित आरोप की जांच भ्रष्टाचार रोधी शाखा (एसीबी) से करवाने को मंजूरी दे दी है।

आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को इस बारे में जानकारी देते हुए कहा कि अधिकारी पर आर्थिक लाभ मांगने और एक सिविल डिफेंस वॉलंटियर को परेशान करने का आरोप लगाया गया था। इस मुद्दे पर दिल्ली सरकार की ओर से तत्काल प्रतिक्रिया नहीं दी गई। सूत्रों ने कहा कि उपराज्यपाल ने लोक शिकायत प्रबंधन प्रणाली (पीजीएमएस) जन संवाद की देखरेख करने वाले मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) में तत्कालीन उप सचिव मुकुल मनराई के खिलाफ एसीबी को जांच करने की मंजूरी दे दी है।

भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (पीओसी), 1988 की धारा (17ए) के तहत जांच को मंजूरी दी गई। सूत्रों ने बताया कि अधिकारी पर एक सिविल डिफेंस वॉलंटियर से उसकी उपस्थिति रजिस्टर को प्रमाणित करने के लिए कथित तौर पर रिश्वत मांगने का आरोप लगाया गया था।

अधिकारियों ने बताया कि उस वक्त राजस्व विभाग में तैनात अधिकारी ने सिविल डिफेंस ऑफिस को पत्र लिखकर उस वॉलंटियर को हटाने की मांग की थी, जिसे पिछले महीने का वेतन भी नहीं मिला था। सूत्रों ने बताया कि बड़ी संख्या में अन्य सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स द्वारा इसी तरह की शिकायतें आ रही थीं और यह संदेह था कि सीएमओ की ढाल का उपयोग करने वाले अधिकारी ने सिविल डिफेंस वॉलंटियर्स से मंथली कलेक्शन का एक रैकेट तैयार किया था। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता सिविल डिफेंस वॉलंटियर ने आरोपी अधिकारी की पैसे की मांग करते हुए एक वीडियो रिकॉर्डिंग भी सबूत के तौर पर पेश की थी।

उन्होंने कहा कि सबूत के तौर पर ऑडियो रिकॉर्डिंग के साथ शिकायत नवंबर, 2017 में प्राप्त हुई थी, लेकिन इस मामले को सतर्कता निदेशालय (डीओवी), सामान्य प्रशासन विभाग, प्रशासनिक सुधार विभाग और शिक्षा विभाग के बीच घुमाया जा रहा था।

जिलाधिकारी ने जेवर तहसील संपूर्ण समाधान दिवस में सुनी जनता की शिकायतें

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप जनता की शिकायतों एवं समस्याओं का त्वरित गति के साथ निस्तारण कराने के उद्देश्य से शनिवार को जनपद की तीनों तहसीलों में तहसील संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन संपन्न हुआ। जनपद की तीनों तहसीलों में कुल 129 शिकायतें दर्ज हुई। जिसके सापेक्ष 11 शिकायतों का निराकरण विभागीय अधिकारियों के द्वारा मौके पर ही सुनिश्चित किया गया। जिला अधिकारी सुहास एल वाई के द्वारा तहसील जेवर में तहसील संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुये जनता की शिकायतों का अनुश्रवण किया गया।

जेवर तहसील संपूर्ण समाधान दिवस में जन सामान्य के द्वारा कुल 44 शिकायतें विभिन्न विभागों से संबंधित दर्ज कराई गई। जिसके सापेक्ष दो शिकायतों का निराकरण विभागीय अधिकारियों के द्वारा मौके पर ही सुनिश्चित किया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी सुहास एल वाई ने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जनता की शिकायतों एवं समस्याओं के निराकरण को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार एवं शासन गंभीर है। उन्होंने सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि तहसील संपूर्ण समाधान दिवस में जिन विभागों से संबंधित जनता की शिकायतें दर्ज हो रही हैं। सभी संबंधित अधिकारीगण गंभीरता के साथ तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करें और मौके पर जाकर संबंधी शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित कराएं ताकि संबंधित पोर्टल पर शिकायतों को ऑनलाइन किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि शिकायतकर्ता को भी संबंधित विभागीय अधिकारियों के द्वारा निस्तारण के दौरान उपस्थित रखा जाए ताकि सभी शिकायतों का निराकरण गुणवत्ता परक रूप से स

संपादकीय

बुनियादी शिक्षा व संस्कृति की राष्ट्र के आर्थिक तथा नैतिक विकास में महती भूमिका

बुनियादी, नैतिक शिक्षा किसी भी व्यक्ति समाज और राष्ट्र के नैतिक तथा आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते हैद्य शिक्षित सुसंस्कृत नागरिक देश की एक बड़ी धरोहर होते हैं द्यजिस राष्ट्र में शिक्षा,संस्कृति जितनी गहरी और समृद्ध हो वह राष्ट्र उतना ही विकसित,पुष्पित, पल्लवित होता है। इसके साथ आर्थिक वैज्ञानिक सोच भी अत्यंत विचारणीय है ।हर देश में राष्ट्र के प्रति और राष्ट्रहित के प्रति चिंतन करने वालों का समूह होना चाहिए,जो प्रजातांत्रिक लोकतांत्रिक तथा राष्ट्रहित के विचारों और विकास के मूल मंत्र को नई ऊर्जा ताजा हवा और आगे बढ़ने की सच्चाई को इंगित कर सकेंद्य बिना संस्कृति ,संस्कार और वैचारिक क्षमता के कोई भी राष्ट्र वैश्विक स्तर पर अंतरराष्ट्रीय प्रगति करने की सोच भी नहीं सकताद्य वैचारिक और सैद्धांतिक अंतरधारा, सिद्धांतों को कुचला या नष्ट नहीं किया जा सकता। व्यक्तिगत वैचारिक अभिव्यक्ति भारत के संदर्भ में गणतंत्र की मूल आत्मा है।

विचार और सिद्धांत व्यक्ति की अंत:प्रज्ञा होती है। यह सिद्धांत तथा अंत: विचारधारा जनमानस तक पहुंचने से बाधित किया जाए तो अंतरात्मा को प्रभावित करती है। इसके गहरे प्रभाव से व्यक्ति वह सब कर सकता है, जो बिना मार्गदर्शन के व्यक्ति नहीं कर सकता। प्राचीन काल से अब तक मनीषियों के वैचारिक सिद्धांत और विचारधारा सदैव समाज के दिग्दर्शक मार्गदर्शक रहे हैं। इनकी भूमिका सदैव महत्वपूर्ण रही है ।यदि यही सिद्धांत और अंत: प्रज्ञा जनमानस आत्मसात कर लेता है, तो इसका प्रभाव एक जन आंदोलन का रूप ले लेता है और यहीं से युग परिवर्तन की लहर उत्पादित होती है। प्राचीन यूनान में एक बहुत ही कुरूप किंतु विद्वान व्यक्ति रहते थे,उनके विचारों में मौलिकता,नयापन जनजागृति की अद्भुत क्षमता थी। उनकी विद्वता के कारण आम जनमानस होने राजा से ज्यादा महत्व और बुद्धिमान मानते थे। राजकीय तानाशाही के चलते उनके विचारों के कारण उनको मृत्युदंड दे दिया गया। जहर का प्याला पीने के बाद भी विद्वान, चिंतक, सुकरात अमर हो गए, उनकी विचारधारा आज भी जीवित है, एवं लोग उसे अपनाकर अपना जीवन सुधारने में इसका उपयोग करते हैं। अब्राहम लिंकन ने अमेरिकी स्वतंत्रता के बाद दास प्रथा के बारे में कहा था कि दास भी मनुष्य हैं, उन्हें भी उतना ही जीने का अधिकार है जितना स्वामी को है। अब्राहम लिंकन के आंदोलनकारी विचार से तत्कालीन समय में अमेरिका के लोग घबरा गए थे,और उनकी हत्या कर दी गई थी। पर अब्राहम लिंकन के विचारों ने दास प्रथा के उन्मूलन की अंतर आत्मा को जागृत कर दिया था, और जनमानस ने अपने अधिकारों के लिए लड़ते हुए दास प्रथा से मुक्ति पाई थी। स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था कि हम जो सोचते हैं वही बन जाते हैं। विचार एवं सिद्धांत ही व्यक्ति का निर्माण करता है। वही दुष्ट होने या महान होने का निर्णायक है। और बिना विचारों सिद्धांतों के व्यक्त व्यक्ति का अस्तित्व ही नहीं । विवेकानंद जी के विचार सर्व कालीन प्रासंगिक है। उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने उनके जीवित रहते हुए थे। आज हमारे बीच विवेकानंद जी स शरीर मौजूद नहीं है, पर उनके विचारों की महत्ता कायम है ।भौतिक शरीर के नष्ट हो जाने से और भौतिक विचार तथा सिद्धांत उतनी ही तीव्रता रखते हैं, वेग रखते हैं, जो एक समाज में परिवर्तन ला सकती है ।विचारों की यह अमरता तथा तीव्रता किसी भी तानाशाह के लिए इतनी खतरनाक है, जितनी की सुप्त शेर की गुफा में रहना। जनता के मध्य शुद्ध विचारधारा के जागृत होने पर क्रांति लाई जा सकती है। फिर चाहे वह फ्रांस के वर्साय के महल का विध्वंस हो अथवा भारत की स्वतंत्रता हेतु वृहद आंदोलन हो। व्यक्ति या व्यक्तियों के दबाव को दबाने के बाद विचारों की पीड़िता ने जनसामान्य को एक गरजते हुए सिंह में तब्दील कर दिया था। यह शाश्वत सत्य है कि व्यक्ति को जरूर आप दबा सकते हैं,पर विचारधारा सिद्धांत अजर अमर होते हैं,और वही युग निर्माण में अपनी महती भूमिका निभाते हैं। विचारों के संदर्भ में कहा जाता है कि एक व्यक्ति का विचार तब तक उस व्यक्ति के पास है, जब तक वह अकेला है किंतु जैसे ही विचारधारा एवं सिद्धांत का प्रचार प्रसार होता है, तो वह व्यक्ति अकेला ना रह कर उस जैसे हजारों लाखों लोग उसके साथ हो जाते हैं।

श्रीलंका में अपने अरबों डॉलर अटक जाने के बावजूद चुप्पी क्यों साधे हुए है चीन?

नीरज कुमार दुबे

श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे अपना देश छोड़कर भाग खड़े हुए हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि श्रीलंका में चल रही चीनी परियोजनाओं का भविष्य क्या होगा ? यही नहीं यह भी सवाल उठ रहा है कि श्रीलंका के हालात पर चीन खामोशी क्यों साधे हुए है ? हम आपको बता दें कि राजपक्षे बंधुओं ने ही चीन की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को श्रीलंका में बढ़ावा दिया और चीन से इतना कर्ज ले लिया कि आज श्रीलंका पूरी तरह दिवालिया हो गया है। श्रीलंका के प्रधानमंत्री रहे महिंदा राजपक्षे को तो भारत की सुरक्षा चिंताओं को दरकिनार कर श्रीलंका में चीन के व्यापक निवेश को बढ़ावा देने वाले नेता के तौर पर देखा जाता है। देखा जाये तो श्रीलंका में चीन के अरबों डॉलर फंस गये हैं। किसी और का धन यदि ऐसे अटक जाये तो वह उसकी वापसी के प्रयास करता है या कोई बयान देकर अपनी स्थिति बयां करता है लेकिन चीन की खामोशी देखकर सभी आश्चर्यचकित हैं। जब चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन से श्रीलंका में अभूतपूर्व प्रदर्शनों के बीच राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के देश छोड़ कर भागने पर उनकी प्रतिक्रिया पूछी गयी तो उन्होंने सिर्फ यही कहा कि हम श्रीलंका की अर्थव्यवस्था में नयी जान फूंकने के लिए सभी पक्षों से साथ मिल कर काम करने की अपील करते हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या चीन की कोई योजना श्रीलंका को नयी वित्तीय सहायता देने की है ? इस पर, वांग ने चीन द्वारा बार-बार अपनाये गये रुख को दोहराते हुए कहा, ''श्रीलंका को मौजूदा मुश्किलों से उबरने में चीन अन्य देशों और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों के साथ काम करने को तैयार है।''

चीन-श्रीलंका संबंध का बिगड़ना तय है

तो इस तरह चीन ना तो ये बता रहा है कि उसका कुल कितना निवेश श्रीलंका में फंस गया है ना ही वह यह बताने को राजी है कि वह इस हालात से कैसे निबटेगा ? लेकिन अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों का मानना है कि श्रीलंका में फैली अराजकता के कारण द्विपक्षीय संबंधों और चीन द्वारा बुनियादी ढांचे में किए गए व्यापक निवेश पर बड़ा प्रभाव पड़ना तय है। हांगकांग से प्रकाशित होने वाले साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने शंघाई के फुदान विश्वविद्यालय में दक्षिण एशिया मामलों के विशेषज्ञ लिन मिंगवांग के हवाले से कहा, कुछ समय के लिए ही सही श्रीलंका के साथ चीन के संबंधों पर बड़ा प्रभाव पड़ सकता है क्योंकि श्रीलंका के राजनीतिक हलकों में राजपक्षे परिवार का प्रभाव कमजोर होगा और निकट भविष्य में उनकी वापसी की उम्मीद नजर नहीं आ रही है। लिन मिंगवांग ने यह चेतावनी भी दी कि श्रीलंका में संकट के कारण चीनी निवेशकों को नुकसान हो सकता है। उन्होंने कहा कि श्रीलंका में बढ़ती मुद्रास्फीति, उच्च ऋण और आर्थिक कुप्रबंधन से उपजा यह संकट विकासशील देशों की ओर देख रहे चीनी निवेशकों के लिए भी एक सबक भी है।

श्रीलंका में चीन के खिलाफ गुस्सा

दूसरी ओर, श्रीलंका में इस समय चीन के विरोध में बड़ा जनाक्रोश दिख रहा है। यही कारण है कि चीनी दूतावास को अपने नागरिकों को सलाह देनी पड़ी कि वह विरोध प्रदर्शनों में शामिल नहीं हों। दरअसल दूतावास यह तो कह नहीं सकता था कि बाहर मत निकलो नहीं तो पिट जाओगे। इसलिए यही कहा गया कि विरोध प्रदर्शनों का हिस्सा बनने के लिए बाहर निकलने से बचें। खबरें हैं कि चीनी परियोजनाओं में काम कर रहे तमाम लोग श्रीलंका छोड़ चुके हैं या छोड़ने वाले हैं और उनकी वापस लौटने की कोई योजना नहीं है क्योंकि स्थानीय लोग अब परियोजनाओं के विरोध में उतर गये हैं।

कौन से अहम बिल हो सकते हैं पारित?

अभिनय आकाश

संसद का यह मानसून सत्र खास रहने वाला है क्योंकि 18 जुलाई को ही राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान है। वहीं, 6 अगस्त को उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होगा। इस सत्र में सरकार कई बिलों को सदन में पेश कर सकती है। इनमें बजट सत्र के समय संसदीय समिति के पास भेजे गए 4 बिल भी शामिल हैं।

जुलाई का महीना चल रहा है, मानसून आ गया। मानसून सत्र भी आने वाला है। जो चीजें बताकर आती हैं। उनके लिए तैयारी कर लेना अच्छा होता है। कुछ शब्द और जुमले अब कुछ दिनों तक हम समाचार जगत से जुड़े लोगों की डेली रूटीन में शुमार रहेगा। मसलन, हंगामेदार शुरुआत, शोरगुल के बीच सभा स्थगित, तीखी बहस, सदस्य हुए निलंबित, विपक्षी दलों ने किया वॉकआउट, बिल हुए पास। यही काम सरकार और विपक्ष भी करते हैं। 18 जुलाई से मानसून सत्र का आगाज हो जाएगा 12 अगस्त को इसकी समाप्ति होगी। केंद्र सरकार ने संसद के मानसून सत्र को लेकर तैयारियां शुरू कर दी है। संसद का यह मानसून सत्र खास रहने वाला है क्योंकि 18 जुलाई को ही राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान है। वहीं, 6 अगस्त को उपराष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होगा। इस सत्र में सरकार कई बिलों को सदन में पेश कर सकती है। इनमें बजट सत्र के समय संसदीय समिति के पास भेजे गए 4 बिल भी शामिल हैं।

24 दिनों के सत्र में 24 बिल

संसद के 18 जुलाई से शुरू होने वाले मानसून सत्र के दौरान सरकार लोकसभा में चर्चा एवं पारित करने के लिये दो दर्जन नये विधेयक पेश करेगी। इसमें वन संरक्षण संशोधन विधेयक, ऊर्जा संरक्षण संशोधन विधेयक, परिवार अदालत संशोधन विधेयक, राष्ट्रीय रेल परिवहन संस्थान को गतिशक्ति विश्वविद्यालय में परिवर्तित करने संबंधी विधेयक शामिल हैं। लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी एक बुलेटिन के अनुसार, सत्र के दौरान सरकार 24 नये विधेयकों के अलावा चार ऐसे विधेयक भी पेश करेगी जिस पर संसद की स्थायी समितियों ने विचार किया है। इसमें बताया गया है कि सत्र के दौरान भारतीय अंटार्कटिक विधेयक 2022 फिर से पेश किया जायेगा। पहले, इस विधेयक को एक अप्रैल 2022 को पेश किया गया था। सत्र के दौरान माता पिता एवं वरिष्ठ नागरिकों का भरण पोषण एवं कल्याण संशोधन विधेयक, सहकारी समिति संशोधन विधेयक, नेशनल डेंटल कमीशन विधेयक, भारतीय प्रबंध संस्थान संशोधन विधेयक 2022 पेश किया जायेगा। इस सत्र के दौरान केंद्रीय विश्वविद्यालय संशोधन विधेयक 2022 भी पेश किया जायेगा जिसके माध्यम से राष्ट्रीय रेल परिवहन संस्थान को गतिशक्ति विश्वविद्यालय में परिवर्तित करने का प्रस्ताव है।

संसद में पेश होने वाले 10 बिल पर एक नजर

1. भारतीय अंटार्कटिक विधेयक, 2022 : इसमें अंटार्कटिका में भारत की अनुसंधान गतिविधियों तथा पर्यावरण संरक्षण के लिये विनियमन ढांचा प्रदान करने का प्रस्ताव किया गया है।

2. बाल विवाह निषेध (संशोधन) विधेयक, 2021 : महिलाओं की विवाह की न्यूनतम आयु को बढ़ाकर 21 वर्ष करने का प्रयास करता है। इस बिल को 21 दिसंबर, 2021 को शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल संबंधी स्टैंडिंग कमिटी को भेज दिया गया। टीएमसी की सुष्मिता देव और शिवसेना की प्रियंका चतुर्वेदी समेत कई सांसदों ने इस पर आपत्ति जताई थी।

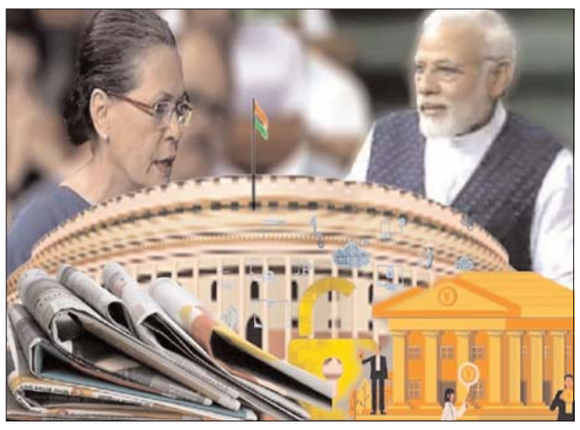

3. डीएनए टेक्नोलॉजी विनियमन विधेयक, 2019 : विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री हर्षवर्धन द्वारा 8 जुलाई, 2019 को लोकसभा में डीएनए प्रौद्योगिकी (उपयोग और अनुप्रयोग) विनियमन विधेयक, 2019 पेश किया गया था। इस विधेयक का एकमात्र उद्देश्य लोगों की पहचान करने के लिए डीएनए की जानकारी के उपयोग को विनियमित करना है।

4. समुद्री डकैती रोधी विधेयक, 2019 : 9 दिसंबर, 2019 को पेश किया गया। विदेश मामलों की स्थायी समिति द्वारा इसकी रिपोर्ट 11 फरवरी, 2021 को लोकसभा में पेश की गई।

5. माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण और कल्याण (संशोधन) विधेयक, 2019 : 11 दिसंबर, 2019 को पेश किया गया। सामाजिक न्याय और अधिकारिता पर स्थायी समिति की इसकी रिपोर्ट 29 जनवरी, 2021 को प्रस्तुत की गई थी।

6. राष्ट्रीय डोपिंग रोधी विधेयक, 2021 : 17 दिसंबर, 2021 को पेश किया गया। शिक्षा, महिलाओं, बच्चों, युवाओं और खेल पर स्थायी समिति की इसकी रिपोर्ट 23 मार्च, 2022 को पेश की गई।

7. वन्यजीव (संरक्षण) संशोधन विधेयक, 2021: 17 दिसंबर, 2021 को पेश किया गया। विज्ञान और प्रौद्योगिकी, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन पर स्थायी समिति द्वारा इसकी रिपोर्ट 21 अप्रैल, 2022 को लोकसभा अध्यक्ष को सौंपी गई थी।

8. कॉफी (संवर्धन और विकास) विधेयक, 2022 : कॉफी उद्योग का संवर्धन और विकास, कॉफी बोर्ड के आधुनिक प्रचार और विकास के कामकाज को सक्षम बनाना।

9. उद्यम और सेवा हब का विकास विधेयक, 2022 : विशेष आर्थिक क्षेत्र अधिनियम का संशोधन और नियम बनाने के लिए।

10. बहु राज्य सहकारी समितियां (संशोधन) विधेयक, 2022 : सरकार की भूमिका का युक्तिकरण और बहु-राज्य सहकारी समितियों के कामकाज में सदस्यों की भागीदारी बढ़ाना, ताकि जनता का विश्वास बढ़े और उनके विकास और विकास के लिए अनुकूल वातावरण तैयार हो सके।

विवादों की वजह से ये बिल चर्चा में हैं

बैंकिंग अमेंडमेंट बिल

इस सत्र में सरकार बैंकिंग अमेडमेंट बिल को पारित कराने की तैयारी में है। जिसके जरिये सरकार बैंकिंग कंपनी एक्ट 1970 में बदलाव करेगी। सरकारी बैंकों में सरकार पूरी हिस्सेदारी बेच दे इस तरह का प्रावधान किया जाएगा। अभी इस कानून के तहत 51 प्रतिशत सरकार को अपने पास रखता होता है। ज्ञात हो कि सरकार ने दो सरकारी बैंकों के निजी करण का ऐलान किया था। उन दो सरकारी बैंकों के निजीकरण का रास्ता साफ हो जाएगा।

हालांकि इन दो बैंकों का नाम औपचारिक तौर पर ऐलान नहीं किया गया है। लेकिन नीति आयोग ने इंडियन ओवरसीज बैंक और सेंट्रैल बैंक ऑफ इंडिया के नाम की सिफारिश की है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस साल फरवरी में 2021-22 का बजट पेश करते हुए विनिवेश कार्यक्रम के तहत सार्वजनिक क्षेत्र के दो बैंकों (पीएसबी) के निजीकरण की घोषणा की थी।

दूसरी तरफ ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कंफेडरेशन ने कहा कि वो बैंकों के निजिकरण का विरोध करेगा। उनका कहना है कि अगर सरकार निजीकरण करती है तो प्रायरिटी सेक्टर को आसानी से लोन नहीं मिलेगा।

इलेक्ट्रिसिटी अमेंडमेंट बिल

बिजली (संशोधन) विधेयक, 2021 को जुलाई में शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र में पेश किये जाने की संभावना है। इस विधेयक में अन्य बातों के अलावा ग्राहकों को दूरसंचार सेवाओं प्रदाताओं की तरह विभिन्न बिजली सेवा प्रदाताओं में से चुनने का विकल्प उपलब्ध कराने का प्रावधान है। जिसका मकसद आम लोगों को सुचारू रूप से बिजली पहुंचाना है।

प्रेस एवं पत्रिका पंजीकरण विधेयक

केंद्र 155 साल पुराने 'प्रेस एवं पुस्तक पंजीकरण कानून' के स्थान पर एक सरल संस्करण वाले ऐसे विधेयक को पेश करने की योजना बना रहा है जो विभिन्न मौजूदा कानून के प्रावधानों को अपराध के दायरे से बाहर करता है और डिजिटल मीडिया को भी कानून के दायरे में लाता है। सरकार की सोमवार से शुरू हो रहे संसद के मानसून सत्र में 'प्रेस एवं पत्रिका पंजीकरण विधेयक, 2022' पेश करने की योजना है। संसद को भेजे गए सरकारी संवाद में कहा गया है, ''यह विधेयक 'प्रेस एवं पुस्तक पंजीकरण (पीआरबी) अधिनियम, 1867' के कानून का गैर अपराधीकरण करके उसे प्रतिस्थापित करता है। यह मौजूदा कानून की प्रक्रियाओं को मध्य/लघु प्रकाशकों के नजरिए से सरल बनाता है और प्रेस की स्वतंत्रता के मूल्यों को बरकरार रखता है।'' सरकार ने सबसे पहले 2017 में प्रेस एवं पत्रिका पंजीकरण विधेयक का मसौदा जारी किया था, जिसमें समाचार पत्रों के पंजीकरण की प्रक्रिया को सरल बनाने और पीआरबी अधिनियम के तहत दंडात्मक प्रावधानों को समाप्त करने की बात की गई है।

एक आशुलिपिक के रूप में करियर के लिए भाषा दक्षता आवश्यक है और नौकरी के लिए फायदेमंद है

हर साल सफलता की सीढ़ी चढ़ने के लिए छात्र अपनी रुचि के अनुसार स्कूल, कॉलेज, विश्वविद्यालय और संस्थानों में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेते हैं। ये पाठ्यक्रम विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित हैं, जिसमें प्रशिक्षु सरकारी और निजी संस्थानों में रोजगार पाने के लिए निरंतर प्रयास करते रहते हैं। अध्ययन या पाठ्यक्रम लेने के बाद, कुछ प्रशिक्षु निजी संस्थानों में अपने स्तर पर प्रशिक्षण शुरू करते हैं, जैसे किसाथ ही उनका रोजगार भी बना रहता है और शिक्षा के क्षेत्र में भी उनकी सेवा जारी रहती है। पाठ्यक्रम कई संस्थानों में आयोजित किया जाता है वोकेशनल कोर्स की बात करें तो एक कोर्स स्टेनोग्राफी है। यह लेखन की कला है, जिसमें विश्राम या विश्राम की कोई गुंजाइश नहीं है। आशुलिपि को पंजाबी में %सिग्नेट-लिपी% कहा जाता है क्योंकि यह किसी भी भाषा के अक्षरों या स्वरों को विशेष संकेतों/प्रतीकों के माध्यम से दर्शाता है। पंजाबी आशुलिपि पाठ्यक्रम पंजाब के कई शिक्षण संस्थानों में संचालित किया जाता हैऔर हर साल हजारों की संख्या में प्रशिक्षु इस विषय में प्रशिक्षण प्राप्त करके नौकरी प्राप्त करते हैं। कुछ प्रशिक्षु अपने स्तर पर निजी संस्थानों में स्टेनोग्राफी का प्रशिक्षण देना शुरू कर देते हैं। साइन स्क्रिप्ट ध्वन्यात्मक प्रणाली पर आधारित एक लिपि है। विलियम टिफिन दुनिया में सबसे पहले ध्वन्यात्मक प्रणाली का उपयोग करने वाले थे। आवश्यक उपकरणों पर ध्यान दें बैठने के अलावा आशुलिपि सीखने के लिए आवश्यक उपकरणों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। आवश्यक उपकरण का पहला टुकड़ा एक साइन-राइटर हैसाइन-स्क्रिप्ट आदि सीखने के लिए कॉपी, पेंसिल, शार्पनर और किसी भी विशेषज्ञ स्टेनोग्राफर की किताब आपके पास होनी चाहिए। साइन-स्क्रिप्ट सीखने के लिए एक विशेष प्रति सामान्य प्रतियों की लाइन चौड़ाई से अधिक लाइन चौड़ाई के साथ आती है और आकार में नोटपैड कॉपी के समान होती है। जब आप कॉपी पर लिखना चाहें, तो कॉपी के निचले किनारे को फोल्ड करके रखें। यदि आप अपने दाहिने हाथ से लिखते हैं, तो कॉपी के निचले बाएं कोने से पृष्ठ को थोड़ा मोड़कर रखें और यदि आप अपने बाएं हाथ से लिखते हैं, तो प्रतिलिपि का पृष्ठ रखेंदाएं कोने को थोड़ा झुकाकर रखें। ऐसा करने से तेज गति से लिखते समय पेज को पलटने में ज्यादा समय नहीं लगता है। रोजाना पांच-सात घंटे करें अभ्यास चाहे वह किसी भी विषय का अध्ययन हो या किसी पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण, जब तक शिक्षार्थी संबंधित विषय में पूर्ण निपुणता प्राप्त नहीं कर लेता, तब तक वह सफलता प्राप्त करने में सफल नहीं हो सकता। इसी प्रकार यदि हमें आशुलिपि के क्षेत्र में रोजगार प्राप्त करना है तो हमें आशुलिपि के विषय में विशेष विशेषज्ञता प्राप्त करनी होगी। उसी शिक्षार्थी को इस पाठ्यक्रम में नामांकित करनापाठ्यक्रम की प्रासंगिक भाषा और उसके व्याकरण संबंधी नियमों का गहरा ज्ञान और भाषाई शब्दावली की मजबूत समझ होनी चाहिए। स्टेनोग्राफी कोर्स करने वाले प्रशिक्षुओं को प्रतिदिन कम से कम पांच-सात घंटे अभ्यास करना चाहिए। केवल एकाग्रता, आत्म-नियंत्रण, दैनिक अभ्यास, भाषा का अच्छा ज्ञान, विराम चिह्नों का पर्याप्त ज्ञान, लेखन की कला में निपुणता आदि गुणों वाला शिक्षार्थी ही आशुलिपि के पाठ्यक्रम में विशेष विशेषज्ञता प्राप्त कर सकता है। अगर हम यहां पंजाबी भाषा की साइन-स्क्रिप्ट सीखने की बात करें, तो सीखने वाले में पहला गुण होता हैसंबंधित भाषा का पूर्ण ज्ञान होना चाहिए क्योंकि अभ्यास करने वाले वक्ता द्वारा जो कुछ भी बोला जाता है वह सांकेतिक भाषा में लिखा जाता है और बाद में संबंधित भाषा में लिखा जाता है।

विश्व को अंतर्राष्ट्रीय अपराधों से सचेत रहने के प्रति जागरूक करना समय की मांग

दुनिया भर में हो रहे गंभीर अपराधों पर रोक लगाने,पीड़ितों के अधिकार को बढ़ावा देने, न्याय को मजबूत करने, न्यायिक सेवाओं को रेखांकित करना ज़रूरी - एडवोकेट किशन भावनानी

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर एक दो दशक से जिस तरह संगठित अपराधों की संख्यामें अंतरराष्ट्रीय राष्ट्रीय, राज्य स्तरीय व स्थानीय समूह की गतिविधियों में वृद्धि हुई है इसे गंभीरता से रेखांकित करना समय की मांग है। संगठित अपराधों को अगर हम वर्तमान परिपेक्ष में देखें तो जांच एजेंसियों द्वारा आजकल अपराध की थ्योरी को अन्तर्राष्ट्रीय एंगल से जांच करने की थ्योरी भी अपनाई जाती है जिस तरह से वर्तमान में सिद्धू मूसेवाला केस, रूस-यूक्रेन मानवीय अधिकार हनन अपराध चर्चा में आया था क्योंकि उसने घोषणा की थी कि वह यूक्रेन में रूस द्वारा किए गए संभावित युद्ध अपराध की जांच शुरू करेगा, युद्ध अपराध के लिए विशिष्ट अन्तर्राष्ट्रीय मानक मौजूद हैं, सहित अनेक केसों की तारें विदेशों तक जुड़ी हुई है। एक आपराधिक संगठन को हम गिरोह, माफिया, भीड़, सिंडीकेट, अंडरवर्ल्ड या गैंग्लैंड भी कहा जा सकता है, जिसमें अनेक अपराध जैसे सफेदपोश अपराध, वित्तीय अपराध, राजनीतिक अपराध, युद्ध के अपराध सहित अनेक परिभाषित अपराधों को शामिल किया जा सकताहै जोअंतरराष्ट्रीय कनेक्टेड होते हैं इसीलिए आज हम ऐसे अपराधों और न्याय पर चर्चा करेंगे जो अंतरराष्ट्रीय श्रेणी में आते हैं उनके पीड़ितों को न्याय दिलाने, दुनिया भर में हो रहे गंभीर अपराधों पर रोक लगाने विश्व को अंतर्राष्ट्रीय अपराधों से सचेत रहने के प्रति जागरूक करने के संबंध में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में उपलब्ध जानकारी के आधार पर अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस 17 जुलाई 2022 के उपलक्ष में इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे। साथियों बात अगर हम पारंपरिक और वर्तमान युग की करें तो, आज के लोकतांत्रिक युग में पारंपरिक अर्थ में राजा नहीं रहे ।उनका स्थान शासकवर्ग नें ले लिया है ।एक से अधिक व्यक्तियों का समूह राजा का स्थान ले चुका है ।सिद्धांतत: राजा के अधिकार उन्हें मिल चुके हैं, और राजा के कर्तव्यों का निर्वाह भी उन्हीं के जिम्मे है ।अधिकारों के मामले में तो वे काफी आगे हैं,किंतु दायित्वों के क्षेत्र में उनका कार्य चिंताजनक है ।उन्होंने दण्ड की प्रक्रिया को पेचीदा, समयासाध्य, अपराधी के प्रति नरमी वाला बना डाला है, इसलिए दिन प्रतिदिन अपराध बढ़ रहे हैं।

सर्वो दण्डजितो लोको दुर्लभो हि शुचिर्नर:
दण्डस्य हि भयात्सर्वं जगद्भोगाय कल्पते ॥22॥
(सर्व: दण्डजित: लोक: दुर्लभ: हि शुचि: नर: दण्डस्य हि भयात् सर्वम् जगद् भोगाय कल्पते ।)

भावार्थ: यह संसार दण्ड के द्वारा ही जीते जाने योग्य है, अर्थात् दण्ड के द्वारा ही इसे नियंत्रण में रखा जा सकता है । ऐसा व्यक्ति दुर्लभ है जो स्वभाव से ही साफ सुथरा एवं सच्चरित्र हो, न कि दण्ड के भय से ।दण्ड के भय से ही वह व्यवस्था बन पाती है जिसमें लोग अपनी संपदा का भोग कर पाते हैं। साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के ढांचे की करें तो, संयुक्त राष्ट्र से संबंधित अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय का मुख्यालय द हेग में है ।इस न्यायालय में 6 भाषाओं (अंग्रेजी, फ्रेंच, रसियन, स्पेनिश, अरेबिक, चाइनीज) में सुनवाई होती है, लेकिन काम अंग्रेजी और फ्रेंच में ही होता है। इसके सदस्य देशों की संख्या 123 है। 17 जुलाई 1998 को इसकी स्थापना हुई थी, इसने 1 जुलाई 2002 से कार्य करना प्रारंभ कर दिया। साथियों बात अगर हम न्यायालय की ज़रूरत की करें तो अपराध की दुनिया पर लगाम लगाने के लिए न्यायालय की जरूरत पड़ती है। इसी को ध्यान में रखते हुए विश्व में न्याय दिलाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय की स्थापना हुई थी। प्रतिवर्ष आज ही के दिन 17 जुलाई को अंतर्राष्ट्रीय न्याय दिवस मनाया जाता है। इसे आमतौर पर अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्याय दिवस भी कहा जाता है। इसी दिन अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय की स्थापना हुई थी। इसे मनाने का मुख्य उद्देश्य विश्व को अंतर्राष्ट्रीय अपराधों के प्रति जागरूक करना है। साथियों बात अगरहमअंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय के क्रियाकल्प की करें तो, अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय एक स्थाई और स्वतंत्र अंतर्राष्ट्रीय न्यायिकऑर्गेनाइजेशन है, जो अंतरराष्ट्रीय मानवीय और मानव अधिकारों के सबसे गंभीर उल्लंघन के आरोपियों को दंडित करने में सक्षम है। जिसमें नरसंहार का अपराध, अपराधों का युद्ध और मानवता के खिलाफ अपराध शामिल है। अंतरराष्ट्रीय अपराधिक न्यायालय स्थापना तब हुई जब, राज्यों ने रोम में एक कानून को अपनाया इस की प्रतिमाको अंतरराष्ट्रीय अपराधिक न्यायालय के संविधि के रूप में जाना जाता है। आईसीसी राष्ट्रीय अदालतों की जगह नहीं लेता है। लेकिन यह तब उपलब्ध होता है जब कोई देश जांच करने मेंसक्षम नहीं होता और अपराधियों पर यह मुकदमा चला सकता है।

साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय न्याय दिवस मनाने के उद्देश्यों की करें तो, यह दिवस इसलिए मनाया जाता है क्योंकि न्याय का समर्थन करने वाले और पीड़ितों के अधिकार को बढ़ावा देने के लिए लोगों के बीच जागरूकता और एकजुट करना बहुत आवश्यक है। यह दुनिया भर के लोगों को महत्वपूर्ण और गंभीर मुद्दों पर ध्यान देने के लिए आकर्षित करता है। यह लोगों को कई अपराधों से भी बचाता है और उन लोगों को यह चेतावनी देता है कि जो राष्ट्र की शांति सुरक्षा और भलाई को खतरे में डालते हैं,उनके ऊपर अंतरराष्ट्रीय न्याय काम करता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय दिवस हर साल 17 जुलाई को अंतरराष्ट्रीय अपराधिक न्यायालय के महत्व को बताने और दुनिया भर में हो रहे गंभीर अपराधों को रोक लगाने एव ध्यान देने के लिए मनाया जाता है। साथियों बातअगर हमअंतरराष्ट्रीय न्यायालय को अंतिम उपाय मानने की करें तो, अंतिम उपाय की अदालत के रूप में सेवा करने के इरादे से, आईसीसी मौजूदा राष्ट्रीय न्यायिक प्रणालियों का पूरक है और अपने अधिकार क्षेत्र का प्रयोग तभी कर सकता है जब राष्ट्रीय अदालतें अनिच्छुक हों या अपराधियों पर मुकदमा चलाने में असमर्थ हों।

आग की भीख

धुँधली हुई दिशाएँ, छाने लगा
कुहासा कुचली हुई शिखा से आने
लगा धुआँसा कोई मुझे बता दे, क्या
आज हो रहा है मुंह को छिपा तिमिर
में क्यों तेज सो रहा है दाता पुकार
मेरी, संदीप्ति को जिला दे बुझती हुई
शिखा को संजीवनी पिला दे प्यारे
स्वदेश के हित अँगार माँगता हूँ
चढ़ती जवानियों का श्रृंगार मांगता हूँ

बेचैन हैं हवाएँ, सब ओर बेकली है
कोई नहीं बताता, किश्ती किधर
चली है मँझदार है, भँवर है या पास
है किनारा ? यह नाश आ रहा है या
सौभाग्य का सितारा ? आकाश पर
अनल से लिख दे अदृष्ट मेरा
भगवान, इस तरी को भरमा न दे
अँधेरा तमवेधिनी किरण का संधान
माँगता हूँ ध्रुव की कठिन घड़ी में,
पहचान माँगता हूँ

आगे पहाड़ को पा धारा रुकी हुई है
बलपुंज केसरी की ग्रीवा झुकी हुई है
अग्निस्फुलिंग रज का, बुझ डेर हो
रहा है है रो रही जवानी, अँधेर हो रहा
है निर्वाक है हिमालय, गंगा डरी हुई
है निस्तब्धता निशा की दिन में भरी
हुई है पंचास्यनाद भीषण, विकराल
माँगता हूँ जड़ताविनाश को फिर
भूचाल माँगता हूँप्यारे स्वदेश के हित
वरदान माँगता हूँ

शार्ट न्यूज

एनटीपीसी दादरी के डीजीएम की संदिग्ध हालात में मौत, कूलिंग टावर में पड़ा मिला शव

दादरी। नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन (एनटीपीसी) दादरी के डीजीएम की शुक्रवार को संदिग्ध हालात में मौत हो गई। आशंका है कि उन्होंने कूलिंग टावर में कूदकर जान दी है। वह काफी दिनों से तनाव में थे। पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। बनारस के रामपुर निवासी सतीश कुमार एनटीपीसी दादरी में कोयला विभाग में डीजीएम के पद पर कार्यरत थे। वह दो बेटियों व पत्नी के साथ एनटीपीसी की टाउनशिप में रह रहे थे। बड़ी बेटी 13 साल और छोटी बेटी 10 साल की है। शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे वह कार से प्लांट में ड्यूटी के लिए निकले थे। इसके बाद वे ऑफिस नहीं पहुंचे। ऑफिस नहीं पहुंचने पर विभाग ने जानकारी जुटानी शुरू की। इसके बाद जानकारी हुई कि उनकी कार प्लांट के जंगल वाले भाग में सड़क किनारे खड़ी मिली है। दोपहर से सीआरपीएफ और पुलिस की टीम ने तलाशी अभियान चला रखा है। देर रात डीजीएम का शव कूलिंग टावर में मिला। पुलिस के मुताबिक, घटनास्थल से देख कर ऐसा प्रतीत होता है कि उन्होंने ऑफिस से दूर जाकर अपनी कार को खड़ा किया। मोबाइल चालू हालत में कार में छोड़ गए। इसके बाद वह कूलिंग टावर की तरफ से गए। वहां भरे पानी में कूदकर आत्महत्या करने की आशंका है। जो सामान घर से लेकर चले चले थे, वह कार में मौजूद था। जानकारी मिली है कि पिछले कई महीनों से सतीश कुमार तनाव में चल रहे थे। पड़ोस में रहने वाले कई दोस्तों से तनाव के कारण आत्महत्या करने की बात भी कह चुके थे। यह भी जानकारी सामने आई है कि उनके ऊपर काम का दबाव अधिक था। इसके चलते वह तनाव में थे। घर पर सोते समय वह उठ जाते थे।

सीतापुर : एक बालक को डीसीएम ने कुचला

सीतापुर। उत्तर प्रदेश में सीतापुर जिले के सीतापुर बहराइच मार्ग पर शनिवार को खेत पर जा रहे एक बच्चे को डीसीएम ने कुचल दिया। पुलिस ने बताया कि सीतापुर बहराइच मार्ग पर थानाथानगांव अंतर्गत गांव श्यामनगर के पास खेत पर जा रहे एक बच्चे विशाल (10) पुत्र वीरेंद्र निवासी श्यामनगर को सड़क पार करते समय तेज रफ्तार डीसीएम ने अपनी चपेट में ले लिया। डीसीएम की रफ्तार इतनी तेज थी कि वह अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे उतर कर बिजली के खंभे से टकरा गयी और ड्राइवर भाग निकला।
सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने डीसीएम को कब्जे में ले लिया और बालक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अमेठी : अवैध शस्त्र फैक्ट्री का भंड़ाफोड़ , दो आरोपी गिरफ्तार

अमेठी। उत्तर प्रदेश के अमेठी में पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने अवैध असलहा फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है, जिसमें पुलिस ने 10 अवैध असलहे व भारी मात्रा में असलहा बनाने के उपकरण भी बरामद किये हैं साथ ही दो आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के अनुसार एक युवक द्वारा फेसबुक पर असलहा के साथ फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा था जिसको पुलिस ने गंभीरता से लेते हुए जांच शुरू की तो पाया कि जिस युवक का सोशल मीडिया पर असलहा के साथ फोटो वायरल हो रहा था उसके तार असला फैक्ट्री तक जुड़े हुए है। इस सूचना पर पुलिस गंभीरता से जांच करते हुए आरोपियों के गिरेबान तक पहुंच गई। चेकिंग के दौरान शिव रतन गंज थाना क्षेत्र के इण्डियन आयल पेट्रोल पम्प सरैया सुल्तानपुर मोड़ के पास खण्डहर मकान के अन्दर अवैध शस्त्र बनाते हुए दो अभियुक्त गिरफ्तार किया है। जिनका पहचान कुलदीप तिवारी पुत्र गिरधारी तिवारी जुगराजपुर थाना शिवरतनगंज जनपद अमेठी वा जिब्राइल पुत्र कासिम कामापुर थाना मोहनगंज जनपद अमेठी के रूप में हुई। ये लोग अवैध असलहा बनाकर उस की तस्करी करते थे जिससे इनको मोटी रकम मिलती थी। पकड़े गए लोगों के पास से 10 अवैध तमंचे व 10 गोलियां व असलहा बनाने के उपकरण भारी मात्रा में बरामद हुए है। वहीं पुलिस अधीक्षक अमेठी इलामारन जी ने बताया कि एसओजी के माध्यम से यह खुलासा किया गया है कि पुलिस कई दिनों से असलहा बनाने वाली फैक्ट्री के पीछे लगी हुई थी पुलिस को जैसा ही सुराग हाथ लगा है वैसे पुलिस ने इन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। वही इन आरोपियों का इतिहास भी कम नहीं है इनके खिलाफ आस -पास के जनपद सहित कई थानों में गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। वही पुलिस अधीक्षक ने गिरफ्तार करने वाली टीम के उत्साहवर्धन के लिए पच्चीस हजार पुरस्कार देने की बात कही है।

पत्नी की हत्या कर युवक ने की आत्महत्या

महोबा। उत्तर प्रदेश के महोबा में एक युवक ने अपनी पत्नी की गला रेतकर हत्या कर दी और इसके बाद खुद भी बिजली के तारों को पकड कर आत्महत्या कर ली। अपर पुलिस अधीक्षक आर के गौतम ने शनिवार को यहां बताया कि खन्ना निवासी कौशल किशोर गुप्ता ने पहले पत्नी मंजू की धारदार हथियार से गला रेत कर हत्या कर दी और फिर खुद भी बिजली के तार पकड़कर अपनी जान दे दी। बताया गया कि कौशल का अपनी पत्नी मंजू से विवाद बना रहता था। कल मध्यरात्रि में दोनों के बीच किसी बात पर झगड़ा शुरू हो गया।तब कौशल की माँ ने हस्तक्षेप करते हुए उन्हें शांत कराने की कोशिश की। मामला शांत न होते और स्थिति बिगड़ते देख वह मदद के लिए घर के निकट स्थित पुलिस थाने चली गई। महिला की सूचना पर पुलिस जब तक उसके घर पहुंचती उसके पूर्व कौशल ने मौका पाकर पत्नी मंजू पर कुल्हाड़ी से जानलेवा हमला बोल दिया। उसने मंजू की गर्दन पर अनेक प्रहार किए और बाद में हंसिया से उसका गला रेत दिया। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने रात में ही मृतकों के शवों को अपने कब्जे में ले लिया और मामले की छानबीन शुरू कर दी। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भी भेज दिया। कौशल और मंजू की मौत के बाद परिवार में दोनों के दो बच्चे अंश (12) और अंकित (04) अपनी दादी के साथ रह गये हैं। बताया जा रहा है कि कौशल अत्यंत क्रोधी स्वभाव का था। चार साल पहले इसी प्रकार एक घटना में उसने गुस्से में आकर अपनी मासूम बेटी की गला दबा कर हत्या कर दी थी।

अस्पतालों के लिए लागू होगा ग्रेडिंग सिस्टम, अलग शहर में अलग होंगे इलाज और जांच के रेट

लखनऊ। अब जैसा शहर होगा, उसी के स्तर के अनुरूप इलाज और जांचों के रेट भी होंगे यानि लखनऊ और गाजीपुर में इलाज या स्वास्थ्य संबंधी टेस्टिंग की दरें एक समान नहीं होंगी। आयुष्मान भारत योजना में केंद्र सरकार इसी माह से ग्रेडिंग सिस्टम लागू कर सकती है। इसमें टीयर-1, टीयर-2 या 3 श्रेणियों के शहरों के लिए अलग-अलग रेट होंगे। महंगाई और बड़े अस्पतालों को योजना से जोड़ने के लिए दरें भी नये सिरे से संशोधित की जा रही हैं। केंद्र सरकार ने 2018 में गरीबी की रेखा से नीचे जीने वालों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने को आयुष्मान योजना शुरू की थी। यूपी की बात करें तो करीब दो करोड़ लोग इस योजना का हिस्सा हैं। इस योजना में हर साल सरकारी या निजी अस्पतालों में पांच लाख रुपये तक इलाज का खर्चा सरकार उठाती है। अभी तक इस योजना में इलाज और स्वास्थ्य जांचों की दरें समान हैं जबकि छोटे शहरों की तुलना में लखनऊ, दिल्ली या अन्य बड़े शहरों में इलाज महंगा है। इसका नतीजा यह है कि तमाम बड़े निजी अस्पताल इस योजना में शामिल ही नहीं हुए। जो शामिल हुए, वो भी लगातार दरें बढ़ाने की मांग उठाते रहे हैं। इनमें लखनऊ का एसजीपीजीआई भी शामिल है। वहीं हाल ही में लखनऊ के राम मनोहर लोहिया इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में हेल्थकेयर की कीमत देनी पड़ेगी। सरकार ने 9 जुलाई से पंजीकरण शुल्क से लेकर विभिन्न टेस्ट और प्रक्रियाओं तक के शुल्क को दोगुना कर दिया है। इलाज के लिए आरएमएलआईएमएस के अस्पताल ब्लॉक में आने वाले मरीजों को ओपीडी पंजीकरण शुल्क के रूप में 100 रुपये का भुगतान करना होगा। इसके अलावा यहां आने वाले मरीजों के लिए जो जांच और प्रक्रियाएं फ्री थीं, उनसे अब शुल्क लिया जाएगा।

लुलु मॉल नमाज विवाद : हनुमान चालीसा पढ़ने जा रहे हिंदूवादी कार्यकर्ताओं से पुलिस की नोकझोंक, 2 दर्जन हिरासत में

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के लुलु मॉल में नमाज को लेकर शुरू हुआ विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। मॉल में आज हनुमान चालीसा पढ़ने की मांग को लेकर पहुंचे करणी सेना, बजरंग दल और कुछ अन्य हिंदूवादी संगठनों के कार्यकर्ताओं से पुलिस की नोकझोंक हो गई। इसके बाद पुलिस ने कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया। इस दौरान पुलिस के साथ प्रदर्शनकारियों के साथ धक्का-मुक्की भी हुई।
राष्ट्रीय हिंदू युवा मंच के आदित्य मिश्रा और भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति की सदस्य नेहा सिंह भी मौजूद रहीं। सभी को हिरासत में लेकर पुलिस ने कल्ली पश्चिम रिजर्व पुलिस लाइन भेज दिया गया है। उधर, चारबाग रेलवे स्टेशन पर नमाज पढ़े जाने को लेकर हिंदू महासभा के पदाधिकारियों ने ज्ञापन दिया।हिंदू महासभा के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि सार्वजनिक स्थलों पर जहां-जहां नमाज पढ़ी जाएगी, वहां-वहां हम भी सुंदरकांड और हनुमान चालीसा पढ़ेंगे। बता दें कि कल देर शाम करीब 7 बजे भी ललु मॉल में तीन युवक सुंदरकांड का पाठ करने पहुंचे थे। इसे लेकर वहां हंगामा शुरू हो गया। मॉल में कल भी काफी हंगामा हुआ। इसकी पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने चार युवकों को हिरासत में ले लिया था। उन-?हें शांति भंग की कार्रवाई करते हुए जेल भेज दिया गया था। इसी के साथ मॉल में सुंदरकांड का पाठ का आह्वान करने वाली हिंदू समाज पार्टी की अध्यक्ष और हिंदू नेता स्व. कमलेश तिवारी की पत्नी किरण तिवारी को हाउस अरेस्ट किया गया था।
इस बीच अखिल भारत हिंदू महासभा के प्रवक्ता शिविर चतुर्वेदी ने नमाज का एक नया वीडियो जारी करते हुए कहा कि लुलु मॉल नहीं लुलु मस्जिद है। उन-?होंने आरोप लगाया कि जमीन खरीदकर अलग तरीके से एजेंडा चलाया जा रहा है। बता दें कि इससे पहले नमाज का वीडियो सामने आने के बाद लुलु मॉल के पीआरओ ने थाने में तहरीर दी थी।
उनकी तहरीर के आधार पर धारा 153 ए, 295 ए, 341 समेत कई अन्य धाराओं में मॉल के अंदर नमाज पढ़ने वालों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पता चला है कि नमाज पढ़ने वालों का मॉल से कोई सम्बन्ध नहीं था। एफआईआर अज्ञात युवकों के खिलाफ दर्ज की गई है।

बिजली बिल के विवाद छोटे भाई ने फेंका तेजाब, परिवार के छह लोग झुलसे

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में पारिवारिक रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। यहां बिजली बिल के भुगतान को लेकर दो भाइयों में विवाद हो गया जिसके बाद छोटे भाई ने बड़े भाई और उसके परिवार पर तेजाब फेंक दिया। इसमें परिवार के छह लोग गंभीर रूप से झुलस गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी को जिला अस्पताल भेजवाया। जानकारी के अनुसार, नवली गांव के उत्तर टोला निवासी संतोष वर्मा और उसके भाई अशोक वर्मा में 65 हजार के बकाए बिजली बिल के भुगतान को लेकर दोपहर में कहासुनी होने लगी। छोटा भाई संतोष वर्मा ने अपनी दुकान में बोतल में रखा तेजाब बड़े भाई अशोक सहित उसके परिवार पर फेंक दिया।

यूपी में मदरसा पर चला योगी सरकार का बुल्डोजर

अमरोहा। यूपी में एक बार फिर अवैध संपत्तियों पर कार्रवाई शुरू हो गई। इसका नजारा यूपी के अमरोहा में देखने को मिला है। यहां अवैध रूप से बनाए गए मदरसे के अवैध निर्माण को योगी सरकार के बुलडोजर ने शनिवार को ध्वस्त कर दिया। जिला प्रशासन ने शनिवार को बताया कि शहर में अवैध रूप से बनाए गए मदरसों की लगातार मिल रहीं शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन ने ऐसे तमाम स्थलों को चिह्नित कर कार्यवाही शुरू कर दी है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि जनपद के रहरा थाना क्षेत्र के गांव जेबड़ा में अवैध रूप से बने मदरसे पर प्रशासन का बुलडोजर चल गया। पहले इसे जमीन पर पशु बांधे जाते थे, बाद में यहां मदरसा चलने लगा। उसके बाद अब यहां सामूहिक रूप से नमाज का सिलसिला जारी रहने का विरोध करते हुए ग्रामीणों द्वारा अनेकों बार उच्चाधिकारियों से शिकायत की जा चुकी थी। आरोप है कि प्रशासन द्वारा शिकायतों को हर बार अनसुना कर दिया जाता था। लगातार शिकायतें मिलने पर जांच पड़ताल के बाद जिलाधिकारी बालकृष्ण त्रिपाठी के निर्देश पर शनिवार को ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की गई है। सुबह जिलाधिकारी के निर्देश पर भारी पुलिस एवं पीएसी बल व राजस्व टीम के साथ उप जिलाधिकारी द्वारा ग्राम जेवड़ा में सरकारी भूमि पर अवैध रूप से बनाए गए मदरसे को जेसीबी चलाकर गिराया गया।

सहारनपुर तक बढ़ाई जाएगी संगम एक्सप्रेस, रेल मंत्री ने किया ऐलान

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश में सहारनपुर के दो दिवसीय दौरे पर आए रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस क्षेत्र के लिए कई बड़ी घोषणाएं कीं हैं। इसके तहत मेरठ-प्रयागराज के बीच चलने वाली संगम एक्सप्रेस को सहारनपुर तक बढ़ाए जाने और सिद्धपीठ शाकुंबरी देवी स्थल को भी रेल मार्ग से जोड़ा जाना शामिल है। रेलमंत्री ने कहा कि मेरठ-प्रयागराज के बीच चलने वाली संगम एक्सप्रेस को सहारनपुर तक बढ़ाया जाएगा, सहारनपुर के सभी प्रमुख लोगों ने उनके सामने यह मांग प्रमुखता से रखी है। उन्होंने कहा कि लाखों हिन्दू श्रद्धालु सिद्धपीठ शाकुंबरी देवी के दर्शनों को आते हैं। उनका प्रयास रहेगा कि शाकुंबरी देवी स्थल को रेलवे मार्ग से जोड़ा जाए।
पिछले चुनाव में भाजपा के हाथ से फिसली सहारनपुर सीट पर पार्टी के समीकरण बैठाने और कार्यकर्ताओं से मिलकर जीत का खाका तैयार करने यहां आए रेलमंत्री ने दो दिवसीय दौरे के दौरान दर्जनों बैठकों में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं को मन टटोलने के साथ उनका उत्साहवर्धन भी किया ताकि पिछले साल भाजपा के खाते से बाहर रही इस सीट पर 2024 के लोकसभा चुनाव में फिर से भगवा लहराया जा सके।
भाजपा के सहारनपुर प्रभारी बनाए गए अश्विनी वैष्णव ने इय यात्रा के दौरान सभी छोटे से बड़े तक सभी प्रमुख कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। भाजपा नेतृत्व की भरसक कोशिश है कि वह पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पिछले चुनावों में हारी सभी सीटों पर जीत दर्ज करे। पिछले 2014 के लोकसभा चुनावों में भाजपा ने सहारनपुर, बिजनौर, नगीना, मुराबादा, संभव और अमरोहा की सीटें जीतीं थी लेकिन 2019 में भाजपा ने सपा और बसपा के हाथों इन्हें गंवा दिया था। उनको भाजपा नेतृत्व ने सहारनपुर, नगीना और बिजनौर लोकसभा सीटों को जिताने की जिम्मेदारी सौंपी है।
रेलमंत्री ने कहा कि 2024 का लोकसभा चुनाव मजबूती के साथ लड़ा जाएगा साथ ही माना कि भाजपा के जिला और महानगर संगठन को मजबूत किए जाने की जरूरत है। समाज के हर वर्ग को साथ लेकर चलने की जरूरत है। जनप्रतिनिधियों को आम लोगों तक अपनी पहुंच बढ़ानी होगी। उन्होंने कहा कि वह सहारनपुर में आते रहेंगे और यहां के लोगों की जो भी समस्याएं और आंकाक्षाएं होंगी उस पर पूरा ध्यान देंगे। उनका दो दिवसीय दौरा शुरुआत भर है। वह यहां के प्रबुद्ध लोगों के सीधे संपर्क में रहेंगे और उनके जो भी कीमती और जनकल्याणकारी सुझाव होंगे उन पर पूरा ध्यान देंगे।
वैष्णव महत्वपूर्ण रेल मंत्रालय के साथ-साथ संचार, आईटी और इलेक्ट्रानिक जैसे विभागों के भी मंत्री हैं। उन्होंने शाकुंबरी देवी क्षेत्र में मोबाइल टावर लगाए जाने की जिला पंचायत अध्यक्ष मांगेराम चौधरी की मांग को पूरी करने का भरोसा दिया। शाकुंबरी देवी महत्वपूर्ण तीर्थस्थल है लेकिन वहां मोबाइल टावर नहीं होने के कारण श्रद्धालुओं और निवासियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

कानपुर में टेनरी पर कब्जे को लेकर हुए बवाल में पूर्व भाजपा नेता नारायण सिंह भदौरिया गिरफ्तार

कानपुर। कानपुर के जाजमऊ में टेनरी पर कब्जे को लेकर हुए बवाल में में पूर्व भाजपा नेता नारायण सिंह भदौरिया भी शामिल था। वीडियो वायरल होने के बाद नारायण सिंह की पहचान हुई। आरोप है कि नारायण सिंह ने पिछले साल किदवई नगर में पुलिस की गिरफ्त में आए हिस्ट्रीशीटर मनोज सिंह को छुड़वाकर भगाया था। पुलिस ने शनिवार दोपहर आरोपित को छबीले पुरवा से गिरफ्तार कर लिया है।
जानकारी के मुताबिक जाजमऊ में शालीमार टेनरी में कब्जे को लेकर केडीए कालोनी जाजमऊ निवासी शहनाज जहां और चमनगंज निवासी मोहम्मद आमिर के बीच विवाद चल रहा है। बुधवार रात टेनरी में कब्जे को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया था। पुलिस के सामने दोनों पक्षो में मारपीट और पथराव हुआ था। मामले में पुलिस ने सपा विधायक मोहम्मद हसन रूमी के बेटे कामरान समेत 12 नामजद और 50 अज्ञात लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर छह आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था।
नारायण और राकी पिछले वर्ष के-ब्लाक किदवई नगर स्थित गेस्ट हाउस के बाहर हिस्ट्रीशीटर मनोज सिंह को पुलिस की गिरफ्त से छुड़वाकर भगाने के मामले में चर्चित हुए थे। नौबस्ता पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार करके जेल भेजा था। बताया जा रहा है कि जाजमऊ की टेनरी खाली कराने का भी नारायण सिंह ने साथियों के साथ मिलकर ठेका लिया था। एसीपी कैंट मृगांक शेखर पाठक ने बताया कि वीडियो में पहचान होने के बाद उसकी गिरफ्तारी की गई है।

बस्ती परिक्षेत्र में कांवड़ यात्रा को लेकर सुरक्षा के विशेष प्रबन्ध : आरके भारद्वाज

बस्ती। उत्तर प्रदेश मे बस्ती मण्डल के तीनो जिलों बस्ती,सिद्वार्थनगर तथा संतकबीरनगर मे कांवड़ यात्रा को लेकर सुरक्षा के कड़े प्रबन्ध किये गये हैं। कांवड़ियों की निगरानी के लिए हेलीकाप्टर भी लगाया जायेगा साथ-साथ ड्रोन कैमरों से भी निगरानी कारायी जायेगी।
बस्ती परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक आरके भारद्वाज ने शनिवार को यहां ''यूनीवार्ता'' से बातचीत करते हुए बताया है कि श्रावण का पवित्र महीना बृहस्पतिवार से शुरू हो गया है और इस कांवड़ यात्रा मे बस्ती मण्डल के सिद्वार्थनगर जिले से लगभग 30 हजार श्रद्वालु, संतकबीरनगर जिले से लगभग 28 हजार श्रद्वालु एंव बस्ती जिले से लगभग 4 लाख 55 हजार श्रद्वालुओ द्वारा भगवान श्रीराम की नगरी अयोध्य मे सरयू नदी का जल लेकर भगवान भोलेनाथ का 26 व 27 जुलाई को जलाभिषेक करेंगे। बाबा भदेश्वरनाथ मन्दिर के अलावा तिलकपुर,देवरिया,महादेवा के तिलकपुर सहित अन्य शिव मन्दिरों पर भी जलाभिषेक किया जायेगा।
इस दौरान सुरक्षा के कड़े प्रबन्ध किये गये है। भदेश्वरनाथ मन्दिर परिसर मे मेला भी लगेगा जिसकी सुरक्षा के लिए पुलिस प्रशासन एंव जिला प्रशासन द्वारा पूरी तैयारी कर लिया गया है। शिवभक्तों की सुरक्षा के लिए कई जगहों पर बैरिकेटिंग करायी जायेगी। वाहनों के लिए अलग-अलग स्टैंड भी बनाये जायेगे।

पिस्टॉल के साथ फोटो लेना पड़ा भारी, ट्रिगर दबने से हुई किशोर की मौत

उन्नाव। उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में पिता की लोडेड पिस्टॉल के साथ सेल्फी लेना एक किशोर को भारी पड़ गया है।
फोटो लेने के दौरान किशोर से पिस्टॉल की ट्रिगर दब गई और बुलेट किशोर के कनपटी में जा घुटी। गोली की आवाज सुनकर कमरे में पहुंचे परिजनों ने बेटे को खून से लथपथ देख उसे अस्पताल ले गए लेकिन कुछ देर बाद ही मौत हो गई।
उन्नाव के काजीपुर बंगर में रहने वाले इंद्रेश का 17 वर्षीय बेटा सुचित सुबह घर में अपने कमरे में लेटा था। इसी दौरान घर में रखे लाइसेंसी पिस्टॉल से कमरे में बेड पर लोट कर सेल्फी लेने लगा। सेल्फी लेने के दौरान अचानक लोड पिस्टॉल के ट्रिगर पर उंगली पड़ने से गोली उसके कनपटी में जा लगी। गोली की आवाज सुनते ही घर में मौजूद मां और भाई कमरे की ओर दौड़े तो सुचित खून से लथपथ बेड पर पड़ा हुआ था। आनन फानन उसे उठाकर सीएससी ले गए। जहां डॉक्टर ने प्राथमिक इलाज के बाद जिला अस्पताल भेज दिया। इमरजेंसी डॉक्टर ने उसे हैलट रेफर कर दिया। परिजन उसे कानपुर के एक निजी अस्पताल में उपचार के लिए ले जा रहे थे।
रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। मौत होते ही परिवार में कोहराम मच गया। इधर घटना की जानकारी फतेहपुर चौरासी पुलिस को हुई। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक संदीप शुक्ल मय फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे।

पत्नी की हत्या कर लाश छिपाई, 2 दिन बाद भाई को मौत के घाट उतार खुद को मार ली गोली; बाराबंकी में मचा कोहराम

बाराबंकी। यूपी के बाराबंकी में एक शख्स ने दो दिन पहले अपनी पत्नी की हत्या कर शव को छिपा दिया। फिर सम्पत्ति विवाद में सगे बड़े भाई की हत्या कर खुद को गोली मार ली। यही नहीं मझले बेटे को बचाने गए पिता पर भी बांके से हमला कर उन्हें घायल कर दिया। पुलिस ने घायल हत्यारोपी और पिता को सीएचसी हैदरगढ़ पहुंचाया जहां से हालत गंभीर होने के चलते डॉक्टरों ने दोनों को ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया है।
शुकुलपुर गांव निवासी राज नारायण शुक्ल के राघव सरन, अजय, अखिलेश उर्फ विजय और अनिल चार बेटे थे। सभी अलग अलग रहते हैं। राज नारायण अखिलेश (32) व बहू अंजलि (30) के साथ रहते थे। अखिलेश और अजय के बीच जमीन के बंटवारे का विवाद था। शुक्रवार की सुबह अखिलेश ने अपने घर में बड़े भाई अजय व छोटे भाई अनिल को जमीन के बंटवारे के समझौते के लिए बुलाया। तीनों भाई बैठ कर बात कर रहे थे। तभी अखिलेश ने अनिल को कोल्ड ड्रिंक लाने के लिए भेज दिया। अनिल के जाते ही अखिलेश ने बांके से अजय पर ताबड़तोड़ कई वार किए। पिता राजनारायण शुक्ल बीच बचाव करने लगे जिस पर अखिलेश ने उन पर भी हमला कर घायल कर दिया।
पुलिस पहुंची तो अखिलेश तमंचा लेकर छत पर चढ़ गया और अपने गले पर गोली मार ली। घायल आरोपी अखिलेश ने पुलिस को बताया कि उसकी पत्नी अंजलि (30) उसके छोटे भाई से बात करती थी। कई बार मना करने पर वह नहीं मानी। दो दिन पहले अखिलेश ने पत्नी अंजलि की हत्या कर शव को घर के बगल बंगले में छिपा दिया है। छोटे भाई से पत्नी के अवैध सम्बंध के शक में युवक ने दो दिन पहले ही बांके से पत्नी की हत्या कर दी थी। इसके बाद उसे शव को घर के पीछे बंगले में पालीथीन व बोरी के नीचे छिपा दिया था। इसके बाद से ही उसकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। जिसके चलते शुक्रवार की सुबह घर के सामने तीन बिस्वा सहन की जमीन के बंटवारे को लेकर विवाद हो गया।
जिससे आक्रोशित युवक ने अपने भाई की बांके से हत्या कर दी। बीच बचाव करने पर पिता को भी बांके से घायल कर दिया। इसके बाद स्वयं को गोली मार कर खुदकुशी का प्रयास किया। घायल हत्यारोपी और पिता ट्रामा सेंटर में भर्ती हैं।

वाराणसी बनेगी ग्लोबल सांस्कृतिक-पर्यटन राजधानी, रोजगार के मौके भी बढ़ेंगे

वाराणसी। देश-दुनिया में सांस्कृतिक राजधानी के रूप में वाराणसी की पहचान पहले से ही है, लेकिन अब वाराणसी को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की पहली सांस्कृतिक एवं पर्यटन राजधानी घोषित किया जाएगा। एससीओ के महासचिव झांग मिंग ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की शुक्रवार को चीन के शंघाई में हुई बैठक में काशी के पर्यटन और सांस्कृतिक राजधानी घोषित होने पर शहरवासी खुश हैं। इससे यहां के पर्यटन व संस्कृति विकास को पंख लगेंगे। सितंबर 2022 से सितंबर 2023 तक के लिए चुना गया है। इसके बाद अब संगठन से जुड़े देशों के पर्यटकों का आगमन बढ़ जाएगा।
झांग ने कहा कि नई पहल के तहत वाराणसी वर्ष 2022-23 के लिए एससीओ की सांस्कृतिक एवं पर्यटन राजधानी बनेगा। इसके तहत सदस्य देशों को बारी-बारी से मौका मिलेगा। यह पहल आठ सदस्य देशों में लोगों से लोगों के बीच संपर्क और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए है। कहा, हम बारी-बारी से मौका देने की प्रणाली लागू करने वाले हैं। हम सदस्य देशों के लिए बारी-बारी से सांस्कृतिक एवं पर्यटन राजधानी का खिताब देंगे। उन्होंने कहा कि सबसे पहले यह खिताब भारत के प्राचीन शहर वाराणसी को दिया जाएगा। झांग ने यहां मीडिया से कहा कि इस पहल के तहत हर साल बारी-बारी से सदस्य देश के किसी सांस्कृतिक विरासत वाले शहर को (जो अध्यक्षता करेगा) को यह खिताब दिया जाएगा ताकि उसका महत्व बढ़े। उन्होंने इस साल 15-16 सितंबर को उज्बेकिस्तान के समरकंद में होने वाले एससीओ के राष्ट्राध्यक्षों के शिखर सम्मेलन से पहले संगठन की नई पहल पर प्रकाश डाला। नई पहल समरकंद शिखर सम्मेलन के बाद लागू होगी, जिसके बाद भारत अध्यक्षता का पदभार संभालेगा और अगले राष्ट्राध्यक्षों के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा।

यशवंत सिन्हा को समर्थन देने के फैसले पर पुनर्विचार करें अखिलेश : शिवपाल

लखनऊ, 16 जुलाई (वार्ता) समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक और प्रसपा के अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव ने सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव को अतीत का आइना दिखाते हुए नसीहत दी है कि पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के लिये अपमानजनक बयान देने वाले राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा को समर्थन देना उचित नहीं है और उन्हें इस फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिये।
शिवपाल ने शनिवार को अपने भतीजे अखिलेश को एक पत्र लिखकर कहा कि सपा ने राष्ट्रपति चुनाव में उस व्यक्ति का समर्थन करने का फैसला किया है, जिसने पार्टी के प्रेरणा स्रोत मुलायम सिंह को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई का एजेंट बताकर अपमानित किया था। उन्होंने अखिलेश से इस फैसले पर पुनर्विचार करने का सुझाव देते हुए कहा कि पार्टी के इस फैसले से उनकी घोर असहमति है।
शिवपाल ने ट्वीट कर कहा, सपा के वर्तमान नेतृत्व ने राष्ट्रपति चुनाव में उस व्यक्ति का समर्थन किया है,जिसने हम सभी के अभिभावक और प्रेरणा व ऊर्जा के स्रोत आदरणीय नेताजी को आईएसआई का एजेंट बताया था। पार्टी नेतृत्व के इस फैसले के विरुद्ध मेरी घोर असहमति है। नेताजी के अपमान की शर्त पर कोई फैसला मंजूर नहीं। उन्होंने अपने ट्वीट के साथ अखिलेश को लिखे पत्र एवं यशवंत के उस बयान की अखबार में प्रकाशित खबर की कतरन भी चस्पा की है, जिसमें उन्होंने मुलायम सिंह को देश के रक्षा मंत्री रहते आईएसआई का एजेंट बताया था।
शिवपाल ने पत्र में इसे एक संवेदनशील मुद्दा बताते हुए कहा, ''यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि सपा को राष्ट्रपति प्रत्याशी के तौर पर एक अदद समाजवादी विरासत वाला नाम न मिला।
यह कहते हुए मुझे दुख और क्षोभ हो रहा है कि जो समाजवादी कभी नेताजी के अपमान पर आग बबूला हो जाते थे, आज उसी विरासत के लोग नेताजी को अपमानित करने वाले व्यक्ति का राष्ट्रपति चुनाव में समर्थन कर रहे हैं।''

सरकार ने बफर स्टॉक बनाने किसानों से 2.5 लाख टन प्याज खरीदी

- वित्त वर्ष 2021-22 में प्याज का उत्पादन में आएगी बढ़ोतरी

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

अगस्त से दिसबंर के बीच प्याज की बढ़ती कीमत के इस दौरान प्याज अपनी बढ़ती कीमतों से आम लोगों के साथ-साथ सरकार को भी आंसू रुलाने लगती है। इसी लिए इसकी कीमत अप्रत्याशित तरीके से न बढ़े इसके लिए सरकार ने प्याज को लेकर प्लान तैयार किया है। पहले से ही प्याज की खरीदारी और स्टॉक बढ़ाना चालू है। सरकार ने वर्ष 2022-23 में बफर स्टॉक बनाने के लिए किसानों से 2.5 लाख टन प्याज की खरीद की है और प्याज की खुदरा कीमतें बढ़ने पर वह बाजार में दखल देगी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2021-22 में प्याज का उत्पादन तीन करोड़ 17 लाख टन होने का अनुमान है जबकि एक साल पहले यह दो करोड़ 66.4 लाख टन था।खाद्य एवं उपभोक्ता मामले मंत्रालय ने कहा कि पिछले रिकॉर्ड को तोड़ते हुए केंद्र ने वर्ष 2022-23 में बफर स्टॉक के लिए 2.50 लाख टन प्याज की खरीद की है। चालू वर्ष में प्याज के बफर स्टॉक का आकार 2021-22 के दौरान बनाए गए 2 लाख टन से 50 हजार टन अधिक है। वर्तमान रबी फसल प्याज की खरीद भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नाफेड) द्वारा महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश जैसे प्याज उत्पादक राज्यों में किसानों के किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के माध्यम से की गई है।

मंत्रालय ने कहा कि स्टॉक को लक्षित खुले बाजार में बिक्री के माध्यम से जारी किया जाएगा और राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों और सरकारी एजेंसियों को खुदरा दुकानों के माध्यम से कम आपूर्ति वाले दिनों (अगस्त-दिसंबर) के दौरान कीमतों को कम करने के लिए दी जाएगी। खुले बाजार में बिक्री उन राज्यों एवं शहरों की ओर लक्षित की जाएगी जहां कीमतें पिछले महीने की तुलना में बढ़ रही हैं। हर साल ऐसा होता है कि अगस्त से दिसंबर के बीच प्याज के भाव आसमान छूने लगते हैं। यह शादियों का भी सीजन होता है लिहाजा मांग लगातार बनी रहती है और सप्लाई कम हो जाती है। इसलिए कीमत भी बढ़ जाती है।

फिटमेंट फैक्टर में इजाफा होने से सरकारी कर्मियों के वेतन में होगी 96 हजार की बढ़ोतरी

- सरकार की 3 अगस्त को होने वाली कैबिनेट बैठक में इस पर हो सकता है फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्र सरकार के कर्मचारियों के वेतन में जल्द ही बढ़ोतरी हो सकती है। सरकार जल्द ही फिटमेंट फैक्टर बढ़ाने पर अपनी मंजूरी दे सकती है। सरकार की 3 अगस्त को होने वाली कैबिनेट बैठक में इस पर फैसला हो सकता है। एक रिपोर्टस के मुताबिक अगर सरकार इस पर मुहर लगाती है तो 1 सितंबर, 2022 से कर्मचारियों के वेतन में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। कर्मचारियों का न्यूनतम बेसिक वेतन 18 हजार रुपए से बढ़कर 26 हजार रुपए हो जाएगा। इस तरह महीने में 8 हजार रुपए और सालाना 96 हजार रुपए बेसिक वेतन में बढ़ जाएगा। वर्तमान में कर्मचारियों को 2.57 फीसदी के आधार पर फिटमेंट फैक्टर के तहत वेतन मिल रहा है। अगर इसे बढ़ाकर 3.68 फीसदी किया जाता है तो कर्मचारियों के न्यूनतम वेतन में महीने में 8 हजार रुपए बढ़ जाएगा। बता दें कि केंद्रीय कर्मचारियों का वेतन बढ़ाने के लिए फिटमेंट फैक्टर का ही इस्तेमाल होता है। अगर मोदी सरकार फिटमेंट फैक्टर को बढ़ाती है तो कर्मचारियों का न्यूनतम मूल वेतन बढ़ जाएगा। उल्लेखनीय है कि केंद्र और राज्य कर्मचारियों की लंबे समय से मांग है कि उनके फिटमेंट फैक्टर को 2.57 फीसदी से बढ़ाकर 3.68 फीसदी कर दिया जाए। अगर न्यूनतम वेतन 18,000 रुपए से बढ़कर 26,000 रुपए हो जाता है तो कर्मचारियों का वेतन भी बढ़ जाएगा। अगर आपका न्यूनतम वेतन 18 हजार रुपए है तो भत्तों को छोड़कर 2.57 फिटमेंट फैक्टर के मुताबिक 46,260 (18000*2.57) मिलेंगे। अगर फिटमेंट फैक्टर 3.68 हो जाती है तो आपका वेतन 95,680 रुपए (26000*3.68) होगा।

बहुप्रतीक्षित कार ह्यूंदै टकसन का भारत में डेब्यू

-आगामी 4 अगस्त को होगा कीमत का खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

भारत में बहुप्रतीक्षित कार ह्यूंदै टकसन का डेब्यू हो चुका है। यह कार आगामी 4 अगस्त को लॉन्च होने वाली है। इस कार का भारतीय बाजार में लंबे समय से इंतजार किया जा रहा है। लॉन्च के कुछ महीनों बाद इसकी डिलिवरी भी शुरू हो जाएगी। नई जनरेशन की ह्यूंदै टकसन को मौजूदा मॉडल की तुलना में कई अपडेट के साथ उतारा जाएगा और इसके अलावा, यह कंपनी की इंडियन प्रॉडक्ट लाइन-अप में प्रमुख एसयूवी होगी। डिजाइन की बात करें तो अपकमिंग टक्सन कंपनी की सेंसियस स्पोर्टीनेस डिजाइन लैंग्वेज से लैस होगी। इसमें छिपा हुआ ऑल-एलईडी हेडलैम्प्स के साथ एक नया पैरामीट्रिक ग्रिल मिलेगा, जबकि फॉग लैंप्स नीचे की ओर होंगे।लॉन्च होते ही इस एसयूवी को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। नई एसयूवी का डिजाइन और इसके फीचर्स लोगों को खूब पसंद आ रहे हैं। खास बात यह है कि इसकी शुरुआती कीमत 7.53 लाख रुपये है, वहीं इसके टॉप मॉडल की कीमत 9.99 लाख रुपये है।

ग्लोबल लेवल पर चौथी जनरेशन की ह्यूंदै टकसन को दो पेट्रोल, एक हाइब्रिड और एक ऑयल-बर्नर इंजन के साथ पेश किया जाता है लेकिन संभव है कि भारत-स्पेक मॉडल में 2.0-लीटर पेट्रोल इंजन, 6-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ जोड़ा गया और 8-स्पीड टॉर्क-कन्वर्टर एटी के साथ 2.0-लीटर डीजल इंजन दिया जाए। कंपनी ने ने हाल ही में अपनी पॉपुलर और किफायती मिड साइज कॉम्पैक्ट एसयूवी हयूदै वेन्यू का अपडेट वर्जन भी लॉन्च किया था।

नेचुरल रिसोर्स की नहीं हो पाएगी चोरी, सरकार कर रही नई लेखांकन प्रणाली का विकास

- खनिज पदार्थों के मामले में झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, राजस्थान, पश्चिम बंगाल राज्य सबसे अमीर, यहीं से अधिक आते हैं खनिजों की चोरी के मामले

नई दिल्ली । अपने यहां खनिज पदार्थों के मामले में कुछ राज्य बेहद अमीर हैं। इन राज्यों में झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, राजस्थान, पश्चिम बंगाल आदि आते हैं। लेकिन इन राज्यों में इन प्राकृतिक संसाधनों की चोरी भी खूब होती है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि राज्य सरकारों को अपने नेचुरल रिसोर्सेज की सही-सही जानकारी ही नहीं है। लेकिन अब ऐसा नहीं होगा क्योंकि नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक सीएजी के (जीएएसएबी) खनिज एवं ऊर्जा समेत विभिन्न प्राकृतिक संसाधनों का लेखा-जोखा तैयार कर रहा है। इन आंकड़ों के आधार पर सरकार न केवल नीतिगत निर्णय ले सकेगी बल्कि इससे ग्रीन जीडीपी के लक्ष्य को हासिल करने में भी मदद मिलेगी। इस समय झारखंड, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ आदि राज्यों में खनिज पदार्थों की चोरी की अक्सर खबर आती है। राज्य सरकार कहती है कि उन्होंने खदान का पट्टा किसी सरकारी या निजी कंपनी को दिया हुआ है। संबंधित कंपनी कहती है कि उनकी खदानों से चोरी नहीं हो रही है। इसकी वजह यह है कि राज्यों को नेचुरल रिसोर्स की सही सही जानकारी ही नहीं है। अब जो नई लेखांकन प्रणाली का विकास हो रहा है, उससे राज्यों को नेचुरल रिसोर्स की सही जानकारी मिलेगी। साथ ही इससे नेचुरल रिसोर्स के जिम्मेदार उपयोग में मदद मिलेगी। इससे सतत विकास को बढ़ावा मिलेगा। जीएएसएबी के चेयरमैन एवं देश के उप नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक के. श्रीनिवासन ने इस नई पहल के बारे में एनबीटी डिजिटल को बताया कि सब चार प्रमुख प्राकृतिक संसाधनों खनिज और ऊर्जा संसाधन, जल संसाधन, भूमि संसाधन और वानिकी एवं वन्य जीव संसाधनों का अकाउंट तैयार कर रहा है। इस पहल का मकसद रिसोर्सेज की उपलब्धता, उनसे मिलने वाले राजस्व की संभावना, संबद्ध लागत और अगली पीढ़ी को ध्यान में रखते हुए सतत विकास को आगे बढ़ाना है। इस पहल से राज्यों में मौजूद रिसोर्सेज के बारे में समूचा ब्योरा एक जगह उपलब्ध होगा। इससे राज्यों को मिलने वाले रॉयल्टी दरों के आकलन के साथ राज्यों के राजस्व हितों की रक्षा सुनिश्चित हो सकेगी।

क्रूड ऑयल की कीमत कई दिनों से 100 डॉलर

मुंबई (एजेंसी)।

कच्चे तेल के भाव में पिछले कई दिनों से लगातार 100 डॉलर के आसपास बने हुए हैं। ब्रेंट क्रूड शनिवार सुबह भी 101 डॉलर के करीब कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) का मानना है कि आने वाले समय में ईंधन की खपत घटेगी जिससे क्रूड और सस्ता होगा। कच्चे तेल में जारी गिरावट के बीच सरकारी तेल कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की खुदरा कीमत भी जारी कर दी, जिसमें शनिवार को भी कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली में पेट्रोल अब भी 96.72 रुपए लीटर मिल रहा है। कंपनियों ने 6 अप्रैल के बाद से इसकी कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं की है, जबकि क्रूड के भाव एक समय 140 डॉलर प्रति बैरल तक चले गए थे। अब क्रूड जब 100 डॉलर के करीब है तो उम्मीद है कि आने वाले दिनों पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर रह सकती है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपए और डीजल 89.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई पेट्रोल 109.27 रुपए और डीजल 95.84 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई पेट्रोल 102.63 रुपए और डीजल 94.24 रुपए प्रति लीटर। कोलकाता पेट्रोल 106.03 रुपए और डीजल 92.76 रुपए प्रति लीटर। नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपए और डीजल 89.96 रुपए प्रति लीटर, लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपए और डीजल 89.76 रुपए प्रति लीटर, पटना में पेट्रोल 107.24 रुपए और डीजल 94.04 रुपए प्रति लीटर हो गया है और पोर्टब्लेयर में पेट्रोल 84.10 रुपए और डीजल 79.74 रुपए प्रति लीटर हो गया है।

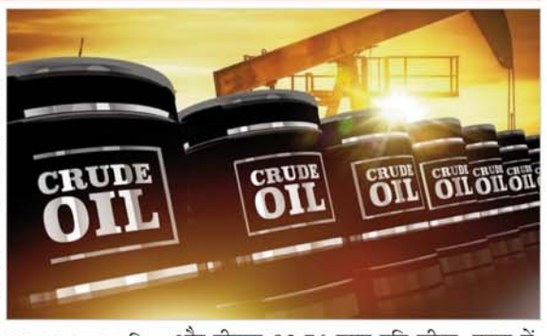

इंडियन बैंक को नाबार्ड से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का पुरस्कार मिला

चेन्नई (एजेंसी)।

सार्वजानिक क्षेत्र के इंडियन बैंक को राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले बैंक का पुरस्कार मिला है। बैंक को यह पुरस्कार स्वयं सहायता समूह से जुड़े कार्यक्रम की श्रेणी में मिला है। इंडियन बैंक के अनुसार तमिलनाडु के वित्त और मानव संसाधन मंत्री पलानीवेल त्यागराजन ने हाल में नाबार्ड के 41वें स्थापना दिवस के दौरान बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी एसएल जैन को यह पुरस्कार दिया। इस अवसर पर इंडियन बैंक के महाप्रबंधक (ग्रामीण बैंकिंग) वी चंद्रशेखरन भी उपस्थित थे।

इंडियन बैंक
Indian Bank
आपका अपना बैंक • YOUR OWN BANK

सोना 50 हजार, चांदी भी फिसलकर 55 हजार के नीचे रही

नई दिल्ली । बीते सप्ताह सोने और चांदी की कीमतों में बड़ी गिरावट देखी गई। एक वेबसाइट के अनुसार सर्राफा बाजार में इस हफ्ते सोना 521 रुपए सस्ता होकर 50,403 प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। इस हफ्ते की शुरुआत 11 जुलाई को ये 50,924 रुपए पर था। इस हफ्ते चांदी की कीमत में डेढ़ हजार रुपए से ज्यादा की गिरावट आई है। इस हफ्ते की शुरुआत में ये 56,745 रुपए पर थी जो अब 54,767 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई है यानी इस हफ्ते इसकी कीमत 1,978 रुपए कम हुई है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस साल मानसून बेहतर रहा तो सोने की खरीद आने वाले समय में तेजी आ सकती है। वैश्विक बाजार में भी सोने की खपत बढ़ने की उम्मीद है, जिसका सीधा असर उसकी कीमतों पर पड़ेगा और घरेलू बाजार में भी सोना महंगा हो जाएगा। चांदी की इंडस्ट्रियल मांग लगातार बढ़ रही है, जो आने वाले समय में इसकी कीमतों में एक बार फिर इजाफा कराएगी।

यूरोप कार बाजार पर संकट, 26 सालों में सबसे निचले स्तर पर पहुंची बिक्री

नई दिल्ली । यूरोप में कारों की बिक्री काफी कम हो गई है। पिछले महीने जून 2022 में यूरोप में कारों की बिक्री बीते 26 साल में सबसे कम रही। जून में यूरोप में सिर्फ 1.06 मिलियन कारें ही बिकीं। कुछ कार निर्माता ब्रैंड्स की बिक्री में तो 50 फीसदी तक गिरावट देखी गई। ये डेटा यूरोप ऑटोमोबाइल एसोसिएशन से मिले हैं। कारों की बिक्री में आई गिरावट का सबसे ज्यादा असर फॉक्सवैगन ग्रुप पर पड़ा। पिछले जून के मुकाबले इस जून में कंपनी की बिक्री एक चौथाई तक कम रही। वॉल्वो की भी बिक्री में जबरदस्त गिरावट देखी गई। कंपनी की बिक्री में 47.9 फीसदी का तगड़ा डाउनफॉल देखने को मिला। यह डाउनफाल जून महीने का है। वहीं ओवरआल पहली छमाही में वॉल्वो की बिक्री 28.5 फीसदी तक कम हुई। जैगुआर लैंड ग्रुप ग्रुप की जून में बिक्री सिर्फ 13.2 फीसदी कम हुई पर छमाही में जैगुआर की सेल भी जबरदस्त गिरी। पहले छमाही में 34.7 का बड़ा डाउनफॉल जैगुआर की सेल में आया है। इंफ्लेशन, बाधित सप्लाई चेन, कोरोना के बढ़ते मामले भी इसका बड़ा कारण हैं। इसके अलावा ऑनगोइंग चिप शॉर्टेज भी कंपनियों की बिक्री कम होने का एक बड़ा कारण है। इन्हीं सब कारणों के चलते लगातार 12 महीनो से यूरोप में कारों की बिक्री में गिरावट दर्ज की जा रही है।

विमान ईंधन की कीमत में गिरावट

नई दिल्ली । विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमत में शनिवार को 2.2 प्रतिशत की कटौती की गई, जो अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों में गिरावट को दर्शाती है। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों की मूल्य अधिसूचना के अनुसार एटीएफ के दाम में 3,084.94 रुपए प्रति किलोलीटर की कटौती करके इसे 1,38,147.93 रुपए प्रति किलोलीटर कर दिया गया है। एटीएफ की कीमत इस साल केवल दूसरी बार कम की गई है। पिछले महीने इसकी कीमत 1,41,232.87 रुपए प्रति किलोलीटर (141.23 रुपए प्रति लीटर) के चरम पर पहुंच गई थी। एटीएफ के दाम पिछले पखवाड़े अंतरराष्ट्रीय तेल कीमतों के आधार पर हर महीने की पहली और 16वीं तारीख को संशोधित किए जाते हैं। इससे पहले एक जुलाई को कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया था।

दिल्ली-एनसीआर में साल 2026 तक इतिहास बन जाएंगे डीजल ऑटो रिक्शा

- नई एयर पॉल्यूशन पॉलिसी के मुताबिक डीजल आटो को राजधानी और आसपास से किया जा सकता है बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

साल 2026 तक डीजल से चलने वाले ऑटो रिक्शा दिल्ली-एनसीआर (नेशनल कैपिटल रीजन) में इतिहास बन जाएंगे। कमिशन ऑफ एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (सीएक्यूएम) की नई एयर पॉल्यूशन पॉलिसी के मुताबिक इन वाहनों को राजधानी और आसपास के क्षेत्र से धीरे-धीरे फेज आउट करने पर विचार किया जा रहा है। जिससे वायु प्रदूषण पर नियंत्रण पाया जा सके। इस पॉलिसी के तहत दिल्ली में अगले 5 साल में वायु प्रदूषण को कम करने का लक्ष्य है। इसके लिए कमिशन सेक्टर्स के आधार पर एक्शन लेगा। नई वायु प्रदूषण नीति के तहत डीजल से चलने वाले ऑटो रिक्शा गुरुग्राम, फरीदाबाद, गौतम बुद्ध नगर और गाजियाबाद में 31 दिसंबर 2024 तक हटाने की योजना बनाई जा रही है। बाकी जिलों में डीजल से चलने वाले ऑटो रिक्शा 31 दिसंबर 2026 तक हट सकते हैं। कमिशन ऑफ एयर क्वालिटी मैनेजमेंट के मुताबिक 1 जनवरी 2023 से केवल कंप्रेस्ड नैचुरल गैस और इलेक्ट्रिक ऑटो की ही रजिस्ट्रेशन राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्रों में होगा। दिल्ली और एनसीआर स्टेट्स को कमिशन की ओर से निर्देश दिए गए हैं कि सीएनजी और लिक्विफाइड नैचुरल गैस) से चलने वाले वाहनों के लिए एनसीआर और हाइवेज पर फिलिंग नेटवर्क तैयार करें जिससे लंबी दूरी के वाहन ईंधन भरा सकें। इसके अलावा बीएस4 वाहनों पर भी पाबंदी लगाने की तैयारी की जा रही है। इनमें एसेंशियल सर्विस में इस्तेमाल होने वाले वाहनों को छूट मिलेगी। हालांकि कई रेजीडेंशियल वेलफेयर असोसिएशन इस फैसले को गैरजरूरी बताते हुए इसका विरोध कर रहे हैं। दिल्ली एनसीआर क्षेत्रों में वायु प्रदूषण का स्तर 450 तक पहुंच गया है।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) बीते सप्ताह शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच गिरावट रही

▸▸ सेंसेक्स 344 अंक चढ़कर 53,760 पर बंद ▸▸ निफ्टी 110 अंक बढ़त के साथ 16,049 पर बंद

मुंबई (एजेंसी)।

बीते सप्ताह शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच गिरावट देखने को मिली। बाजार के जानकारों ने कहा कि कमजोर घरेलू और विदेशी संकेतों से बाजार में गिरावट आई। कमजोर होते रुपए, बढती महंगाई, मजबूत होते डॉलर और एफआईआई की बिकवाली बाजार पर दबाव बनाए हुए है। हालों कि मानसून की प्रगति और कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट से शेयर बाजार को कुछ सहारा मिला है। चार दिन की गिरावट के बाद सप्ताह के ओ खिर में शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पांच कारोबारी दिनों पर नजर डालें तो सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों का सूचकांक सेंसेक्स 330.14 अंक गिरकर 54,151.70 पर खुला और 86.61 अंक की गिरावट के साथ 54,395.23 अंक पर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी 102.75 अंक फिसलकर 16,117.85 पर खुला और 4.60 अंक की मामूली गिरावट के साथ 16,216 अंक पर बंद हुआ। मंगलवार को सेंसेक्स 340.76 अंक गिरकर 54,054.47 पर खुला और 508.62 अंक लुढ़ककर 53,886.61 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 72.65 अंक गिरकर 16,143.35 पर खुला और 157.70 अंक की गिरावट के साथ 16,058.30 अंक पर बंद हुआ। बुधवार को सेंसेक्स 324.61 अंक बढ़कर 54,211.22 पर खुला और 372.46 अंक गिरकर 53,514.15 अंक पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 750 अंक तक लुढ़क कर 53,514.15 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 239 अंक अंक बढ़कर 53,753.45 पर खुला और 98 अंक गिरकर 53,416.15 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 74.7 अंक चढ़कर 16,041.35 पर खुला और 28 अंक गिरकर 15,938.65 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 339.81 अंक बढ़कर 53,755.96 पर खुला 344.63 अंक चढ़कर 53,760.78 पर बंद हुआ। निफ्टी 72.35 अंक चढ़कर 16,011 पर खुला और 110.55 अंक की बढ़त के साथ 16,049.20 पर बंद हुआ।

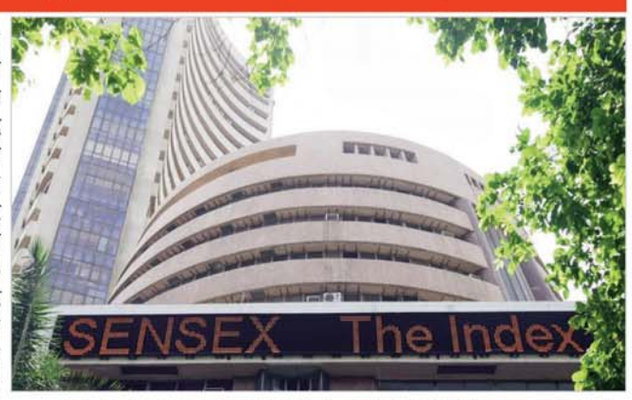

दिग्गज कार निर्माता कंपनियों ने भारत में उतारी इलेक्ट्रिक कारें

-ये है दुनिया की 5 सबसे तेज चार्ज होने वाली इलेक्ट्रिक कारें

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

कई दिग्गज कार निर्माता कंपनियां अपनी पॉप्युलर कारों के इलेक्ट्रिक वर्जन भारत में उतार चुकी हैं। आमतौर पर इलेक्ट्रिक कारों को चार्ज होने में काफी वक्त लगता है और यही इलेक्ट्रिक कार खरीदने वाले ग्राहकों के लिए सबसे बड़ी असुविधा है। हालांकि, जैसे जैसे तकनीक का विकास हो रहा है वैसे वैसे ही इलेक्ट्रिक कारों में चार्जिंग टाइम भी कम हो रहा है। यहां हम आपको उन इलेक्ट्रिक कारों के बारे में बताएंगे जो सुपरफास्ट चार्जिंग के साथ आती है। ये 5 कारें दुनिया की सबसे फास्ट चार्ज होने वाली इलेक्ट्रिक कारें हैं। पोर्श टायकून प्लस जर्मन स्पोर्ट्स कार ब्रैंड की पहली इलेक्ट्रिक कार है। यह कार बेहतरीन फीचर्स से लैस है और इलेक्ट्रिक कार बाजार में दुनिया भर में अपना लोहा मनवा चुकी है। यह कार दुनिया की सबसे फास्ट चार्ज होने वाली कार है। डीसी चार्जिंग के साथ यह कार एक घंटे की चार्जिंग में 1 हजार किमी से ज्यादा दूरी तय कर सकती है। किआ ईवी6 लांग रेंज 2डब्ल्यूडी इलेक्ट्रिक कार दुनिया की दूसरी सबसे तेज चार्ज होने वाली कार है। यह कार एक घंटे की एसी चार्जिंग में 51 किमी और डीसी चार्जिंग में 1,046 किमी तय कर सकती है। मर्सेडीज ईओएस 580 4 मेटीक लग्जरी इलेक्ट्रिक कार सबसे तेज चार्जिंग के मामले में दुनिया की तीसरे नंबर की कार है। इस कार को एक घंटे एसी पर चार्ज करके 53 किमी और डीसी चार्जिंग के साथ 788 किमी तक रन किया जा सकता है। ह्यूदै आयोनिक लॉन्ग रेंज 2 डब्ल्यूडी इलेक्ट्रिक कार भी सुपरफास्ट चार्जिंग के साथ आती है। इसे एक घंटे एसी चार्जिंग के साथ चार्ज करने पर 59 किमी चलाया जा सकता है। वहीं अगर आप इसे डीसी चार्जिंग के साथ चार्ज करते हैं तो 933 किमी की लंबी दूरी तय कर सकते हैं। टेस्ला मॉडल वाय लॉन्ग रेंज ड्यूल मोटर दुनिया की दूसरी सबसे ज्यादा बिकने वाली इलेक्ट्रिक कार है। इस कार को अगर एसी चार्जिंग से एक घंटे चार्ज किया जाए तो इसे 54 किमी चलाया जा सकता है। वहीं डीसी चार्जिंग से चार्ज करने पर 595 किमी की रेंज मिलती है।

शार्ट न्यूज

प्रियांशी प्रजापत महिला पहलवान ने विश्व कुश्ती चैंपियनशिप के लिए किया क्वालीफाई

इंदौर। मध्य प्रदेश खेल युवा कल्याण विभाग टीटी नगर भोपाल की कुश्ती एकेडमी में अभ्यासरत कुमारी प्रियांशी प्रजापत महिला पहलवान ने विश्व जूनियर कुश्ती चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया है । बुल्गारिया के सोफिया शहर में दिनांक 15 से 21 अगस्त तक विश्व कुश्ती चैंपियनशिप का आयोजन होना है। आज भारतीय खेल प्राधिकरण लखनऊ के सेंटर में चयन प्रक्रिया आयोजित की गई जिसमें मध्य प्रदेश उज्जैन की प्रियांशी ने 50 किग्रा भार वर्ग के फ़ाइनल मुक़ाबले में दो बार की वर्ल्ड चैंपियन हनी पहलवान (हरियाणा) को हरा कर विश्व जूनियर कुश्ती चैंपियनशिप (बुलगारिया) 2022 के लिए अपना स्थान पक्का किया। मध्य प्रदेश कुश्ती के प्रेरणा स्रोत अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित कृपाशंकर पटेल ने प्रियांशी को बधाई देते हुए उन प्रशिक्षकों को भी बधाई दी जिनकी देखरेख में प्रियांशी ने यह उपलब्धि प्राप्त की। कृपाशंकर ने प्रियांशी के पिता द्वारा की गयी तपस्या को याद करते हुए मध्य प्रदेश की इस बेटी द्वारा सराहनीय उपलब्धि पर उनके कोच मध्यप्रदेश शासन टीटी नगर कुश्ती एकेडमी के मुख्य कुश्ती प्रशिक्षक, द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित महासिंह राव, नीलिमा बोरासी, विनय प्रजापत सहित सभी सहयोगी स्टार्स को बधाई व शुभकामनाएं दी।

उत्तराखंड और एयरफोर्स की रोमांचक जीत

नयी दिल्ली। 'मैन ऑफ द मैच' अर्जुन बिष्ट के दो शानदार गोलों की मदद से उत्तराखंड फुटबाल क्लब ने बेहतर रैंकिंग वाली रॉयल रेंजर्स को 3-2 से हराकर प्रीमियर लीग फुटबाल में अपना अभियान शुरू किया। दिन के दूसरे मैच में इंडियन एयर फोर्स ने अपने मैन ऑफ द मैच प्रभजोत के दो शानदार गोलों से फ्रेंड्स यूनाइटेड को 3- 2 से हराया। टीम का विजयी गोल कप्तान रेरी एस राज ने जमाया। यहां अंबेडकर स्टेडियम पर खेले गए उतार चढ़ाव वाले मुकाबले में उत्तराखंड की आक्रमण पंक्ति को रोक पाने में रॉयल रेंजर्स के रक्षकों को खासा पसीना बहाना पड़ा। हालांकि 18 वें मिनट में विदित शर्मा के गोल से रेंजर्स ने बढ़त बनाई लेकिन अर्जुन ने दो मिनट में दो गोल जमा कर अपनी टीम को 2-1 से आगे कर दिया। लेकिन51 वें मिनट में डोली नोमुक की दर्शनीय बाइसिकल वॉली ने उत्तराखंड की बढ़त मजबूत कर दी। हालांकि कर्मण्या बंसल ने 69वें मिनट में गोल किया लेकिन उत्तराखण्ड शेष समय बढ़त कायम रखने में सफल रहा। टीम मैनेजर धनवीर सिंह रावत के अनुसार उत्तराखण्ड ने पहली बार रॉयल रेंजर्स पर जीत दर्ज की है। डीएसए लीग में तीसरे नंबर की टीम पर दसवें नम्बर की टीम की जीत वाकई शानदार रही। दिन के दूसरे मैच में फ्रेंड्स यूनाइटेड ने इंडियन एयर फोर्स को कांटे के मुकाबले में रोके रखा लेकिन कुछ खिलाड़ियों का आक्रामक रवैया पराजित टीम पर भारी पड़ा लेकिन रेफरी आदित्य के कुशल संचालन से मैच बिना किसी अनहोनी के समाप्त हुआ।स्श्वश्रह्लह्य

राष्ट्रमंडल खेलों में हीथर नाइट करेंगी इंग्लैंड की कप्तानी

लंदन। बर्मिंघम में होने वाले राष्ट्रमंडल खेल 2022 में हीथर नाइट इंग्लैंड महिला टीम की कप्तानी करेंगी। इंग्लैंड क्रिकेट ने शनिवार को इसकी घोषणा की। इससे पहले यह टीम 21 जुलाई से शुरू होने वाली टी20 श्रंखला में दक्षिण अफ्रीका से मुकाबला करेगी। युवा सनसनी एलिस कैप्सी और फ्रेया कैम्प को पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्क्वाड में शामिल किया गया है जबकि टेस्ट और वनडे में पदार्पण कर चुकी 20 वर्षीय इसी वॉन्ग अपना पहला टी20 मैच खेल सकती हैं। राष्ट्रमंडल खेलों में क्रिकेट 28 जुलाई से शुरू होगा, जिसमें इंग्लैंड अपना पहला मैच श्रीलंका के खिलाफ दो दिन बाद खेलेगी। इसके बाद इंग्लैंड का सामना दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड से होगा। सेमीफाइनल छह अगस्त को खेला जाना है जबकि स्वर्ण और कांस्य पदक के मैच सात अगस्त को होंगे। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले तीन टी20 21, 23 और 25 जुलाई को खेले जाएंगे।इंग्लैंड की कप्तान हीथर नाइट ने टीम चयन पर कहा, राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा लेना, खासकर घरेलू धरती पर, हमारे और क्रिकेट के लिए एक बड़ा अवसर है। जब आप छोटे होते हैं तो आप इन बहु-खेल आयोजनों को देखते हैं, लेकिन एक क्रिकेटर के रूप में आप कल्पना नहीं करते कि आप टीम इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व करेंगे।

श्रीलंका-पाकिस्तान के बीच खेले जाने वाले दूसरे टेस्ट के कार्यक्रम में हो सकता है बदलाव

कोलम्बो। पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच खेला जाने वाले दूसरा टेस्ट कोलंबो से हटाकर गाले में आयोजित किया जा सकता है। वह इसलिए क्योंकि देश की राजधानी में राजनीतिक प्रदर्शन होने के आसार हैं। वैसे तो पिछले कुछ महीनों से श्रीलंका में चल रही राजनीतिक अशांति ने किसी भी तरह क्रिकेट मैचों को प्रभावित नहीं किया है, डर है कि कोलंबो में फिर से लोगों का सड़कों पर उतर आना टेस्ट मैच के आयोजन में बाधा डाल सकता है। गाले में भी 9 जुलाई को एक बड़े प्रदर्शन का आयोजन हुआ था जब ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका के बीच दूसरा टेस्ट मैच खेला जा रहा था। हालांकि वहां मौजूद लोगों की संख्या कोलंबो में हुए प्रदर्शन के काफ़ी कम थी। इसी बीच श्रीलंका क्रिकेट ने यह साफ़ कर दिया है कि वह क्रिकेट का आयोजन करने को तैयार हैं। अगस्त के शुरुआती हफ़्तों में बोर्ड लंका प्रीमियर लीग का आयोजन करेगा जिसके बाद एशिया कप खेला जाना है। हाल ही में कोलंबो में अंतर्राष्ट्रीय मैच खेले गए हैं। ऑस्ट्रेलिया सीरीज़ में दो टी20 अंतर्राष्ट्रीय तथा तीनों वनडे मैच यहां खेले गए थे। जबकि इन मैचों में दर्शक मैदान पर आए थे और सब कुछ ठीक तरीक़े से हो गया, तब से कोलंबो में हो रहे प्रदर्शन की संख्या बढ़ चुकी है। कोलंबो में पाकिस्तान के विरुद्ध दूसरा टेस्ट मैच खेला जाना है लेकिन अगर यह गाले में स्थानांतरित होता है तो यह गॉल के मैदान पर होने वाली लगातार तीसरी घरेलू टेस्ट सीरीज़ होगी।

अगली एफ़टीपी में पांच टेस्ट मैचों की होगी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफ़ी

दुबई। 1992 के बाद पहली बार भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज़ खेली जाएगी। मई 2023 से अप्रैल 2027 तक चलने वाली आईसीसी की अगली एफ़टीपी में यह निर्धारित किया गया है। 2018-19 में भारत, ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज़ जीतने वाला पहला एशियाई देश बना था। इसके दो साल बाद, कई बड़े खिलाड़ियों की ग़ैरमौजूदगी में टीम ने गाबा में एक धमाकेदार जीत करते हुए 2-1 से सीरीज़ अपने नाम की थी। दोनों मौक़ों पर चर्चा हुई थी कि बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफ़ी को पांच मैचों की सीरीज़ बनाया जाना चाहिए और अब यह सच हो रहा है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने अगले चार सालों में दो ऐसी सीरीज़ खेलने पर सहमति जताई है। मिली जानकारी के अनुसार दिसंबर-जनवरी 2024-25 में पांच टेस्ट मैचों के लिए भारत, ऑस्ट्रेलिया का दौरा करेगा। इसके बाद साल 2027 की शुरुआत में यह दोनों टीमें भारत में टकराएंगी। यह दोनों ही सीरीज़ क्रमश=2023-25 और 2025-27 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र का हिस्सा होंगी। इसके अलावा भारत को इंग्लैंड के विरुद्ध पांच मैचों की दो टेस्ट सीरीज़ खेलनी है - घर पर 2024 में और 2025 में इंग्लैंड जाकर। जहां घरेलू सीरीज़ 2023-25 डब्ल्यूटीसी का हिस्सा होगी वहीं अगली सीरीज़ 2025-27 चक्र के अंतर्गत खेली जाएगी। नई एफ़टीपी के मसौदे के अनुसार जहां इंग्लैंड को 42 और ऑस्ट्रेलिया को 41 टेस्ट खेलने हैं, वहीं भारत 38 टेस्ट मैचों में हिस्सा लेगा। इसके अलावा बांग्लादेश (34) और न्यूज़ीलैंड (32) ही वह दो टीमें है जो 30 से अधिक टेस्ट मैच खेलेंगी। मानदंड के अनुसार डब्ल्यूटीसी च्रक की सीरीज़, भाग लेने वाली टीमों द्वारा सहमति से निर्धारित की जाती है जबकि आगामी दो डब्ल्यूटीसी च्रक के लिए सीरीज़ पर मुहर लगाई जा चुकी है, मैचों की संख्या और तारीख़ों में समायोजन के लिए जगह है।

अगस्त में खेली जाएगी केएससीए की नई टी20 प्रतियोगिता

बेंगलुरु। तीन साल पहले भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना करने और कोरोना महामारी झेलने के बाद कर्नाटका राज्य क्रिकेट एसोसिएशन (केएससीए) अगले महीने अपने टी20 टूर्नामेंट को फिर से शुरू करने जा रहा है। कर्नाटका प्रीमियर लीग (केपीएल) नाम से खेला जाने वाले यह टूर्नामेंट अब महाराजा ट्रॉफ़ी टी20 के नाम से जाना जाएगा। इसके अलावा केएससीए ने छह टीमों के इस टूर्नामेंट के आयोजन के लिए कई बदलाव किए हैं।

फ़्रैंचाइज़ी प्रणाली को हटाकर एसोसिएशन प्लेयर ड्राफ़्ट, भुगतान से लेकर कोच और स्टाफ़ की नियुक्ति तक क्रिकेट के सभी पहलुओं को संभालेगा। हालांकि बोर्ड ने सभी छह टीमों के लिए प्रायोजकों के साथ करार किया है। प्रतियोगिता का नौवां संस्करण 7 से 26 अगस्त के बीच बेंगलुरु और मैसूर में खेला जाएगा।

मुख्य रूप से केएससीए ने देश के कर कानूनों को ध्यान में रखते हुए यह बदलाव किया है। सचिव संतोष मेनन ने कहा, फ़्रैंचाइज़ी प्रणाली के साथ आगे बढ़ने से एसोसिएशन को कर के रूप में अपने राजस्व का बड़ा हिस्सा देना पड़ता क्योंकि इसे अर्जित आय के रूप में देखा जाता। इस नए फ़ॉर्मेट में, जहां सारा ख़र्च एसोसिएशन उठाएगा, कर के प्रतिशत में कटौती होगी। इसके अलावा, केएससीए ने बीसीसीआई द्वारा अनिवार्य सभी भ्रष्टाचार विरोधी प्रोटोकॉल का पालन करने की बात को दोहराया है। केएससीए के सभी छह क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व किया गया है - बेंगलुरु, मैसूर, हुबली, शिमोगा, रायचूर और मंगलुरु अध्यक्ष और पूर्व भारतीय ऑलराउंडर रोजर बिन्नी के नेतृत्व में एसोसिएशन की क्रिकेट समिति ने राज्य के छह क्षेत्रों से छह चयनकर्ताओं के समूह का गठन किया है जो ड्राफ़्ट प्रक्रिया में हिस्सा लेंगे ताकि टीमें बराबर बनाई जाए। आनंद कट्टी, एआर महेश, एमवी प्रशांत, संतोष वैद्यराज और रघोत्तम नवली चयनकर्ता की भूमिका संभालेंगे।

35 वर्ष की आयु वर्ग में सभी खिलाड़ी इस लीग में हिस्सा लेने के पात्र होंगे। केएससीए की समिति कप्तानों और उप-कप्तानों को भी नामित करेगी। प्लेइंग इलेवन के चयन में या किसी अन्य क्रिकेट निर्णय में टीम के प्रायोजकों की कोई भागीदारी नहीं होगी। एसोसिएशन ने सभी छह टीमों को अपने प्रमुख कोचों में से एक मुख्य कोच और एक सहायक कोच वितरित किया है। स्टुअर्ट बिन्नी, नज़ीरउद्दीन, मंसूर अली ख़ान, निखिल हल्दीपुर, दीपक चौगले और पीवी शशीकांत मुख्य कोच होंगे। सभी छह टीमों के लिए एक फ़िज़ियो, ट्रेनर और वीडियो विश्लेषक की नियुक्ति की जाएगी। खिलाड़ियों को ए, बी, सी और डी जैसे चार वर्गों में बांटा गया है। भारतीय टीम अथवा आईपीएल में खेलने वाले खिलाड़ी ए वर्ग में होंगे। रणजी ट्रॉफ़ी, विजय हज़ारे और सैयद मुश्ताक़ अली ट्रॉफ़ी में हिस्सा लेने वाले स्टेट खिलाड़ी बी वर्ग में होंगे। अंडर-19 और अंडर-23 जैसे आयु वर्ग टूर्नामेंट में भाग लेने वाले खिलाड़ी सी वर्ग में होंगे जबकि उभरते सितारों को डी वर्ग में रखा जाएगा।

इससे पहले खिलाड़ी ऑक्शन में ख़रीदे जाते थे और 2019 में 7.3 लाख रुपये में पवन देशपांडे सबसे महंगे खिलाड़ी साबित हुए थे। हालांकि अब खिलाड़ियों को वर्ग के आधार पर चुना जाएगा और वर्ग के लिए निर्धारित राशि मिलेगी। ए वर्ग के खिलाड़ियों को पांच लाख रुपये मिलेंगे। वहीं बी, सी और डी वर्ग के खिलाड़ियों को क्रमश: दो लाख, एक लाख और पचास हज़ार रुपये दिए जाएंगे।

भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व कर रहे खिलाड़ियों को छोड़कर राज्य के सभी बड़े खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। इनमें मयंक अग्रवाल, देवदत्त पड़िक्कल, मनीष पांडे, करुण नायर, प्रसिद्ध कृष्णा, श्रेयस गोपाल और के गौतम शामिल हैं। प्रत्येक टीम अन्य पांच टीमों के विरुद्ध एक मैच खेलेगी जिसके बाद अंक तालिका की निचली दो टीमें बाहर हो जाएगी। टॉप चार टीमें आईपीएल की तरह प्लेऑफ़ में प्रवेश करेगी।

सिंगापुर ओपन के फाइनल में पहुंचीं सिंधु

कलांग (सिंगापुर)। भारत की शीर्ष शटलर और 2019 विश्व चैम्पियन पीवी सिंधु ने शनिवार को जापान की साएना कावाकामी को हराकर सिंगापुर ओपन के फाइनल में जगह बनायी।

सिंधु ने कावाकामी को सुपर 500 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में 21-15, 21-7 से मात दी।

पूर्व ओलंपिक पदक विजेता का सामना फाइनल में जापान की आया ओहोरी और चीन की वांग ज़ी यी में से किसी एक से होगा।

यह सिंधु का इस सीज़न का तीसरा फाइनल होगा। इससे पहले वह जनवरी और मार्च में क्रमश: सैयद मोदी अंतरराष्ट्रीय और स्विस ओपन सुपर 300 खिताब जीत चुकी हैं।

सिंधु ने मैच की शुरुआत आक्रामक रवैये के साथ की और अपने स्मैश एवं ड्रॉप शॉट्स को सही ठिकाने पर गिराते हुए 7-2 की बढ़त हासिल कर ली। दूसरी ओर कावाकामी ने मुकाबले में वापसी करते हुए गेम को 11-11 पर पहुंचा दिया। मैच जापानी खिलाड़ी की ओर झुकता जा रहा था लेकिन सिंधु ने अंतिम छह में से पांच पॉइंट हासिल कर पहला गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में अपना वर्चस्व जमाते हुए सिंधु ने ब्रेक तक 11-4 की विशाल बढ़त ले ली।

रोमांचक मुकाबले में आयरलैंड की हार

एजेंसी

डबलिन। पॉल स्टर्लिंग (120) और हैरी टेक्टर (108) की शतकीय पारियों के बावजूद आयरलैंड तीसरे एकदिवसीय मैच में न्यूजीलैंड से एक रन से हार गयी।

न्यूजीलैंड ने डबलिन में शुक्रवार को खेले गये मैच में आयरलैंड के सामने 361 रन का लक्ष्य रखा था, मगर आयरलैंड 50 ओवर में 359 रन ही बना सकी।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए सलामी बल्लेबाज मार्टिन गप्टिल और फिल ऐलेन ने ब्लैक कैप्स को अच्छी शुरुआत दिलायी। ऐलेन (33) के आउट होने से पहले दोनों के बीच 78 रन की साझेदारी हुई। गप्टिल ने कप्तान टॉम लैथम (30) के साथ 60 रन की और हेनरी निकोल्स (79) के साथ 96 रन की साझेदारी की।

इस दौरान गप्टिल ने अपना शतक भी पूरा किया। उन्होंने 126 गेंदें खेलकर 15 चौकों और दो छक्कों की बदौलत 115 रन बनाये। अंत में ग्लेन फिलिप्स ने तीन गेंदों में पांच चौकों और दो छक्कों की बदौलत 47 रन की ताबड़तोड़ पारी खेलते हुए न्यूजीलैंड को 50 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर 360 रन तक पहुंचाया।

इस विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए आयरलैंड के कप्तान एंड्रयू बालबर्नी शून्य पर आउट हो गये, लेकिन पॉल स्टर्लिंग ने शतक लगाकर आयरलैंड को मैच में बरकरार रखा। स्टर्लिंग ने 103 गेंदें खेलकर 120 रन बनाये। उन्होंने अपनी पारी में 14 चौके और पांच छक्के लगाये।

इसके बाद युवा बल्लेबाज हैरी टेक्टर ने भी शतक जड़कर मैच में आयरलैंड की स्थिति मज़बूत की। उन्होंने सात चौकों और पांच छक्कों सहित 106 गेंदों पर 108 रन बनाये। जब टेक्टर 44वें ओवर में आउट हुए तो आयरलैंड को जीत के लिये 39 गेंद पर 61 रन की दरकार थी। एक समय पर लग रहा था कि आयरलैंड मैच से बाहर हो गयी है लेकिन जॉर्ज डॉकरेल के 22(17) रन के योगदान ने मैच को आखिरी गेंद तक पहुंचाया, हालांकि कीवी टीम ने यह मैच अंतत: एक रन से जीत लिया।

आयरलैंड ने पिछले कुछ दिनों में शानदार प्रदर्शन किया है, लेकिन बड़ी टीमों के खिलाफ खेलने के अनुभव की कमी के कारण उसे करीबी मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। इससे पहले आयरलैंड न्यूजीलैंड के खिलाफ खेले गये पहले एकदिवसीय मैच में एक विकेट से हारी थी, जबकि दूसरे एकदिवसीय मैच में उसे तीन विकेट से शिकस्त मिली थी। भारत के साथ खेले गये दूसरे टी20 मुकाबले में 226 रन के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए भी वह सिर्फ पांच रन से चूक गयी थी।

आयरलैंड को अब ब्लैक कैप्स के खिलाफ तीन मैचों की टी20 श्रंखला खेलनी है जिसका पहला मैच 18 जुलाई को खेला जाएगा।

कोरोना की नई लहरों के लिए तैयार रहना चाहिए

विश्व स्वास्थ्य संगठन साइंटिस्ट की दुनिया को चेतावनी

जिनेवा। कोरोना वायरस के ज्यादा संक्रामक स्वरूप के उभरने, प्रतिरक्षा को भेदने और अस्पताल में भर्ती होने की बढ़ती दर को लेकर चिंताओं के बीच विश्व स्वास्थ्य संगठन की मुख्य वैज्ञानिक सौम्या स्वामीनाथन ने आगाह किया कि कोविड-19 की नई लहरों के लिए तैयार रहना चाहिए। ऐसे साक्ष्य लगातार मिल रहे हैं कि ओमीक्रॉन के सब वैरिएंट- बीए.4 और बीए.5 टीका ले चुके लोगों को भी संक्रमित कर रहे हैं।

स्वामीनाथन ने गुरुवार को ट्वीट किया, हमें कोविड-19 की नई लहरों के लिए तैयार रहना चाहिए। वायरस का प्रत्येक वैरिएंट और संक्रामक तथा प्रतिरक्षा को भेदने वाला होगा। ज्यादा लोगों के संक्रमित होने से बीमारों और अस्पतालों में भर्ती मरीजों की संख्या बढ़ेगी। सभी देशों के पास आंकड़ों के आधार पर उभरते हालात से निपटने की योजना होनी चाहिए।

मृत्यू दर में वैश्विक स्तर पर बदलाव

स्वामीनाथन ने वर्ल्ड बैंक ग्रुप में वरिष्ठ सलाहकार फिलिप शेलेकंस के ट्वीट के जवाब में यह बात कही। शेलेकंस ने कहा, हम कोविड-19 की मृत्यु दर में वैश्विक स्तर पर बदलाव देख रहे हैं। महीनों तक मृत्यु दर में कमी आने के बाद, यह फिर से बढ़ने लगी है। उन्होंने कहा कि यह हैरानी की बात नहीं है क्योंकि संक्रमण को नियंत्रित करने के प्रति ढिलाई वाला दृष्टिकोण अपनाया जा रहा और वैश्विक स्तर पर टीकाकरण कार्यक्रम भी सुस्त है।

हाई इंकम वाले देशों में संक्रमण तेज

शेलेकंस ने कहा कि हाई इंकम वाले देशों और मध्यम आय वाले देशों में भी महामारी फैल रही है। उन्होंने उल्लेख किया कि हाई इंकम वाले देशों में अमेरिका, फ्रांस, इटली, जर्मनी और जापान वैश्विक महामारी के उभार के वाहक बन रहे जबकि मध्यम आय वाले देशों में ब्राजील अग्रणी है। उन्होंने कहा, मृत्यु दर तेजी से बढ़ने लगी है। शेलेकंस ने कहा कि वैश्विक मृत्यु दर के मामले में अमेरिका और ब्राजील सबसे आगे हैं।

बढ़ते मामले हेल्थ सिस्टम पर डाल रहे दबाव

डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस अदनोम घ्रबेयिसस ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि वह चिंतित हैं कि कोविड-19 के बढ़ रहे मामले स्वास्थ्य प्रणालियों और स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों पर और दबाव डाल रहे हैं।

उन्होंने कहा, मैं मौतों के बढ़ते मामलों को लेकर भी चिंतित हूं। संगठन ने कहा कि चार जुलाई से 10 जुलाई के सप्ताह में 9800 से ज्यादा लोगों की संक्रमण से मौत हुई।

जापान में कोरोना के रिकॉर्ड 1.10 लाख से अधिक नये मामले

टोक्यो। जापान में पिछले 24 घंटों के भीतर कोरोना वायरस के 1,10,675 रिकॉर्ड मामले दर्ज किए गए जो गत पांच फरवरी के बाद से सबसे बड़ी दैनिक वृद्धि है। जापानी प्रसारक एनएचके ने शनिवार को देश के स्वास्थ्य मंत्रालय का हवाले से यह जानकारी दी। पिछला रिकॉर्ड मामला गत पांच फरवरी को दर्ज किया गया था जब एक दिन में 1,04,169 मामले दर्ज किए गए थे। कुल मिलाकर, जापान में 1.23 करोड़ कोरोना वायरस मामले सामने आ चुके हैं जबकि 31,500 से अधिक लोगों की मृत्यु हुई है।

श्रीलंका ने फिर की भारत की तारीफ, कहा- दुनिया का इकलौता देश जो कर रहा मदद

नई दिल्ली। पिछले सात दशकों से भयंकर आर्थिक संकट झेल रहे श्रीलंका में हालात सुधरने में काफी वक्त लग जाएगा। राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे और पीएम रानिल विक्रमसिंघे अपने पद से इस्तीफा दे चुके हैं। देश सर्वदलीय सरकार की तरफ आगे बढ़ रहा है। इस बीच एक बार फिर श्रीलंका ने भारत सरकार की तारीफ की है। श्रीलंका के ऊर्जा मंत्री कंचना विजेसेकेरा ने कहा कि भारत ही इकलौता देश है, जिसने हमे क्रेडिट लाइन दी है। हम उम्मीद करते हैं कि दुनिया के अन्य संपन्न देश भी श्रीलंका की मदद को आगे आएंगे। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, श्रीलंका के ऊर्जा मंत्री कंचना विजेसेकेरा ने दुनिया के विभिन्न देशों से ईंधन की आपूर्ति के लिए अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि जो कोई भी देश हमारी मदद के लिए आगे आता है, हम उसकी सराहना करते हैं। अभी सिर्फ भारत की एकमात्र देश है, जिसने हमे एक क्रेडिट लाइन दी है।

कंचना विजेसेकेरा ने कहा कि हम रूसी सरकार के साथ भी चर्चा कर रहे हैं। शुरुआती बैठकें रूस में हुई हैं। हमने अपनी जरूरतें उन्हें बता दी हैं और हम उस पर काम कर रहे हैं। हम यह सुनने का इंतजार कर रहे हैं कि श्रीलंका को रूस की तरफ से किस तरह की सुविधा दी जाएगी। गौरतलब है कि श्रीलंका इस वक्त साल 1948 के बाद से भयंकर आर्थिक संकट से जूझ रहा है। देश में सरकार गिर चुकी है और नई सरकार के गठन की तैयारी है। 21 जुलाई को नए राष्ट्रपति के लिए चुनाव होना है। उधर, श्रीलंका में रोजमर्रा जैसी जरूरतों के दाम आसमान छू रहे हैं। ईंधन की कमी से वाहनों के पहिए थमे हुए हैं। लोगों को कई दिनों तक लाइन लगाने के बाद पेट्रोल नसीब हो रहा है।

श्रीलंका में पेइरिस ने करियावासाम से मांगा स्पष्टीकरण

कोलंबो। भीषण आर्थिक संकट का सामना कर रहे श्रीलंका में श्रीलंका पोदुजाना पेरामुना (एसएलपीपी) के अध्यक्ष जी.एल. पेइरिस ने शनिवार को पार्टी महासचिव सागर करियावासाम से अगले सप्ताह होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव को लेकर दिए गए उनके बयान पर स्पष्टीकरण मांगा है। श्री पेइरिस ने श्री करियावासाम से छह सवालों को जवाब मांगा है, जिनमें उनसे पूछा गया है कि यह निर्णय किस अधिकार के तहत किया गया है, उन व्यक्तियों का नाम बताएं, जिन्होंने इस निर्णय को लेने में बैठक में भाग लिया, उन व्यक्तियों के चयन का आधार क्या है, यह बैठक किस स्थान पर, किस तिथि और समय पर हुयी, इस बैठक को लेकर जारी की गयी नोटिस की तारीख और समय सहित नोटिस से संबंधित विवरण, एसएलपीपी के गठन का प्रावधान, जिसके तहत यह कथित निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि चूंकि एसएलपीपी का एक उम्मीदवार राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़ने के लिए खड़ा हुआ है, इसलिए पार्टी के उम्मीदवार का समर्थन किया जाना चाहिए न कि बाहरी उम्मीदवार का। उल्लेखनीय है कि श्रीलंका में नए राष्ट्रपति के चुनाव करने के लिए 20 जुलाई को संसदीय मतदान होना है।

देश में आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध कराने के लिए उठाए गए कदमों पर चर्चा : रानिल

कोलंबो। श्रीलंका के कार्यकारी राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने शनिवार को कहा कि सरकार ने देश में आर्थिक संकट के बीच लोगों को ईंधन, गैस और आवश्यक खाद्य पदार्थों की आपूर्ति के लिए तत्काल एक कार्यक्रम को लागू करने का फैसला किया है। श्री विक्रमसिंघे ने कहा कि यह फैसला मंत्रियों और पार्लियामेंट के सदस्यों के साथ बैठक में लिया गया। बैठक में अगस्त में पेश होने वाले राहत बजट से इसके लिए अतिरिक्त धनराशि का उपयोग करने का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा कि बैठक में ईंधन और उर्वरक को नियमित और तत्काल रूप से उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया गया। साथ ही देश में व्यापारियों के आवश्यक वातावरण बनाने की योजना भी बनायी गयी, जिससे वे बिना किसी मुश्किलों के व्यापार कर सकें। श्री विक्रमसिंघे ने कहा कि सरकार विरोधी प्रदर्शनकारियों द्वारा सौंपी गई एक योजना को एक अच्छी योजना के रूप में मान्यता दी गई है। इसी आंदोलन ने राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे को देश से भागने के लिए मजबूर किया था। उन्होंने श्रीलंका में भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए किए जा रहे उपायों को कार्यकर्ताओं को सूचित करने का वादा किया।

सिंगापुर में कोरोना के 9153 नए मामले

सिंगापुर। सिंगापुर में शनिवार को कोरोना वायरस के 9,153 नए मामले दर्ज किए गए। इसके साथ यहां इस संक्रमण से प्रभावित होने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 15, 89,099 हो गयी है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक नए मामलों में से 807 मामलों का पता पीसीआर (पोलीमरेज़ चेन रिएक्शन) और 8,346 एआरटी (एंटीजन रैपिड टेस्ट) के माध्यम से लगाया गया। मंत्रालय ने बताया कि पीसीआर मामलों में 762 स्थानीय स्तर पर संक्रमण के हैं, जबकि 45 मामले विदेशों से आए हुए लोगों से संबंधित हैं। हल्के लक्षणों वाले और कम जोखिम वाले एआरटी मामलों में क्रमश: 7,929 स्थानीय स्तर पर संक्रमण और 417 विदेशों से आए हुए लोगों से संबंधित हैं। यहां शनिवार को इस जानलेवा विषाणु के कारण तीन लोगों ने अपनी जान गंवाई। इसके बाद यहां पर मृतकों की संख्या बढ़क 1,450 हो गयी।

फिजी में टाइफाइड के मामले बढ़ने से दो गांवों में लॉकडाउन

सुवा। साल्मोनेला टाइफी जीवाणु के कारण होने वाले घातक संक्रमण 'टाइफाइड बुखार' के प्रकोप के कारण फिजी के उत्तरी क्षेत्र के दो गांवों में लॉकडाउन लगा दिया गया। फिजी के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि उत्तरी द्वीप वनुआ लेवु के वाइवुनिया गांव और नटुआ गांव में टाइफाइड बुखार के छह मामले सामने आए हैं, जो कि फिजी का दूसरा सबसे बड़ा द्वीप है। संक्रमित ग्रामीणों को क्वारंटाइन कर दिया गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

बैरन नींद न आए...

महिलाओं में इनसोमनिया की समस्या

अनिद्रा और कम नींद उन समस्याओं में से है जिनसे महिलाएं अक्सर ग्रस्त रहती हैं। एक अनुमान के अनुसार पुरुषों की तुलना में महिलाओं में अनिद्रा एवं नींद से जुड़ी समस्याएं दोगुनी होती है और इन समस्याओं के कारण उनके मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ता है। इससे वे कई गंभीर बीमारियों से पीड़ति हो जाती हैं। अनिद्रा यानी इनसोमनिया से ग्रस्त महिलाएं हाई ब्लड प्रेशर, दिल के दौरे और ब्रैन हेमरेज जैसी जानलेवा समस्याओं से ग्रस्त हो सकती हैं।

अनिद्रा की बीमारी से यूं तो करीब एक तिहाई आबादी ग्रस्त है लेकिन महिलाओं में इस बीमारी का प्रकोप बहुत अधिक है। हर दूसरी-तीसरी महिला को रात-रात भर नींद नहीं आने की शिकायत होती है। हालांकि नींद नहीं आने के कई कारण हैं लेकिन मौजूद समय में महिलाओं पर खास कर शहरी महिलाओं पर घर-दफ्तर की दोहरी जिम्मेदारी आने के कारण उत्पन्न तनाव और मानसिक परेशानियों ने भी ज्यादातर महिलाओं की आंखों से नींद चुरा लिया है। वहीं, नौकरीपेशा एवं महत्वाकांक्षी महिलाओं में शराब एवं सिगरेट का फैशन बढ़ने से भी उनमें यह बीमारी बढ़ी है।

प्रसिद्ध मनोचिकित्सक एवं नई दिल्ली स्थित कॉस्मोस इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड बिहैवियरल साइंसेस (सीआईएमबीएस) के निदेशक डॉ. सुनील मित्तल बताते हैं कि महिलाओं में कुदरती तौर पर ही अनिद्रा एवं कम नींद आने की समस्या अधिक होती है। इसके कई कारण हैं जिनमें खास हार्मोन का बनना, अधिक जिम्मेदारियां होना, डिप्रेशन और एंगजाइटी जैसी मानसिक समस्याएं अधिक होना आदि प्रमुख है।

डॉ. सुनील मित्तल बताते हैं कि अक्सर कई महिलाओं में यह देखा गया है कि उन्हें नींद आने में दिक्कत होती है तथा बीच रात में या बहुत सबेरे नींद खुल जाती है। इसका इलाज नहीं होने पर दिन भर थकान रहने, डिप्रेशन, चिड़चिड़ापन, कार्य क्षमता में कमी, दुर्घटना या चोट लगने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। अनिद्रा की शिकार महिलाओं को रोजाना सात-आठ घंटे की नींद जरूरी है लेकिन अगर अच्छी और गहरी नींद आए तब चार-पांच घंटे की नींद ही पर्याप्त होती है।

सीआईएमबीएस की मनोचिकित्सक डॉ. शोभना मित्तल बताती हैं कि महिलाओं में नींद कम आने की समस्या केवल भारत में ही नहीं दुनिया में हर जगह है। महिलाओं में कम नींद आने के अलावा नींद के दौरान पैरों में छटपटाहट (रेस्टलेस लेग सिन्ड्रॉम) और नींद से उठकर खाना खाने की समस्या अधिक पायी जाती है। डॉ. भाटिया का कहना है कि टेलीविजन के दौर में देर रात तक धारावाहिक देखने की आदत के कारण भी महिलाओं की नींद खराब हो रही है। सीआईएमबीएस के मनोचिकित्सक डॉ. समीर किलानी कहते हैं कि अक्सर महिलाएं नींद से संबंधित परेशानियों को नजरअंदाज करती हैं लेकिन उन्हें इन समस्याओं को गंभीरता से लेना चाहिए और चिकित्सकों से संपर्क करना चाहिए क्योंकि नींद की कमी के कारण लोगों, खास तौर पर युवकों में डायबीटीज, हाई ब्लड प्रेशर, दिल से संबंधित रोग या मोटापा जैसी कई बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं और इस पर ध्यान नहीं दिए जाने के परिणाम घातक भी हो सकते हैं।

सीआईएमबीएस की क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट मिताली श्रीवास्तव कहती हैं कि भरपूर नींद लेने से हमारी शारीरिक ऊर्जा को बनाए रखने में भी मदद मिलती है। नींद हमारे दिमाग और शरीर के लिए कई तरह से जरूरी है। नींद की स्वस्थ आदत किसी भी उम्र के व्यक्ति के स्वास्थ्य और उसकी बेहतरी के लिए आवश्यक है।

इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल के वरिष्ठ ईएनटी विशेषज्ञ डा. संदीप सिंधु के अनुसार हालांकि नींद से जुड़ी खराटें की समस्या भी प्रमुख है। लेकिन यह समस्य पुरुषों में अधिक पाई जाती है लेकिन अधिक वजन की महिलाओं के अलावा रजोनिवृत महिलाओं को यह समस्या हो जाती है।

डॉ. सुनील मित्तल के अनुसार अनिद्रा अर्थात इनसोमनिया की बीमारी कई रूपों में सामने आती है। आम तौर पर यह किसी छिपी बीमारी का लक्षण है। इनसोमनिया किसी भी उम्र में हो सकती है और महिलाओं के साथ-साथ पुरुषों को भी होती है लेकिन पुरुषों की तुलना में महिलाएं इस बीमारी से काफी अधिक ग्रस्त रहती हैं।

इनसोमनिया कई कारणों से हो सकती है जिनमें से एक कारण रेस्टलेस लेग सिन्ड्रॉम है। ऐसे रोगियों की टांगें नींद में छटपटाती रहती है, जिससे दिमाग के अंदर नींद में बार-बार व्यवधान पड़ता है और बार-बार नींद खुलती रहती है। अधिक समय तक इस बीमारी से ग्रस्त रहने पर मरीज डिप्रेशन का भी शिकार हो जाता है क्योंकि इनसोमनिया के लक्षण उसे मानसिक रोगी बना देते हैं। इनसोमनिया की पहचान इसके लक्षणों से ही हो जाती है, लेकिन इसकी पुष्टि के लिए रोगी की नींद का अध्ययन करना जरूरी है क्योंकि जब तक रोगी की नींद का अध्ययन नहीं किया जाएगा बीमारी की गंभीरता का भी पता नहीं चल पाएगा।

शयन अध्ययन (स्लीप स्टडीज) के दौरान मरीज की हृदय गति, आंखों की गति, शारीरिक स्थिति, श्वसन मार्ग की स्थिति, ब्ल्ड फ्लो आदि का मॉनीटर किया जाता है। इससे यह पता लग जाता है कि रोगी को सोने के समय क्या दिक्कत आती है। अनिद्रा स्वयं में बीमारी ही नहीं बल्कि दूसरी बीमारी या बीमारियों का लक्षण भी है और इसलिए इनसोमनिया का इलाज करने के लिए उसके मूल कारण को जानना और उस कारण का इलाज करना जरूरी है।

स्किन टोन के मुताबिक करें शेड्स का सिलेक्शन

लिपस्टिक खरीदने से पहले इन बातों का रखें खास ध्यान

लिपस्टिक एक आम चेहरे की खूबसूरती को दोगुना बढ़ाता है। कई महिलाएं लिपस्टिक खरीदते वक्त केवल शेड और ब्रांड के झांसे में आकर ऐसे शेड्स खरीद लेती हैं, जो उनके स्किन टोन और बजट के साथ मैच नहीं करता। गलत लिपस्टिक से चेहरा अजीब दिखने लगता है। इन परेशानियों से बचने के लिए ये टिप्स अपनाएं और अपनी परफेक्ट लिपस्टिक चुनें।

अपनी स्किन टोन के अनुसार शेड चुनें

स्किन टोन के हिसाब से लिपस्टिक के शेड अलग-अलग होते हैं। फेयर स्किन टोन के लिए लाइट पिंक, कोरल, पीच और न्यूड शेड बेहतर होते हैं। अगर आपकी नॉर्मल स्किन टोन है तो पिंक, मौव बेरी शेड्स ट्राई करें। सांवली स्किन टोन के लिए डार्क रेड शेड्स सही होते हैं।

बजट निर्धारित करें

कई बार हम क्वालिटी के फेर में महंगे विदेशी ब्रांड्स की लिपस्टिक खरीदने के बाद पछताते हैं, जबकि वही क्वालिटी कम दाम में हमें देशी कंपनियों में भी मिल जाती है। इसलिए महंगी लिपस्टिक खरीदने से पहले इन कंपनियों के बारे में जान लें।

लिपस्टिक की एक्सपायरी डेट चेक करें

आमतौर पर हर लिपस्टिक की शेल्फ लाइफ 3 साल होती है। ऐसे में खराब हो चुकी लिपस्टिक का इस्तेमाल आपके होठों पर बुरा असर डाल सकता है। इसलिए हमेशा शेल्फ लाइफ और एक्सपायरी डेट चेक कर ही लिपस्टिक लें।

अपनी स्किन पर ट्राई करें

लिपस्टिक को हमेशा अपनी कलाई पर ट्राई करें। इससे लिपस्टिक का सही शेड जानने में आसानी होती है।

लिपस्टिक के प्रकार

मौसम और मौके के अनुसार लिपस्टिक का प्रकार चुनें। बाजार में क्रीम, मैट, ग्लॉसी, लिप टिंट, लिप बाम जैसे कई लिप कलर मौजूद हैं।

नकली या रेप्लिका प्रोडक्ट खरीदने से बचें

बाजार में ओरिजिनल ब्रांड के लिप प्रोडक्ट के नाम से नकली प्रोडक्ट की भरमार है। इनकी पहचान करना भी मुश्किल है। इनका इस्तेमाल आपके होठों को खराब कर सकता है। इसलिए बड़े ब्रांड का प्रोडक्ट केवल ब्रांड स्टोर से ही लें।

नए शेड्स ट्राई करें

लिपस्टिक के कई बेहतरीन शेड्स मौजूद हैं, जो आपको एक नया लुक दे सकते हैं। इसलिए हर बार पुराने शेड्स खरीदने की बजाए नए शेड्स भी ट्राई करें।

गृभावस्था से जुड़े मिथक

गर्भवती महिला को सिर्फ आराम करना चाहिए, आयरन टेबलेट खाने से बच्चे होते हैं सांवले

जब एक महिला पहली बार गर्भवती होती है, तो इतने सारे सवाल जेहन में होते हैं कि वो सबकी बात मानने लग जाती हैं। हम आपको कुछ ऐसे ही प्रेग्नेंसी से जुड़े मिथक और उनकी सच्चाई बता रहे हैं।

आयरन टेबलेट से होने वाले बच्चे का रंग सांवला हो जाएगा

गांवों में ये मिथक बहुत प्रचलित होते हैं। लेकिन सच्चाई ये है कि गर्भवती महिला में अगर खून की कमी होगी तो जच्चा-बच्चा दोनों को खतरा है। आयरन टेबलेट का बच्चे के रंग से कोई लेना-देना नहीं है।

गर्भवती महिला को पूरे समय सिर्फ आराम करना चाहिए

ये भी एक मिथक है। अगर प्रेग्नेंसी में कोई कॉम्प्लिकेशन है और डॉक्टर ने बेड-रेस्ट करने को कहा है तो ठीक है वरना एक गर्भवती महिला को सामान्य दिनचर्या अपनानी चाहिए। डॉक्टर की सलाह अनुसार एक्टिव रहना चाहिए। ये बच्चे के जन्म को आसान बनाता है और महिलाओं में वजन को अधिक बढ़ने से भी रोकता है।

अल्ट्रासाउंड- होने वाले बच्चे के लिए सुरक्षित नहीं

ये एक बहुत बड़ा भ्रम है । कई बार गर्भ में पल रहे बच्चे में विकसित किसी विकृति या प्रेग्नेंसी में कॉम्प्लिकेशन के बारे में अल्ट्रासाउंड के जरिए ही पता चलता है जिसे समय रहते ठीक किया जा सकता है। ऐसे में डॉक्टर की सलाह अनुसार समय-समय पर अल्ट्रासाउंड कराना बेहद जरूरी है।

गर्भवती महिला को दो लोगों के हिसाब से डाइट लेनी चाहिए

संतुलित और पौष्टिक आहार बहुत जरूरी है लेकिन दो लोगों के हिसाब से खाना यानी अधिक कैलोरी लेना। ये महिला के वजन को बेतहाशा बढ़ाएगा जो जच्चा-बच्चा दोनों के लिए ही खतरनाक हो सकता है।।

गर्भवती को ज्यादा बाहर नहीं जाना चाहिए

ये भी मिथक है। जब तक डॉक्टर ने मना न किया हो, आप सामान्य रूप से अपनी जिंदगी जिए। जितना एक्टिव रहेंगी उतना अच्छा होगा।

उम्र तो सिर्फ एक नंबर है, रिटायरमेंट के बाद भी ये टिप्स बनाए रखेंगी चुस्त-दुरुस्त

60 प्लस में भी रहें फिट

साठ की उम्र तक पहुंचते-पहुंचते हम मान लेते हैं कि बस अब जिंदगी की ढलान शुरू हो गई है। हम ऐसा न भी मानें तो समाज बार-बार हमें एहसास दिलाता रहता है कि बस अब तुम्हारा समय खत्म हुआ। जबकि ऐसा है नहीं। 60 तो सिर्फ एक नंबर है, संख्या है, आप चाहें तो इस उम्र में भी फिट और हेल्दी रह सकती हैं। कैसे ये हम आपको बताते हैं-

दिल तो बच्चा है जी

ये सिर्फ कहने भर की बात नहीं है, अगर आप दिल से खुद को बच्चा मानती हैं तो वाकई 60 सिर्फ एक संख्या ही रह जाएगी। Im 25 का एक कांसेप्ट है। जहां आपको ये मानना है कि आप अभी 25 साल के ही हैं। फिर याद कीजिए कि 25 साल की उम्र में आप में कितना उत्साह था, जोश था। उस जोश को वापस जिंदगी में ले आइए- आप बूढ़े नहीं होंगे

शरीर भी हो जवान

दिल के साथ-साथ शरीर का भी तो साथ देना ज़रूरी है, लेकिन इसके लिए जवानी के दिनों से ही मेहनत शुरू करनी होगी। जैसे 30 साल की कमाई से जो बचाया वो रिटायरमेंट के बाद काम आता है, वैसे ही 30 साल जो शरीर के लिए किया वो 60 के बाद आपको जवान रखता है। तो शुरू से ही खान-पान और कसरत का ध्यान रखेंगे तो बुढ़ापा आपको छू भी नहीं पाएगा। हालांकि अगर पहले कुछ नहीं किया और अब शरीर के लिए कुछ करना चाह रही हैं, तो भी बुरा नहीं है। एक रूटीन बनाएं, पसंद की कसरत करें, खुश रहें और जवान दिखें।

डॉक्टरी जांच भी है ज़रूरी

साल में दो बार ओवरऑल चेकअप ज़रूर कराएं। इसे अतिरिक्त खर्च न मानें। बल्कि कोई दिक्कत है तो उसका समय रहते समाधान आसान है और कम खर्चीला भी।

4. दोस्तों का साथ

एक उम्र के बाद इंसान अकेला महसूस करने लगता है। कई बार परिवार हमारे साथ नहीं होता, लेकिन अगर हमारा एक ग्रुप है, दोस्त हैं- जिनसे आप सुख-दुःख की बातें कर सकते हैं, तो आपका मन प्रसन्न रहेगा और आप मानसिक रूप से स्वस्थ रहेंगे।

एक्टिव रहें

खुद को एक्टिव रखें। जो काम आप पहले करना चाहती थीं, लेकिन समय का अभाव या दूसरी वजहों से नहीं कर पाईं, उन्हें अब पूरा कीजिए। ये आपको खुश भी रखेगा और फिट भी।

खान-पान का रखें ध्यान

एक उम्र के बाद पाचन शक्ति उतनी मज़बूत नहीं रहती, ऐसे में जरूरी है कि आपका खाना हल्का हो, पौष्टिक हो और आपके पसंद का भी हो। खुद भी खाने में नए और पौष्टिक प्रयोग कर सकती हैं।

कोरोनाकाल में ऐसे करें नवजात की देखभाल

वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन (WHO) के मुताबिक दुनियाभर में रोजाना 7 हजार नवजात दम तोड़ देते हैं। 2018 में 25 लाख बच्चों की जन्म के पहले ही माह में मौत हो गई। इस समय नवजातों की देखभाल और भी ज्यादा जरूरी है, क्योंकि कोरोना अभी खत्म नहीं हुआ है।हाल ही में मां बनने वाली महिलाओं के मन में कई सवाल हैं, जैसे संक्रमित हैं तो ब्रेस्टफीड कराएं या नहीं, नवजात को कोरोना का खतरा कितना है, कोरोनाकाल में बच्चे की देखभाल कैसे करें आदि। सवालों के जवाब दे रहे हैं जयपुर के जेके लोन हॉस्पिटल के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रियांशु माथुर-

बच्चों में कोरोना के मामले कम क्यों?

बच्चों में कोरोना होने के मामले इसलिए कम हैं, क्योंकि कोरोना जिस ACE2 रिसेप्टर की मदद से शरीर में एंट्री करता है, बच्चों में ये रिसेप्टर काफी कम पाए जाते हैं। इसलिए इनमें कोरोना की गंभीरता के मामले उतने सामने नहीं आ रहे जितने बड़ों में आ रहे हैं। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है लापरवाही बरती जाए। बच्चे के आसपास सिर्फ मां और फैमिली मेम्बर्स को ही जाने दें, वो भी मास्क और हाथों को सैनिटाइज करने के बाद।

कोरोना संक्रमित मां ब्रेस्टफीड कराएं या नहीं?

अगर मां संक्रमित है तो भी नवजात को ब्रेस्टफीड करा सकती है, लेकिन उसे मास्क लगाना जरूरी है। अपनी मर्जी से ब्रेस्टफीडिंग कभी बंद न करें। मां के दूध से ही बच्चे की इम्युनिटी पॉवर बढ़ती है। इसलिए 6 माह तक बच्चे को अपना ही दूध पिलाना चाहिए। इसके अलावा खांसी या छींक के दौरान निकलने वाली लार की बूंदों से बच्चे को बचाएं और उन्हें बाहर लेकर न जाएं।